RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 33 ■ अंक 346 ■ मुंबई, सोमवार 7 जुलाई 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

अयोध्या के राम मंदिर की दिव्यता एक गौरव

पेज-4

मंदिरों का जीर्णोद्धार कराएगी योगी सरकार

पेज-6

अयोध्या को क्यों कहते हैं धार्मिक नगरी?

पेज-8

वैभव सूर्यवंशी ने यूथ वनडे में ठोका सबसे तेज शतक

पेज-9

Short News एक नजर

आज ट्रंप और नेतन्याहू की होगी मुलाकात

नई दिल्ली। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू आज अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। इस अहम बैठक में गाजा में युद्धविराम की कोशिशों और ईरान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये मुलाकात ट्रंप की मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित करने की कोशिशों का हिस्सा है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा जाए...

नई दिल्ली। दिल्ली में रेलवे स्टेशनों के नाम बदलने की मांग बढ़ रही है। चांदनी चौक के BJP सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को एक पत्र लिखा है। उन्होंने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि यह स्टेशन भारत की राजधानी का मुख्य प्रवेश द्वार है। वाजपेयी जी को यह सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कुछ दिनों पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम 'महाराजा अग्रसेन रेलवे स्टेशन' करने की मांग की थी।

तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण 42 प्रतिशत करने का मुद्दा गरमाया

हैदराबाद। तेलंगाना में सभी राजनीतिक पार्टियां स्थानीय निकाय चुनाव में पिछड़ा वर्ग आरक्षण के मुद्दे पर लाभ लेने के लिए एक दूसरे से होड़ कर रही हैं। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को तीन महीने में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। ऐसे में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी और विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भाजपा तीनों ही पार्टियां आरक्षण के मुद्दे का फायदा उठाना चाहती हैं। कांग्रेस और बीआरएस, भाजपा पर दबाव बना रही हैं कि वे केंद्र सरकार से आरक्षण विधेयक को मंजूर कराएं। राज्य विधानसभा से तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने का विधेयक पारित हो गया है।

ईरान का लाखों अफगानों को अल्टीमेटम

तेहरान। इजरायल के साथ 12 दिनों तक चले भीषण युद्ध और अमेरिका द्वारा परमाणु ठिकानों को निशाना बनाए जाने के बाद ईरान ने अपने देश के भीतर सख्ती शुरू कर दी है। इस क्रम में ईरान सरकार ने लाखों अफगान शरणार्थियों और प्रवासियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। तय समयसीमा 6 जुलाई को खत्म हो चुकी है, जिसके बाद देश में रहने वाले अवैध अफगानों को कभी भी गिरफ्तार कर निकाला जा सकता है।

अंग्रेजों का घमंड चकनाचूर

बर्मिंघम। टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड को जिस बात का घमंड था भारत ने उसे आज वो भी चकनाचूर कर दिया। 25 साल के युवा कप्तान शुभमन गिल की सेना ने दिग्गजों से भरी इंग्लिश ब्रिगेड को बर्मिंघम में घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया। भारतीय टीम ने दूसरी पारी के आधार पर क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े सुपरहीरो कहे जाने वाले बेन स्टोक्स की बाजबॉल टीम को 608 रनों का लक्ष्य दिया। इसके बाद आकाश दीप और मोहम्मद सिराज जैसे कम अनुभवी गेंदबाजों की कातिलाना गेंदबाजी के दम पर कभी नहीं जीत पाने वाले इतिहास के पन्नों को फाड़ डाला। भारतीय टीम ने इंग्लैंड की दूसरी पारी 271 रनों पर ढेर कर दी, जबकि 336 रनों से यह मैच जीत लिया। यह भारत की रनों के मामले में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 279 रनों की जीत 1986 में आई थी, जिसमें भारत के कप्तान कपिल देव थे।

भाजपा अध्यक्ष पद की रेस में शिवराज सहित छह नाम शामिल

नई दिल्ली। भाजपा जल्द ही नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। भाजपा नए अध्यक्ष के लिए 6 नामों पर विचार कर रही है, इनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव और धर्मेंद्र प्रधान शामिल हैं। वहीं, भाजपा महासचिव सुनील बंसल और विनोद तावड़े भी रेस में बताए जा रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए तीन मुख्य बातों-संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, जातीय समीकरण को ध्यान में रख रही हैं। जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए एक केंद्रीय चुनाव समिति का गठन हो सकता है। यदि चुनाव की जरूरत पड़ती है तो यह समिति नामांकन, जांच और मतदान की प्रक्रिया पूरी करेगी। बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 को खत्म हो चुका है। वह एक्सटेंशन पर हैं। वहीं, वह केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं, इस वजह से भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है।

दुनिया को नई व्यवस्था की जरूरत

BRICS में बोले पीएम मोदी- ग्लोबल संस्थाओं में सुधार हो, 20वीं सदी के टाइपराइटर आज के सॉफ्टवेयर नहीं चला सकते

महानगर नेटवर्क
रियो डी जनेरियो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने BRICS समिट में एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक नई, बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की आवश्यकता है। इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थाओं में बदलाव से करनी होगी।

PM ने कहा, '20वीं सदी में बनाई गईं वैश्विक संस्थाएं 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में असमर्थ हैं। AI के युग में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट न होती। 20वीं सदी के टाइपराइटर 21वीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'ग्लोबल साउथ अक्सर डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहा है। चाहे विकास हो, संसाधनों की बात हो, या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। ग्लोबल साउथ के बिना, वैश्विक संस्थाएं ऐसे मोबाइल की तरह हैं, जिसमें सिम कार्ड तो है लेकिन नेटवर्क नहीं है।'

ब्राजील के रियो डी जनेरियो शहर में 17वीं BRICS समिट जारी है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए हैं। इस बार BRICS का एजेंडा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का सही इस्तेमाल, क्लाइमेट एक्शन, ग्लोबल हैल्थ जैसे मुद्दे हैं। प्रधानमंत्री मोदी 3 दिनों के दौरे पर ब्राजील में हैं।

BRICS में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने PM मोदी का स्वागत किया। दोनों ने हाथ मिलाए और एक दूसरे को गले लगाया। भारत BRICS में सीमा पार आतंकवाद पर अपनी चिंताओं को दोहरा सकता है।

मोदी 12वीं बार BRICS समिट में भाग ले रहे हैं। PM मोदी BRICS के कई सदस्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे। वे दो दिन के लिए राजकीय दौरे पर राजधानी ब्रासीलिया भी जाएंगे।

'सुपरपावर देशों की तानाशाही से टकराव का माहौल'

विश्व युद्ध की संभावना प्रबल

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि दुनिया में रूस-यूक्रेन और इस्राइल-ईरान जैसे युद्धों के कारण टकराव का माहौल बन गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी स्थिति बन रही है जिससे कभी भी विश्व युद्ध छिड़ सकता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी नागपुर में 'बियॉन्ड बॉर्डर्स' नाम की पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बड़ी महाशक्तियों की तानाशाही और अधिनायकवाद के चलते दुनिया से समन्वय, सौहार्द और प्रेम खत्म होता जा रहा है। उन्होंने कहा, 'आज पूरी दुनिया में संघर्ष का वातावरण है। रूस-यूक्रेन और इस्राइल-ईरान के बीच युद्ध जारी हैं। ऐसे हालात बन रहे हैं कि कभी भी वर्ल्ड वॉर जैसी स्थिति पैदा हो सकती है।'

नितिन गडकरी ने कहा कि युद्ध की तकनीक अब पूरी तरह बदल चुकी है। अब टैंक और पारंपरिक विमान कम उपयोगी हो गए हैं, जबकि मिसाइल और ड्रोन जैसे आधुनिक हथियारों का ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा 'अब मिसाइलें सीधे नागरिक बस्तियों पर गिराई जा रही हैं, जिससे मानवता की रक्षा करना मुश्किल होता जा रहा है। यह एक गंभीर समस्या है जिस पर वैश्विक स्तर पर चर्चा की जरूरत है'।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को आषाढ़ी एकादशी के शुभ अवसर पर सोलापुर जिले के पंढरपुर में श्री विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर में पूजा-अर्चना की और राज्य के लिए दिव्य आशीर्वाद मांगा। उन्होंने भगवान विट्ठल से संकटों पर विजय पाने की शक्ति, सन्मार्ग पर चलने की बुद्धि तथा किसानों की समृद्धि एवं संतुष्टि के लिए आशीर्वाद मांगा। फडणवीस ने अपनी पत्नी अमृता के साथ नाशिक से आये सम्मानित भक्तों कैलास दामू उगले और कल्पना उगले के साथ आधिकारिक महापूजा की।

ब्रिटिश फाइटर जेट F-35 ठीक करने 40 इंजीनियर पहुंचे भारत

महानगर नेटवर्क
तिरुअनंतपुरम

ब्रिटिश फाइटर जेट F-35 को ठीक करने ब्रिटेन से 40 इंजीनियरों की टीम रविवार को भारत पहुंच गई है। टीम तय करेगी कि विमान की मरम्मत यहीं हो सकती है या वापस UK भेजना होगा। पहले ब्रिटेन की इस टीम को 2 जुलाई को आना था।

फाइटर जेट 14 जून की रात केरल के तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। लैंडिंग के बाद जेट में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यह वापस नहीं जा सका। जेट एयरपोर्ट पर ही खड़ा है।

918 करोड़ रुपए का यह विमान ब्रिटेन की रॉयल नेवी के HMS प्रिंस ऑफ वेल्स कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का हिस्सा है। इसे दुनिया भर में सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट में से एक माना जाता है। HMS के एक्सपर्ट ने बताया था कि जेट को ठीक करने में ब्रिटेन की इंजीनियरिंग टीम की मदद लगेगी।

ट्रम्प और मस्क आमने-सामने

कहा- रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों भ्रष्ट, देश को 2 पार्टी सिस्टम से आजादी मिलेगी

मस्क ने राजनीतिक दल बनाया, नाम रखा- 'अमेरिका पार्टी'

महानगर नेटवर्क
वॉशिंगटन

अरबपति बिजनेसमैन इलॉन मस्क ने अमेरिका में एक नई पॉलिटिकल पार्टी बनाने का ऐलान किया। उन्होंने इसका नाम 'अमेरिका पार्टी' रखा है। मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा- आज अमेरिका पार्टी का गठन किया जा रहा है, ताकि आपको आपकी आजादी वापस मिल सके।' इसे लेकर उन्होंने X पर पब्लिक पोल भी किया था। मस्क ने अपने पोस्ट में कहा कि आप में 66% लोग एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और अब यह आपको मिलेगी। जब बात अमेरिका को बर्बाद करने और भ्रष्टाचार की आती है तो अमेरिका में दोनों पार्टी (रिपब्लिकन और डेमोक्रेट) एक ही जैसी हैं। अब देश को 2 पार्टी सिस्टम से आजादी मिलेगी।

जैसे ही मस्क की पार्टी का ऐलान हुआ, सबसे बड़ा सवाल खड़ा हो गया-क्या एलन मस्क खुद राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ सकते हैं? अमेरिका में किसी के लिए भी राष्ट्रपति चुनाव लड़ना आसान नहीं है। अमेरिकी संविधान के अनुच्छेद II, खंड 1 के अनुसार, कोई भी व्यक्ति तभी अमेरिकी राष्ट्रपति बन सकता है यदि वह तीन शर्तों को पूरा करे। पहली शर्त है- वह जन्म से अमेरिका का नागरिक हो। दूसरा- उसकी उम्र कम से कम 35 वर्ष हो और वह अमेरिका में कम से कम 14 साल से रह रहा हो।

उद्धव गुट बोला-हम हिंदी विरोधी नहीं

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने फैसला लिया था कि कक्षा 1 से 5 तक हिंदी तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी, लेकिन विरोध के बाद सरकार ने यह फैसला वापस ले लिया। इस जीत का जश्न मनाने के लिए शनिवार को उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे सालों बाद एक मंच पर आए। हालांकि, अगले ही दिन रविवार को उद्धव की शिवसेना ने साफ किया कि उनकी पार्टी हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं है।

संजय राउत ने कहा-

तमिलनाडु में जो हिंदी विरोध है, उसमें वे न हिंदी बोलते हैं और न दूसरों को बोलने देते हैं। लेकिन महाराष्ट्र में हमारा ऐसा कोई रुख नहीं है। हम हिंदी बोलते हैं, यहां हिंदी फिल्में, थिएटर और संगीत भी है। हमारी लड़ाई सिर्फ प्राथमिक शिक्षा में हिंदी थोपने के खिलाफ है।

राउत ने कहा कि DMK नेता एम.के. स्टालिन को उनके संघर्ष के लिए शुभकामनाएं, लेकिन हमारी सीमाएं स्पष्ट हैं। स्टालिन बोले थे- हमारी हिंदी विरोधी लड़ाई महाराष्ट्र पहुंची।

न्यू इंडिया को-ऑप बैंक घोटाला

फरार आरोपी लखनऊ से गिरफ्तार

महानगर संवाददाता
मुंबई

मुंबई पुलिस की EOW टीम ने न्यू इंडिया को ओपरेटिव बैंक घोटाले में 122 करोड़ रुपये के घोटाले में वांछित नौवें आरोपी पवन अमरसिंह जायसवाल को उत्तर प्रदेश के लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर EOW की टीम मुंबई ला रही है, जहां उससे पूछताछ की जाएगी। EOW के अनुसार, जायसवाल लखनऊ के गोमतीनगर एक्सटेंशन इलाके में छिपकर रह रहा था।

उसके साथी राजीव रंजन पांडेय की गिरफ्तारी के बाद से ही वह फरार था और जांच एजेंसी को गुमराह करने की कोशिश कर रहा था। मूल रूप से झारखंड के चक्रधरपुर का रहने वाला जायसवाल पहले बिल्डिंग मटेरियल सप्लाई का काम करता था, लेकिन बैंक घोटाले में उसका नाम सामने आने के बाद वह झारखंड छोड़कर लखनऊ में अपने रिश्तेदारों के पास जाकर छिप गया था।

दो महीने की तकनीकी निगरानी और विश्लेषण के बाद आखिरकार EOW ने उसे दबोच लिया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि जायसवाल इस घोटाले की रकम में से 3.50 करोड़ रुपये का लाभार्थी है। इस घोटाले में अब तक कई परतें खुल चुकी हैं और जायसवाल की गिरफ्तारी से कैश फ्लो को समझने में पुलिस को बड़ी मदद मिलने की उम्मीद है।

देश में तेजी से घटी गरीबी

2011 से 17.1 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारत दुनिया का चौथा सबसे समान समाज वाला देश बन गया है। इसका मतलब यह है कि देश में जो भी डेवलपमेंट हो रहा है उसका फायदा मैक्सिमम लोगों तक पहुंच रहा है। वर्ल्ड बैंक लेटेस्ट रिपोर्ट- गिनी इंडेक्स में यह जानकारी सामने आई है। इस लिस्ट में भारत 167 देशों से ऊपर और स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस से नीचे है।

सवाल जवाब में समझते हैं इस रिपोर्ट के मायने...

सवाल: दुनिया के सबसे समान समाजों में से एक होने का मतलब क्या है?

जवाब: भारत दुनिया के उन देशों में चौथे नंबर पर है, जहां आमदनी का बंटवारा सबसे बराबर तरीके से होता है। इसका मतलब है कि भारत में अमीर और गरीब के बीच की आर्थिक खाई पहले की तुलना में कम हुई है। भारत का 'गिनी इंडेक्स' 25.5 है, ये दिखाता है कि देश में आर्थिक असमानता कम है। ये स्कोर स्लोवाक रिपब्लिक, स्लोवेनिया और बेलारूस के बाद आता है। लेकिन चीन (35.7), अमेरिका (41.8) और G7 और G20 देशों से बेहतर है।

सवाल: गिनी इंडेक्स क्या होता है?

जवाब: गिनी इंडेक्स एक तरह का इक्वालिटी मेजरमेंट है, जो ये बताता है कि किसी देश में आमदनी या दौलत कितनी बराबरी से बंटी हुई है। इसका स्कोर 0 से 100 तक होता है। 0 का मतलब है कि सबके पास बिल्कुल बराबर आमदनी है और 100 का मतलब है कि सारी आमदनी केवल एक व्यक्ति के पास है। भारत का स्कोर 25.5 है, जो 'मध्यम रूप से कम' असमानता की श्रेणी में आता है। 2011 में ये 28.8 था, यानी हाल के सालों में भारत ने बराबरी की दिशा में काफी तरक्की की है।

पूर्व CJI चंद्रचूड़ बंगला खाली करने को तैयार हैं...

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ अपने सरकारी बंगले (5, कृष्ण मेनन मार्ग) में तय समयसीमा से ज्यादा रह गए हैं। अब सुप्रीम कोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा कि पूर्व CJI से उनका बंगला जल्द खाली कराया जाए, ताकि हम उसे कोर्ट के हाउसिंग पूल में शामिल कर सकें।

सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस बीआर गवई को मिलाकर 33 जज हैं। सुप्रीम कोर्ट में जजों की सेंक्शन संख्या 34 है। शीर्ष कोर्ट के चार जजों को अभी तक सरकारी बंगला नहीं मिला है।

3 जज सुप्रीम कोर्ट के ट्रांजिट अपार्टमेंट जबकि एक जज स्टेट गेस्ट हाउस में रह रहे हैं। शीर्ष कोर्ट ने जल्द से जल्द 5, कृष्ण मेनन मार्ग बंगला लौटाए जाने की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने 1 जुलाई को केंद्रीय आवास और नगरीय मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखा। इसमें कहा कि 5 कृष्ण मेनन मार्ग बंगला पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के पजेशन में है। उन्हें बंगले को पास रखने की अनुमति भी 31 मई 2025 को खत्म हो गई है। इसे बिना देर किए खाली कराएं।

पूर्व CJI बोले- बेटियों को खास सुविधाओं वाले घर की जरूरत

बंगला खाली न कर पाने को लेकर पूर्व CJI चंद्रचूड़ ने कहा, 'ऐसा निजी कारणों के चलते हुआ। सुप्रीम कोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन को इस बारे में जानकारी दी थी। मैं सरकारी बंगले में समयसीमा से ज्यादा नहीं रहना चाहता था, लेकिन मेरी बेटियों को कुछ खास सुविधाओं वाले घर की जरूरत है। इस साल फरवरी से मैं लगातार घूम रहा हूं। मैंने सर्विस अपार्टमेंट और होटल भी देखे, लेकिन वहां जाया नहीं जा सकता।

पूर्व CJI ने ये भी बताया, 'मैंने 28 अप्रैल को तब चीफ जस्टिस रहे संजीव खन्ना को लिखित में जानकारी दी थी कि मैं उपयुक्त घर की तलाश कर रहा हूं। मुझे 30 जून तक इसी बंगले में अनुमति दें, लेकिन इसका कोई जवाब नहीं मिला।' चंद्रचूड़ ने ये भी कहा कि उन्होंने चीफ जस्टिस बीआर गवई से भी बात की थी और उन्हें भरोसा दिलाया था कि जल्द से जल्द बंगला छोड़ देंगे।

'मैं सभी सीटों पर चुनाव लड़ूंगा'

चिराग पासवान का ऐलान

महानगर नेटवर्क
पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के ऐलान से पहले केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बड़ा बयान दिया है। रविवार को छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित 'नव संकल्प महासभा' में पासवान ने कहा कि वह बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। हालांकि उन्होंने एक बार फिर से स्पष्ट किया कि वह NDA का ही हिस्सा रहेंगे और 243 सीटों पर चुनाव लड़ने का मतलब ये है कि उनकी मौजूदगी सभी सीटों पर रहेगी और वह अपनी पार्टी के साथ ही NDA में शामिल दूसरी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए भी वोट मांगेंगे।

बता दें कि 2020 के विधानसभा चुनाव में चिराग ने NDA से अलग होकर चुनाव लड़ा था। हालांकि इस चुनाव में उन्होंने उन सीटों पर अपने प्रत्याशी नहीं उतारे जहां से बीजेपी और हम के उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे। 2020 के चुनाव में उन्होंने जेडीयू के प्रत्याशी जहां से चुनाव लड़ रहे थे वहां चिराग ने अपने प्रत्याशी उतारे था। इसका असर यह हुआ कि जेडीयू महज 43 सीटों पर सिमट कर रह गई थी और राजद गठबंधन 100 से ज्यादा सीटें जीतने में कामयाब रहा था।

फडणवीस ने विशेष पॉडकास्ट 'महाराष्ट्रधर्म' का शुभारंभ किया

महानगर नेटवर्क
मुंबई

आषाढी एकादशी के शुभ मुहूर्त पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को अपने विशेष पॉडकास्ट 'महाराष्ट्रधर्म' का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र का गौरवशाली इतिहास रहा है और साथ ही यह एक जिम्मेदारी भी है। हम ज्ञानेश्वर, शिवाजी महाराज,क्रांतीज्योती सावित्रीबाई फुले और भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के वंशज न सही लेकिन उनके विचारों की विरासत के वाहक अवश्य हैं। उनके ज्ञान, त्याग और धैर्य ने इस राज्य को गढ़ा है। उसे संजोना, बढ़ाना और लेकर आगे बढ़ना हमारा कर्तव्य है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र धर्म स्मरण रंजन नहीं है। यह हमारा नैतिक मार्गदर्शक है। हम कौन हैं, यह समझना और यह तय करना कि हम क्या बनाना चाहते हैं,यही महाराष्ट्र धर्म है। 'महाराष्ट्र धर्म' विशेष पॉडकास्ट श्रृंखला की शुरुआत में जाने-माने विचारक, संत साहित्य के विद्वान और जगद्गुरु तुकाराम महाराज के वंशज डॉ. सदानंद मोरे ने मुख्यमंत्री का साक्षात्कार लिया। मुख्यमंत्री ने 2014 से 2019 के बीच के अपने पहले कार्यकाल में 'मी मुख्यमंत्री बोलतोय' नामक टीवी कार्यक्रम के माध्यम से जनसंवाद किया था। रविवार को उन्होंने तेजी से लोकप्रिय हो रहे पॉडकास्ट माध्यम से लोगों से संवाद साधा। इस पॉडकास्ट श्रृंखला का पहला एपिसोड 'महाराष्ट्रधर्म आधार और निर्माण' विषय पर आधारित था।

इस श्रृंखला में मुख्यमंत्री ने रामायण से लेकर महाभारत, भगवान गौतम बुद्ध के संदेशों से लेकर संत परंपरा तक, महाराष्ट्र की आध्यात्मिक नींव और निर्माण पर गहन चर्चा की। यह पॉडकास्ट मुख्यमंत्री के सोशलमीडिया माध्यमों पर उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री ने इस पहले पॉडकास्ट को सराहने वाले सभी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि आगे की कड़ियों में महाराष्ट्र को देवभूमि, संत भूमि, वीर भूमि के रूप में देखने के संदर्भ में गहराई से विचार किया जाएगा और यह खोज की जाएगी कि 'महाराष्ट्र', महाराष्ट्र क्यों है?

कांग्रेस ने चुनाव में अनियमितताओं की जांच के लिए समिति बनाई

मुंबई। कांग्रेस ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है,जो पिछले साल (2024) हुए राज्य विधानसभा चुनाव में कथित अनियमितताओं का विस्तृत विश्लेषण करेगी। यह समिति चुनावी प्रक्रिया में सुधार के लिए सिफारिशें भी करेगी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को एक रिपोर्ट सौंपेगी। इस समिति में पृथ्वीराज चव्हाण के अलावा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव प्रफुल गुड्डे पाटिल, पूर्व मंत्री अशोकराव पाटिल, प्रदेश महासचिव राजेश शर्मा, विधानसभा उम्मीदवार धनंजय शिरीष चौधरी, परीक्षित वीरेंद्र जगताप और समन्वयक के रूप में कांग्रेस महासचिव अभय छाजेड शामिल हैं। समिति का प्रमुख कार्य है मतदाता सूची में हुए कथित बदलावों, फर्जी नामों और निष्क्रिय मतदाताओं के वोट दर्ज होने जैसे मामलों की जांच करना और इस संबंध में एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर पार्टी नेतृत्व को सौंपना। समिति के गठन के पीछे कांग्रेस का मानना है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में कई अनियमितताएं हुईं,जिनमें मतदाता सूची में गड़बड़ी और धोखाधड़ी शामिल है। पृथ्वीराज चव्हाण ने आरोप लगाया है कि कराड दक्षिण सहित महाराष्ट्र के कई निर्वाचन क्षेत्रों में बहुत सारे मतदाताओं ने एक से अधिक बार मतदान किया और अंगुली पर लगने वाली स्याही मिटाकर मतदान किए गए।

एकनाथ शिंदे ने वडाला स्थित विट्ठल–रुक्मिणी मंदिर में किया दर्शन

राज्य की सुख–शांति और जनकल्याण की कामना की

मुंबई। आषाढ़ी एकादशी के पावन अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने वडाला स्थित प्राचीन और सांस्कृतिक दृष्टि से प्रतिष्ठित विठ्ठल–रुक्मिणी मंदिर में माता रुक्मिणी और विठ्ठलजी के दर्शनों के साथ विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की। यह मंदिर "छोटा पंढरपूर" कहा जाता है और जो भक्त यहां पंढरपुर वारी तक नहीं जा पाते, वे आस्था के साथ यहां आते हैं । इस अवसर पर उन्होंने राज्य की शांति, समृद्धि, किसानों, मजदूरों एवं समस्त जनता के सुख-शांतिमय जीवन की आशीर्वादार्थ प्रार्थना की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रहते हुए इस मंदिर के विकास, सुशोभा और सुविधा सुविधाओं के लिए 25 करोड़ मंजूर किए गए हैं, और शीघ्र इस पर कार्य शुरू किया जाएगा। पूजा-अर्चना के बाद शिंदेज ने मीडिया से बातचीत में कहा कि "राज्यभर में संतोषजनक बारिश हो, किसान खुशहाल हों और आम जनता को राहत मिले"—ऐसे जनहितकारी संदेश दिए। इसके साथ ही,उन्होंने मंदिर परिसर में भगवान की छवि को पंचामृत से स्नान कराकर पारंपरिक वस्त्र और हरी पुष्पराशि से सुशोभित किया जिसके दौरान भक्तों की मौजूदगी, जयघोष और भक्तिरस का समागम देखने को मिला। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री की पत्नी लता शिंदे, विधायक तथा शिवसेना नेता समेत अनेक गणमान्य लोग और भगवाधर्मी उपस्थित थे। भक्तों ने उनके लिए तिरंगा वस्त्र, फूल और उज्जवल भविष्य की मंगलकामना के साथ समारोह स्थल भर दिया।

'शिक्षकों के कारण बना मुख्य न्यायाधीश'

मैं स्वयं मराठी माध्यम से शिक्षा ग्रहण की है : सीजेआई

मुंबई। देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) भूषण गवई ने कहा कि आज मैं जो भी बना हूं, इसमें हमारे शिक्षकों का बड़ा योगदान है। शिक्षकों के कारण ही एक सामान्य विद्यार्थी से देश के मुख्य न्यायाधीश पद तक पहुंचा है। रविवार को दक्षिण मुंबई के गिरगांव शिरोलकर विद्यालय में आयोजित चिकित्सक सम्मेलन में वे बोल रहे थे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हमारी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा इसी स्कूल से हुई है। अपने व्यक्तित्व निर्माण में योगदान देने वाले शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस विशेष अवसर पर राज्य के कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा,बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति माधव जमादार,चिकित्सक समूह के अध्यक्ष किशोर रांगणेकर, सचिव डॉ. गुरुनाथ पंडित, मुख्याध्यापिका संचिता गावडे तथा अन्य मान्यवर उपस्थित थे। मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा, आज मैं जिस ऊंचाई तक पहुंचा हूं,उसमें मेरे शिक्षकों और इस स्कूल का बहुत बड़ा योगदान है। इसी स्कूल से मिले शिक्षा और संस्कारों ने मेरे जीवन को सही दिशा दी। मेरा भाषण कौशल भी यहीं से शुरू हुआ। प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मुझे आत्मविश्वास मिला। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि 'मैं स्वयं मराठी माध्यम से शिक्षा ग्रहण की है, मातृभाषा में पढ़ाई करने से विषयों की गहराई से समझ मिलती है ।

राज ठाकरे से सुलह के बाद उद्धव पर नई मुसीबत !

भाजपा नेता का दावा, उद्धव गुट के कई सांसद और विधायक संपर्क में

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर से दल-बदल की सुगबुगाहट तेज हो गई है। दरअसल, भाजपा के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री गिरीश महाजन के एक बयान ने उद्धव ठाकरे की शिवसेना में खलबली बचा दी है। गिरीश महाजन ने एक बयान में दावा कि शिवसेना (UBT) के कई सांसद और विधायक उनके संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों को उद्धव ठाकरे के नेतृत्व पर भरोसा नहीं है। इसके अलावा गिरीश महाजन ने यह भी आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे ''पलटी बहादुर'' हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में त्रिभाषा नीति के कार्यान्वयन पर विवाद के बीच उनका आचरण अपरिपक्व है।

पिता की विचारधारा से भटके ठाकरे' : भाजपा नेता गिरीश महाजन ने दावा कि उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री (2019 में) बनने की चाह में अपने पिता बाल ठाकरे की विचारधारा से भटककर अपना राजनीतिक भविष्य बर्बाद कर लिया। बता दें कि हाल ही में उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे ने लगभग दो दशक बाद पहली बार मुंबई में एक रैली में मंच साझा किया। इस घटना के बाद भाजपा नेता गिरीश महाजन का यह बयान आया है, जिसने राजनीति में खलबली मचा दी है। बता दें कि राज ठाकरे महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के प्रमुख हैं।

भाजपा नेता गिरीश महाजन ने सोलापुर में कहा, "आज भी उद्धव ठाकरे गुट के कई विधायक और सांसद मेरे संपर्क में हैं।" उन्होंने कहा, "अगर आपको मेरी बात पर यकीन नहीं है, तो आप जल्द ही खुद ही यह देख लेंगे।" गिरीश महाजन ने दावा किया कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में लोगों को बिलकुल भी भरोसा नहीं है। उन्होंने उद्धव ठाकरे को ''पलटी बहादुर'' बताते हुए दावा किया कि उनका आचरण अपरिपक्व है। गिरीश महाजन ने कहा, "उद्धव ठाकरे ने मौजूदा सरकार का विरोध करने के लिए ही अपना रुख बदला है।

कोकीन के साथ नाइजेरियन गिरफ्तार

बिना किसी वैध पासपोर्ट के मुंबई में रह रहा था

मुंबई। नशा निरोधी कक्ष (एएनसी) वर्ली यूनिट ने एक विदेशी नागरिक को मुंबई के मालाड इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 200 ग्राम कोकीन बरामद हुई है,जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग दो करोड़ बताई जा रही है। मामले में एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 8 (क) सह 21 (क) और विदेशी नागरिक अधिनियम 1946 की धारा 14अ(ब) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एएनसी की टीम ने जेपी कॉलोनी, ऑरलेम, मार्वे रोड,मालाड इलाके में एक संदिग्ध विदेशी व्यक्ति को

पकड़ा और उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से कोकीन बरामद हुई। इसके अलावा 5 लाख की होंडा सिविक कार और 70,000 रुपये के तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार किये गए आरोपी का नाम फ्रैंक नेन्डी (43) है, जो भारत में बिना वैध दस्तावेजों के रह रहा था।

महिला सुरक्षा पर सवाल,पुलिस सतर्क

लगातार बढ़ते उत्पीडन के मामलों ने बढ़ाई चिंता

विरार। वसई-विरार पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार हो रही वृद्धि ने स्थानीय लोगों, विशेषकर माता-पिता और अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। हाल के दिनों में पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज महिला उत्पीडन के मामलों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है,जिससे यह सवाल उठने लगा है कि घर से बाहर निकली लड़की कितनी सुरक्षित हैं? इस चिंता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को सख्त करते हुए सुनसान जगहों, अंधेरे रास्तों और सड़क किनारों पर विशेष नजर रखनी शुरू कर दी है।

छह महीनों में दर्ज महिला अपराधों के आंकड़े चौंकाने वाले

- दहेज उत्पीडन
- दहेज पीड़ित मृत्यु
- बलात्कार (18+ वर्ष)
- बलात्कार (18- वर्ष)
- विनयभंग (18+ वर्ष)
- विनयभंग (18- वर्ष)
- छेड़छाड़

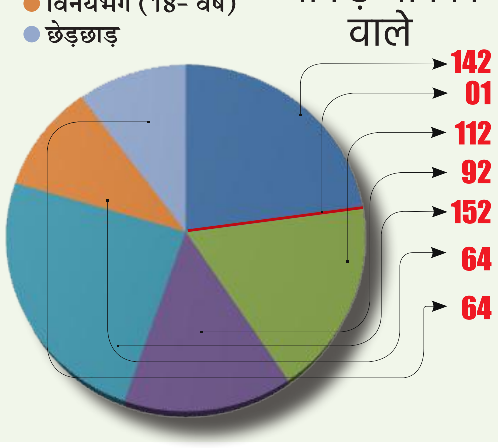

'गुड टच' और 'बैड टच' की शिक्षा देना बेहद जरूरी

गश्ती दलों को संवेदनशील इलाकों में विशेष रूप से तैनात किया गया है। पुलिस रिकॉर्ड यह बताता है कि 80 प्रतिशत मामलों में आरोपी पीड़िता के जान–पहचान वाले – जैसे रिश्तेदार, दोस्त, पड़ोसी, या यहां तक कि परिवार के सदस्य ही होते हैं। कई मामलों में पीड़ित महिलाओं और लड़कियों को झांसे में लेकर या लालच देकर उनके साथ शोषण किया गया।शहर के कई स्काईवॉक, झुग्गी बस्तियों और सुनसान इलाकों में रात के समय शराबियों और असामाजिक तत्वों की बढ़ती आवाजाही चिंता का विषय बन गई है। युवतियों ने शिकायत की है कि इन इलाकों में छेड़छाड़, झपटमारी और चोरी की घटनाएं आम होती जा रही हैं। पुलिस ने इन इलाकों को चिन्हित कर इन पर खास निगरानी रखने की योजना बनाई है। आज के समय में बच्चों को 'गुड टच' और 'बैड टच' की शिक्षा देना बेहद जरूरी हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि माता–पिता को झिझक छोड़कर बच्चों को उनके निजी अंगों के बारे में खुलकर और विश्वासपूर्वक जानकारी देनी चाहिए, ताकि वे किसी भी गलत व्यवहार की पहचान कर सकें और समय रहते उसकी शिकायत कर सकें।जनसंपर्क अधिकारी व एपीआई शिवकुमार गायकवाड ने बताया कि महिला अत्याचार के मामलों में पुलिस ने अब तक 97 प्रतिशत मामलों को सुलझाया है और आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

21 जुलाई को भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन

डोंबिवली। डोंबिवली की प्रतिष्ठित संस्था ॐ शिवसाई विश्वकर्मा सेवा संस्था (रजि.) द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रावण मास के पावन अवसर पर भव्य कॉवड़िया पदयात्रा का आयोजन किया गया है। यह यात्रा 21 जुलाई सोमवार को आयोजित की गई है, जिसमें की कई हजारों शिवभक्त पवित्र जल लेकर पिंपलेश्वर महादेव मंदिर, डोंबिवली (पूर्व) से अंबरनाथ स्थित प्राचीन शिव मंदिर तक पैदल यात्रा करेंगे। संस्था का ध्येय है "चल कॉवड़िया शिव के धाम, बनेंगे तेरे बिगड़े काम", इसी उद्देश्य को लेकर यह यात्रा श्रद्धा और सेवा भावना के साथ संपन्न की जाती है।

18 जुलाई से हड़ताल पर जा सकती हैं 30 हजार नर्सें

वर्तमान में संचालित अस्पतालों में नर्सों के 50 प्रतिशत पद रिक्त

मुंबई। सरकार द्वारा संविदा के आधार पर की जा रही नर्सों की नियुक्त और सातवें वेतन आयोग के क्रियान्वयन की अनदेखी का आरोप लगाते हुए राज्य के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में कार्यरत करीब 30 हजार नर्सों ने 18 जुलाई से हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। अगर नर्सें हड़ताल पर जाती हैं तो राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की संभावना है। मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों में आम तौर पर 500 नर्सों की

आवश्यकता होती है। वर्तमान में संचालित अस्पतालों में नर्सों के 50 प्रतिशत पद रिक्त हैं। इसके कारण नर्सों पर काम का अतिरिक्त दबाव है। हालांकि सरकार इन पदों को भरने की अनदेखी कर रही है। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा पिछले साल शुरू किए गए 10 नए मेडिकल कॉलेजों में पदों को भरने के बजाय संविदा के आधार पर नर्सों की नियुक्ति की गई है। इसलिए महाराष्ट्र राज्य नर्स एसोसिएशन नर्सों को संविदा के आधार पर नियुक्त करने के सरकार के फैसले का विरोध करेगी। वहीं सातवें वेतन आयोग को लेकर बख्शी और मुकेश खुल्लर नामक दो समितियों का गठन किया गया था। नर्स संगठनों ने दोनों समितियों के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत किए थे। समिति ने भी इस पर सकारात्मक रुख अपनाया। लेकिन वित्त विभाग द्वारा प्रकाशित परिपत्र में शिशु रोग, मनोरोग आदि विभागों के विशेष नर्सों को सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया गया है।

कारशेड के विरोध में शहरवासियों का प्रदर्शन

भायंदर। भायंदर पश्चिम स्थित डोंगरी के वृक्षों को बचाने हजारों की संख्या में शहर के लोगों ने मानव श्रृंखला बना कर सरकार के इस फैसले का विरोध किया। डोंगरी में मेट्रो का कारशेड प्रस्तावित हैं, जबकी स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहें हैं। इस कारशेड के निमार्ण के लिए 12,400 से ज्यादा पेड़ काटे जाने वाले हैं। स्थानीय रहवासी एवं शहर के लोगों का कहना है कि इन पेड़ों को काटने से पर्यावरण को नुकसान होगा इसके अलावा स्थानीय लोगों के घरों एवं खेती की जगह भी इस कारशेड के कारण प्रभावित होगी। इस कारशेड के विरोध में स्थानीय रहवासी, शहर के डॉक्टर,वकील,पत्रकार एवं अनेक बुद्धिजीवी लोगों ने विरोध किया हैं एवं इसको अन्य स्थान पर बनाने की मांग मुख्यमंत्री एवं संबंधित विभागों से की है। इस मानव श्रृंखला आंदोलन में शहर के सभी राजनीतिक पक्षों के नेता , प्रतिष्ठित व्यक्तियों के अलावा शहर के नागरीक भारी संख्या में उपस्थित हुए थे।

1993 दंगे का आरोपी 32 साल बाद गिरफ्तार

मुंबई। 1993 दंगों के एक प्रमुख आरोपी को 32 साल बाद आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 54 वर्षीय आरिफ अली हस्मुल्ला खान को वडाला पुलिस की टीम ने मुंबई के अंटॉप हिल इलाके से गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी मुंबई में 1992-93 के सांप्रदायिक दंगों के एक पुराने और लंबे समय से लंबित मामले में बड़ी सफलता मानी जा रही है।

आरिफ खान पर हत्या की कोशिश और गैरकानूनी जमावड़ा करने के आरोप लगे थे। ये दंगे बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद भड़के थे,जिनमें सैकड़ों लोगों की जान गई थी और शहर भर में भारी तबाही

हुई थी। खान को पहले गिरफ्तार कर लिया गया था और बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया, लेकिन उसके बाद वह कभी भी अदालत में पेश नहीं हुआ। इसके चलते उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था।

पुलिस ने सालों तक खान को उसके पते पर तलाशा, लेकिन वह लगातार फरार बना रहा। हाल ही में जांच अधिकारियों ने उसके कुछ रिश्तेदारों के फोन रिकॉर्ड खंगाले और उसकी गतिविधियों के बारे में जानकारी इकट्ठा की। पुलिस टीम ने उसके एक रिश्तेदार के गांव जाकर पूछताछ की,जिससे उन्हें अहम सुराग मिला। इस सुराग के आधार पर वडाला पुलिस ने अंटॉप हिल इलाके में जाल बिछाया और उसे सफलतापूर्वक पकड़ लिया। गिरफ्तारी के समय आरिफ खान मुंबई में ही रह रहा था और छिप-छिपकर जीवन बिता रहा था ताकि पुलिस की नजरों से बच सके। आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस कस्टडी में भेजा गया है।

होटल में बनाया अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

काशिगांव पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

मीरारोड। घोडबंदर रोड स्थित पाली विलेज होटल एंड रिसॉर्ट के एक कमरे में अश्लील वीडियो शूट कर उसे ऑनलाइन पोर्न साइट पर अपलोड करने के मामले में काशिमीरा पुलिस ने एक दंपति को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एक सतर्क नागरिक द्वारा भेजी गई लिंक के आधार पर की गई, जिसमें उक्त वीडियो की शूटिंग इसी होटल में होने की जानकारी सामने आई थी। शिकायतकर्ता को व्हाट्सएप पर हाउस ओनर सेडयूसेस हिस टेनेंट नामक अश्लील वीडियो की लिंक प्राप्त हुई थी। वीडियो खोलने पर उसमें पाली विलेज होटल का कमरा स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था,जिसमें तीन पुरुष और एक महिला शारीरिक संबंध बनाते नजर आ रहे थे। यह वीडियो सार्वजनिक प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर समाज में गलत संदेश फैलाया जा रहा था। शिकायत के बाद काशिगांव पुलिस थाने में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता 2023 की धारा 294(2), 296(ए) तथा आईटी एक्ट की धारा 57, 67(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच में तकनीकी सहायता के लिए साइबर विशेषज्ञ पुष्कर झांटये की मदद ली गई। तांत्रिक विश्लेषण के बाद पुलिस ने गोरेगांव पश्चिम स्थित वैभव सोसायटी से आरोपी दंपति दिपांकर पारितोष खामनवीस (43) और बारिमा उर्फ रोला खान उर्फ आलीशा खान (46) को 1 मई को गिरफ्तार किया।

ठाणे में गीले कचरे से बनेगी 500 टन बायोगैस

मनपा की ऐतिहासिक परियोजना को मंजूरी

ठाणे। ठाणे मनपा ने गीले कचरे से हर दिन 500 टन बायोगैस उत्पादन की महत्वाकांक्षी परियोजना को हरी झंडी दिखा दी है। हाल ही में हुई प्रशासनिक आमसभा में इस योजना को मंजूरी दी गई। परियोजना को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल पर अटकोली (भिवंडी) क्षेत्र में 15 एकड़ जमीन पर स्थापित किया जाएगा। इस योजना की खास बात यह है कि मनपा को इसके निर्माण पर कोई आर्थिक भार नहीं पड़ेगा और प्रकल्प से मिलने वाली रॉयल्टी से मनपा की आय भी होगी।

बता दें कि ठाणे मनपा के अनुसार, ठाणे शहर में प्रतिदिन करीब 1200 मीट्रिक टन कचरा उत्पन्न होता है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत गीला कचरा होता है। फिलहाल मनपा 5-5 टन क्षमता वाली 16 विकेंद्रीकृत खाद परियोजनाओं के जरिए करीब 80 टन गीले कचरे का निपटान कर रहा है। बढ़ती आबादी और शहरीकरण को देखते हुए गीले कचरे के स्थायी समाधान की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए अब 500 टन प्रतिदिन क्षमता वाली बायोगैस परियोजना शुरू की जा रही है। अटकोली डंपिंग ग्राउंड में पहले से ही 32 हेक्टेयर क्षेत्र में कचरा डाला जाता है। इसी स्थान पर यह नई परियोजना 20 वर्षों के लिए स्थापित की जाएगी। ठेकेदार को जमीन मात्र एक रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से दी जाएगी। यदि वह निर्धारित समय सीमा — यानी एक वर्ष में प्रकल्प को तैयार नहीं कर पाता तो मनपा उसके ऊपर अधिकार कर लेगी। साथ ही, यदि मनपा को प्रतिदिन 300 टन गीला कचरा नहीं मिलता, तो ठेकेदार को पास की ग्राम पंचायत या अन्य निकायों से कचरा लाने की अनुमति दी जाएगी।

मनपा को होगा आर्थिक लाभ

इस प्रकल्प से उत्पादित बायोगैस की बिक्री से मनपा को रॉयल्टी के रूप में लाभ मिलेगा। साथ ही, यह परियोजना स्वच्छ भारत मिशन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक मजबूत कदम होगी। मनपा की यह पहल न केवल कचरा निपटान की बड़ी चुनौती को सुलझाएगी, बल्कि शहर को स्वच्छ, हरित और ऊर्जा–सक्षम बनाने में भी सहायक साबित होगी।

धामणकर नाका मित्र मंडल के 37 वें गणेशोत्सव का भूमिपूजन संपन्न

भिवंडी। भिवंडी शहर में एकता का राजा के नाम से प्रसिद्ध धामणकर नाका मित्र मंडल द्वारा आयोजित 37 वें सार्वजनिक गणेशोत्सव समारोह का शुभारंभ रविवार को विधिवत रूप से हुआ। मंडल अध्यक्ष संतोष शेट्टी और सौ.शशिलता शेट्टी के शुभहस्तों से गणेशोत्सव की सजावट कार्य का भूमिपूजन संपन्न किया गया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य अतिथियों में भाजपा शहराध्यक्ष रवि सावंत,शिवसेना जिला प्रमुख सुभाष माने, भाजपा के पूर्व शहराध्यक्ष ॲड. हर्षल पाटील, शिवसेना पश्चिम शहर प्रमुख शाम पाटील, पूर्व शहर प्रमुख संजय काबुकर तथा भिवंडी इस्कॉन मंदिर के श्री सुदाम दास अपने भक्तमंडल के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष मंडल की ओर से उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित वृंदावन चंद्रोदय इस्कॉन मंदिर की प्रतिकृति के रूप में 150 फीट ऊंची भव्य सजावट तैयार की जाएगी, जो गणेशभक्तों और शहरवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगी।

मजदूरों के न्यूनतम वेतन में होगा सुधार: फुंडकर

कामगारों के लिए जारी किया जाएगा हेल्पलाइन नंबर

■ मनोज दुबे / जितेंद्र मिश्रा

महाराष्ट्र के श्रम मंत्री आकाश फुंडकर को राजनीति विरासत में मिली। पिता पांडुरंग फुंडकर भाजपा के अनुभवी नेता थे। आकाश फुंडकर का राजनीतिक सफर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से शुरू हुआ। बाद में वे भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए। वे बुलढाणा जिले की खामगांव विधानसभा सीट से लगातार तीसरी बार चुने गए। श्रम मंत्री के रूप में वे श्रमिक कल्याण की कई योजनाओं को शुरू कर चुके हैं,जबकि कई योजनाएं शुरू होने वाली है। उन्होंने निर्माण श्रमिकों के लिए पेंशन योजना शुरू की। उनका विभाग मजदूरों के न्यूनतम वेतन में संशोधन की योजना बना रहा है। इसका फायदा लाखों श्रमिकों को मिलेगा। ''हमारा महानगर'' ने उनसे श्रम कानून सहित मजदूरों से जुड़ी समस्याओं को लेकर बातचीत की। पेश है, बातचीत के प्रमुख अंश-

साप्ताहिक साक्षात्कार

■ श्रम मंत्री के रूप में आपने अब तक मजदूरों के हित में कौन से निर्णय लिए?

हमने कंस्ट्रक्शन वर्कर के लिए पेंशन योजना शुरू की है। इस योजना की घोषणा पिछले अधिवेशन में की गई। माथाडी कामगार सुरक्षा मंडल का जो कानून था, वह 20 साल से नहीं बदला था, उसमें हमने बदलाव किया। बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स (बीओसी) के बंद हो चुके रजिस्ट्रेशन को फिर शुरू कराया। अब इसे ऑनलाइन किया गया, इससे एजेंट राज बंद हो गया। अब कोई भी कंस्ट्रशन वर्कर्स मोबाइल के जरिए रजिस्ट्रेशन करा सकता है। साथ ही न्यूनतम वेतन का मामला बहुत दिनों से अटका हुआ था। हर पांच साल में न्यूनतम वेतन में सुधार होना चाहिए, लेकिन फाइल आगे नहीं बढ़ रही थी, हमने इस फाइल को मूव कराया। आने वाले एकाध माह में इस मामले में समिति गठित जो जाएगी और जितने भी 69 शेडूल्य हैं,उन सभी कामगारों का न्यूनतम वेतन रिवाइज होने वाला है। इसका फायदा लाखों कामगारों को होगा। अभी सरकार का 100 दिनों का कृति आरखड़ा था, वो पूरा हो चुका है। आने वाले डेढ़ सौ दिनों में हम कामगारों की जो समस्याएं हैं, उन्हें सुनने के लिए हेल्प लाइन नंबर, फोरम गठित करने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए मजदूरों की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान किया जाएगा।

■ वर्तमान में कॉन्ट्रैक्ट के तहत कर्मचारियों की भर्ती की जाती है। हायर एंड फायर पॉलिसी चल रही है, इससे लोगों का शोषण बढ़ रहा है, इसे लेकर विभाग क्या कदम उठा रहा है?

हमारे विभाग की तरफ से इसका अध्ययन जारी है। वैसे देखा जाए तो केंद्र सरकार के नए कोड में फिक्स टर्म एम्प्लॉयर का प्रावधान भी है, लेकिन इसे लेकर कशमकश जारी है, इसलिए उसे रोक कर रखा गया है। कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स के साथ जो एक्सप्लोइटेशन हो रहा है, उस पर हमारी नजर है। समान काम-समान वेतन नहीं मिल रहा है,उसमें कैसे सुधार किया जाए, इसे लेकर भी हमारी कोशिश जारी है। जहां-जहां से शिकायत आएगी, हम एक्शन जरूर लेंगे।

■ कामगारों की परिभाषा बहुत व्यापक हो गई है?

यह बात बिलकुल सही है। केंद्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर पेशे के हिसाब से 1 करोड़ 70 लाख के आसपास रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। हम गैर संगठित क्षेत्र के पूरे आंकड़े नहीं दे सकते, लेकिन संगठित क्षेत्र के आंकड़े जमा कर रहे हैं, पूरे आंकड़े आने पर हम इसकी जानकारी देंगे। मेरा अनुमान है कि साढ़े तीन करोड़ के आसपास संरक्षित और असंरक्षित क्षेत्र के कामगार हैं।

■ सरकार ने कंस्ट्रक्शन वर्कर्स का रजिस्ट्रेशन शुरू किया है, लेकिन मुंबई जहां सबसे अधिक निर्माण कार्य जारी है, वहां वर्कर्स का रजिस्ट्रेशन कम है?

फिलहाल 38 लाख से अधिक कंस्ट्रक्शन वर्कर्स का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, लेकिन मुंबई में पंजीकरण कम है, जबकि यहां सबसे अधिक निर्माण कार्य जारी है। इसकी वजह यह है कि बिल्डरों को सस्ते मजदूर चाहिए। वे बाहर से मजदूर लाते हैं, जिसका डेटा हमारे पास नहीं होता। बहुत से लोग आरोप लगाते हैं कि कंस्ट्रक्शन में बांग्लादेशी काम करते हैं। मजदूरों को सुरक्षा सामग्री नहीं मिलती। इस पर लगाम लगाने के लिए हम अभियान शुरू करेंगे। पहले तो हम सभी बिल्डरों से अनुरोध करेंगे कि आपके यहां जितने भी लेबर हैं, उनका पंजीकरण करना होगा। यदि वे नहीं कराते हैं तो हम ड्राइव लेंगे और यदि पाया जाएगा कि बताई संख्या से अधिक लेबर हैं तो एक्शन लिया जाएगा।

■ काम के घंटों को लेकर भी अक्सर शिकायत मिलती हैं?

पूरे विश्व में जो लेबर कोडस हैं, उनमें न्यूनतम ड्यूटी 8 से 10 घंटे होती है। हमारे लेबर कोड में यह प्रस्तावित किया गया है कि 10 घंटे की ड्यूटी की जाए। 10 घंटे से अधिक काम कराया गया और उसका पैसा नहीं दिया जाता तो कार्रवाई होगी। हम इस तरह के नियम बनाएंगे।

■ अभी हॉल ही में आपसे सिने एसोसिएशन के लोग भी मिले थे, वहां भी श्रमिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है?

हमने इसके लिए एक समिति गठित की है। यह समिति अपनी रिपोर्ट देने वाली है। विशेष रूप से देखा जाए तो जितने भी प्रोडक्शन हाऊस हैं, उनके एग्रीमेंट में स्टैंडर्ड फॉर्मेट होना चाहिए। एग्रीमेंट गलत तरीके से हो रहे हैं, वही उनका शोषण है। उनमें शर्त रखी जाती है कि आप शादी नहीं कर सकते, शहर से बाहर नहीं जा सकते। ऐसे बंधन लाकर वे सिने वर्कर्स का शोषण करते हैं। उनका वेतन समय पर मिलना चाहिए। इन सभी बातों का अध्ययन यह समिति कर रही है। समस्या है कि कामगार लेबर विभाग के पास आएंगे ही नहीं तो हम एक्शन नहीं ले सकते। वे शिकायत इसलिए नहीं करते, क्योंकि वे प्रोडक्शन हाउस से डरते हैं कि शिकायत करेंगे तो उन पर बैन लगा दिया जाएगा। हम ऐसे पॉलिसी बनाएंगे कि इन सब बातों पर अंकुश लगाया जा सके।

■ माथाडी कानून में सुधार की जरूरत क्यों पड़ी?

इस बारे में लगातार शिकायतें मिल रही थी। उनका वूसली बढ़ गई थी। कई नकली माथाडी तैयार हो गए थे। जिन क्षेत्र में माथाडी नहीं है, वहां भी वे दादागिरी कर रहे थे। इसे कंट्रोल करना आवश्यक था। आने वाले समय में हम एसओपी बना रहे हैं। मुंबई में किसी के घर फर्नीचर आया तो वहां कोई पहुंच जाएगा कि पैसा दो, नहीं तो सामान नहीं उतारने देंगे। यह सब जारी था। माथाडी मंडल के डेटा का एकत्रीकरण शुरू किया गया है, इसे हम ई-प्लेटफॉर्म पर लाएंगे।

■ लेबर पॉलिसी में किस तरह के बदलाव करने वाले हैं?

फिलहाल दो लेबर कोड में बदलाव किए गए हैं, देशभर में जितने भी श्रम कानून थे, उन्हें मिलाकर चार कानून बनाए गए हैं। इसे केंद्र सरकार ने मंजूरी दी है। इन्हीं कानून के आधार पर राज्यों को अपने कानून बनाने हैं। महाराष्ट्र में दो लेबर कोड मंजूर किए जा चुके हैं और दो पर काम चल रहा है। हर राज्य के अलग-अलग कंसर्न हैं। कई छोटे राज्य हैं, जहां औद्योगीकरण नहीं हुआ है, ऐसे राज्य 4 कोड्स को मान्यता दे चुके हैं। कुछ जगहों पर जहां ज्यादा औद्योगीकरण हुआ है, वहां कुछ मुद्दों पर कामगारों और सरकार में बातचीत चल रही है, वो एक बार सुलझने के बाद उसे भी पास करेंगे।

■ यह बातचीत किस दौर में है और इसके कब तक लागू होने की संभावना है?

वो तो फाइनल डिसीजन होने पर है। बातचीत केंद्र सरकार के साथ चल रही है, क्योंकि कोड उनके हैं। यह जब फाइनल हो जाएगा, तब उसके निर्देश आएंगे, उसके बाद उसे लागू किया जाएगा।

■ सरकार के लगातार प्रयास के बावजूद बाल मजदूरी रुक नहीं पा रही है?

हम इसे लेकर अभियान चला रहे हैं,लेकिन जिस मात्रा में इनपुट मिलना चाहिए, वह नहीं मिलता। हम डेढ़ सौ दिनों के कार्यक्रम में एक टोल फ्री नंबर भी जारी करेंगे।

यह चुनावी डर से उपजा गठबंधन है : शेलार

कैबिनेट मंत्री ने बोला ठाकरे ब्रदर्स पर हमला

महानगर संवाददाता

मुंबई

महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री और बीजेपी नेता आशीष शेलार ने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की एकजुटता पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे चुनावी डर से उपजा गठबंधन बताया और कहा कि दो परिवार साथ आए, यह अच्छी बात है। अब दो राजनीतिक पार्टी साथ आती हैं या नहीं,यह उन्हें तय करना है। अगर साथ आती भी हैं तो भाजपा को कोई आपत्ति नहीं है। भाजपा नेता ने शनिवार को हुए कार्यक्रम में ठाकरे बंधुओं के भाषण पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जहां तक कल के कार्यक्रम का सवाल है, एक नेता का भाषण अधूरा था और दूसरे का अप्रासंगिक। बात 'म मराठी' की नहीं, 'म महानगरपालिका' और 'म महत्वाकांक्षा' की है।

'अगर गरीब के बच्चे तीसरी भाषा सीखना चाहें तो...

तीसरी भाषा के मुद्दे को लेकर शेलार ने ठाकरे परिवार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मुद्दा यह नहीं कि आपने कौन से स्कूल में पढ़ा। मुद्दा यह है कि आपके बच्चे जिन स्कूलों में पढ़ते हैं, वहां उन्होंने तीसरी भाषा सीखी। लेकिन अगर गरीब के बच्चे तीसरी भाषा सीखना चाहें तो आपको आपत्ति होती है। आपके बच्चे बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल में पढ़ते हैं, न आपको वहां 'तीसरी भाषा' से दिक्कत है, न 'बॉम्बे' शब्द से।

शेलार ने ठाकरे बंधुओं पर 'दोहरा रवैया' अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि फिल्मों में आपको खान का सहारा लेना होता है और अपने राजनीतिक मंचों पर जावेद अख्तर को बुलाना होता है।

'पहलगाम में धर्म पूछकर गोली मारी जाती है...

राज ठाकरे की उस बयान पर कि 'गैर मराठी को पीटो लेकिन वीडियो मत बनाओ', पर शेलार ने कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा, पहलगाम में धर्म पूछकर गोली मारी जाती है, यहां भाषा पूछकर मारना हो रहा है क्या, इससे आपको पीड़ा नहीं होती? अगर आप मराठी-ग़ैर मराठी के नाम पर हिंदुओं को पिटवाएंगे तो बीजेपी यह सहेगी नहीं।

राज-उद्धव का डर हुआ उजागर

शेलार ने कहा,राज ठाकरे के अमित शाह पर टिप्पणी उनके मन के डर को दर्शाता है। चुनाव में हार का डर दोनों को एक कर रहा है। उन्होंने उद्धव ठाकरे के भाषण पर भी तंज कसते हुए कहा,उनका भाषण रुदाली जैसा था। भाजपा नेता ने डीएमके नेता स्टालिन का हवाला देते हुए कहा, चाहे स्टालिन हों या ठाकरे बंधु, यह लोग अपने बच्चों को तीसरी भाषा सिखाएंगे लेकिन दूसरों के बच्चों को सीखने नहीं देंगे।

घोड़बंदर के इलाके में युवती की हत्या

ठाणे। घोड़बंदर के वाघबिल इलाके में सुनसान जगह पर एक युवती का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उसकी गला घोंटकर हत्या की गई है और कासरवडावली पुलिस उसकी पहचान करने के प्रयास कर रही है। कासरवडावली पुलिस की एक टीम वाघबिल के शेनडोबा मंदिर क्षेत्र में गश्त कर रही थी। उस समय स्थानीय लोगों ने पुलिस को रोका और बताया कि वहां एक महिला का शव है। जब टीम मौके पर गई तो वाघबिल जूना रोड इलाके में सुनसान जगह पर 16 से 18 साल की एक लड़की का शव मिला। उसके गले में भी कपड़े से लिपटा हुआ था। प्रारंभिक जांच में पता चला कि महिला की हत्या की गई है, जिसके बाद पुलिस ने महिला की तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित की।

मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

जलजमाव ने बढ़ाई मुसीबतें

नालासोपारा। वसई-विरार क्षेत्र में शनिवार रात से शुरू हुई रुक-रुक कर तेज बारिश ने पूरे शहर का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित कर दिया।

देर रात से लेकर रविवार तक कभी तेज तो कभी रुक-रुक कर हुई बारिश के चलते नालासोपारा, वसई और विरार के कई इलाकों में भारी जलजमाव की स्थिति बन गई,जिससे स्थानीय नागरिकों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सड़कों पर जलसागर,यातायात प्रभावित

रविवार दोपहर करीब 3:45 बजे तक नालासोपारा पूर्व के नागिन दास पाड़ा, विजय नगर, तूलिंज ब्रिज, गालानगर सहित कई इलाकों में सड़कें पूरी तरह पानी में डूब गईं। जलजमाव के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा, वहीं पैदल चलने वाले लोग भी कीचड़ और पानी से जूझते नजर आए। जगह-जगह सड़क पर बने गड्ढों में बारिश का पानी भरने से दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रही।

अस्पताल पहुंचना बना चुनौतीपूर्ण कार्य

सबसे चिंताजनक स्थिति नालासोपारा पूर्व स्थित वसई-विरार महानगरपालिका अस्पताल (विजयनगर) के पास देखने को मिली, जहां आसपास की सड़कें पूरी तरह पानी में डूबी हुई हैं। इससे अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि हर साल बारिश के साथ यही स्थिति पैदा होती है, लेकिन प्रशासन समय रहते जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं करता। लोगों ने महानगरपालिका से गुहार लगाई है कि जलभराव वाले क्षेत्रों में त्वरित पंपिंग और निकासी की व्यवस्था की जाए, ताकि सामान्य जनजीवन बहाल हो सके।प्रशासन ने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, विशेषकर जलजमाव वाले क्षेत्रों से दूर रहने को कहा गया है।

ठाकरे बंधुओं के साथ आने पर एमवीए में फूट तय

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सपकाल ने दिया संकेत

मुंबई। शनिवार पांच जुलाई को राज और उद्धव ठाकरे की आयोजित संयुक्त विजय रैली के बाद महाविकास आघाड़ी में फूट तय मानी जा रही है। एमवीए की प्रमुख सहयोगी दल कांग्रेस पार्टी ने आगामी मुंबई मनपा और स्थानीय चुनाव अकेले लड़ने का संकेत दिया है। रविवार को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए साल 2019 में महाविकास आघाड़ी बनी थी,लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अब तक स्थानीय और मनपा चुनाव में किसी बड़ी पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं किया है। सपकाल के इस बयान के बाद संकेत मिल रहा है कि मुंबई मनपा और स्थानीय चुनाव कांग्रेस पार्टी अपने दमपर लड़ेगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि स्थानीय चुनाव में स्थानीय स्तर पर समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन बनाने का अधिकार दिया गया है। क्या इस गठबंधन में उद्धव ठाकरे की पार्टी शामिल होगी इस सवाल के जवाब में हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि इस विषय पर स्थानीय नेता को निर्णय लेने के लिए कहा गया है। कांग्रेस उन लोगों के साथ गठबंधन करेगी जो कांग्रेस के मूल्यों को स्वीकार करते हैं, सपकाल ने ठाकरे बंधुओं की आयोजित विजय रैली पर कहा कि दोनों मराठी मुद्दे एक साथ आए हैं। अभी गठबंधन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है,समय में दोनों दलों की ओर से कुछ स्पष्टीकरण आएगा। उस समय कांग्रेस पार्टी अपना निर्णय बताएगी। उन्होंने कहा कि नगरपालिका और जिला परिषद चुनावों के बारे में निर्णय स्थानीय कांग्रेस समिति को सौंपा गया है। चुनाव अभी घोषित नहीं हुए हैं, उन्होंने कहा कि भाजपा मुख्य मुद्दे से लोगों का ध्यान हटाना चाहती है,इसलिए लिए महायुति के कुछ नेता अलग-अलग बयान व्यक्त कर रहे हैं कि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक साथ आकर तीसरा मोर्चा बनाएंगे,महाविकास अघाड़ी में विभाजन होगा,जिसका लाभ महायुति को होगा। इसलिए स्थानीय निकाय चुनाव में मोर्चा और गठबंधन का समीकरण क्या होगा,यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

करोड़ों का सोना,ड्रग्स और दुर्लभ वन्यजीव जब्त

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम्स की कार्रवाई

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट कस्टम्स (ज़ोन-III) ने 5 जुलाई को एक ही दिन में तीन अलग-अलग मामलों में बड़ी जब्तियां करते हुए कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई नारकोटिक्स ड्रग्स,वन्यजीव संरक्षण और सीमा शुल्क अधिनियमों के तहत की गई. विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर, मुंबई से बैंकॉक आए एक भारतीय नागरिक को CSMI एयरपोर्ट पर रोका गया। जांच के दौरान उसके चेक-इन बैग में छिपाकर रखी गई 9.662 किलो हाइड्रोपोनिक मारिजुआना जब्त की गई, जिसकी अवैध बाजार कीमत 9.66 करोड़ आंकी गई है। आरोपी को NDPS एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया।

जीवित और मृत वन्यजीव बरामद किए गए

प्रोफाइलिंग के आधार पर एक अन्य यात्री को बैंकॉक से मुंबई पहुंचने पर रोका गया। उसके बैग से दुर्लभ प्रजातियों के जीवित और मृत वन्यजीव बरामद किए गए, जिनमें रैकून 1 जीवित, 3 मृत, ब्लैक फॉक्स स्क्विरलः 3 मृत और ग्रीन इगुआनाः 29 जीवित, 8 मृत शामिल हैं। चूंकि ये जीव भारत में स्वदेशी नहीं हैं, उनकी बेहतर सुरक्षा के लिए इन्हें मूल देश लौटाने हेतु एयरलाइंस स्टाफ को सौंप दिया गया। आरोपी को वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट, 1972 और कस्टम्स एक्ट, 1962 के तहत हिरासत में लिया गया। एक अन्य मामले में, दुबई से मुंबई आए दो यात्रियों को रोका गया। उनके शरीर में छिपाकर लाया गया 24 कैरेट सोने का डस्ट और गोल्ड पीस बरामद हुए, जिनका कुल वजन 1.650 किलोग्राम और अनुमानित बाजार मूल्य 1.49 करोड़ रुपये है. दोनों आरोपियों को कस्टम्स एक्ट, 1962 के तहत गिरफ्तार किया गया.

सीबीआई अधिकारी बनकर लूटपाट

मुंबई। मालवणी इलाके में गैस सिलेंडर के व्यापार से जुड़े दो व्यक्तियों के साथ फर्जी सीबीआई अधिकारियों द्वारा जबरन लूटपाट की घटना सामने आई है। खुद को केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) का अधिकारी बताकर दो युवकों ने न सिर्फ पीड़ितों को धमकाया,बल्कि उनकी गाड़ी को ओवरलोड बताकर उन्हें अगवा कर लिया और 71,000 रुपए की नकदी भी लूट ली।

प्रवीणकुमार सिंह (34) और अभिषेक विश्वकर्मा (36) नामक दो आरोपियों को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से सफेद रंग की स्कोडा कार भी जब्त की है, जिसका इस्तेमाल वारदात में किया गया था। पीड़ित हरीश और मोहिदुल के अनुसार, वे जब अपने गैस सिलेंडर की डिलीवरी कर रहे थे,तभी एक सफेद स्कोडा कार से आए आरोपियों ने उन्हें रोका और खुद को सीबीआई अधिकारी बताया। उन्होंने गैस सिलेंडर की गाड़ी को ओवरलोड बताते हुए गालीगलौज और मारपीट शुरू कर दी। फिर जबरन गाड़ी में बैठाकर उन्हें मढ़ चौपाटी इलाके में ले जाया गया, जहां उनके साथियों ने भी मारपीट की और 60,000 रुपये हरीस से और 11,000 रुपये मोहिदुल से लूट लिए।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग (योजना)

क्र. : उप मुख्य अभियंता/3062/एसडब्ल्यूएम/योजना, दि. 04.07.2025

ई-निविदा सूचना

विषय		:	बी वॉर्ड में खुले कचरा डंप स्थल एवं जीवीपी पर कचरे के संकलन हेतु कॉम्बिनेशन बकेट अटैचमेंट सहित स्किड स्टीयर लोडर मशीन किराए पर लेने का कार्य.
विभाग		:	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन/ उप मुख्य अभियंता (एसडब्ल्यूएम) योजना
निविदा आईडी क्र.		:	2025_एमसीजीएम_1196063_1
बोली आरंभ तिथि एवं समय		:	07.07.2025 को प्रातः 11:00 बजे से
बोली समाप्ति तिथि एवं समय		:	14.07.2025 को सायं 04:00 बजे तक
वेबसाइट		:	https://mahatenders.gov.in
संपर्क अधिकारी :-			
ए	नाम	:	श्री हेमंत भुसारे, एई (एसडब्ल्यूएम) योजना
बी	कार्यालय दूरभाष	:	022-23844450
सी	मोबाइल नं.	:	9762006449
डी	ईमेल आईडी	:	ee1swm.pl@mcgm.gov.in

हस्ता./- 03.07.2025
कार्य. अभि. (एसडब्ल्यूएम) योजना

पीआरओ/901/विज्ञा./2025-26

कहीं भी पानी जमा ना होने दें, मच्छरों को आमंत्रित ना करें

समरस फाउंडेशन ने किया अजीत सिंह का सम्मान

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम में एजेंट के रूप में कार्यरत ठाकुर विलेज कांदिवली पूर्व निवासी अजीत सिंह को उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते वैश्विक संगठन, मिलियन डॉलर राउंड टेबल (एमडीआरटी) द्वारा लगातार 22वीं बार इंश्योरेंस मार्केटिंग एक्सीलेंस अवार्ड दिए जाने पर रविवार को महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा उनका सम्मान किया गया। संस्था के चेयरमैन डॉ. किशोर सिंह ने शॉल और पुष्पगुच्छ से उनका सम्मान किया। इस अवसर पर संस्था के महासचिव शिवपूजन पांडे, उपाध्यक्ष मुकुंद शर्मा, उपाध्यक्ष मानिकचंद यादव, उपाध्यक्ष राजेंद्र विश्वकर्मा, एडवोकेट भारत पांडे, संगठन मंत्री सुरेंद्र पांडे, सचिव अनिल कनौजिया, पूरव गांधी, शैलेंद्र सिंह, रवि यादव, भोला वर्मा तथा लालजी यादव उपस्थित रहे।

ठाणे पुलिस की 'डिजिटल वारी'

जनता से सीधे संवाद की पहल

ठाणे। ठाणे पुलिस आयुक्तालय ने इस वर्ष आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर एक अनोखी और तकनीकी दृष्टि से सशक्त पहल 'डिजिटल वारी' का शुभारंभ किया। यह अभिनव उपक्रम 6 जुलाई 2025 को विवियाना मॉल, ठाणे में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे और संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण की उपस्थिति में शुरू किया गया। बता दें कि डिजिटल वारी के अंतर्गत ठाणे पुलिस ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स — व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (पूर्व ट्विटर) और वेबसाइट — पर विशेष क्यूआर कोड लॉन्च किए, जिन्हें स्कैन कर नागरिक पुलिस से सीधे जुड़ सकते हैं। यह कदम नागरिकों को पुलिस से त्वरित सूचना प्राप्त करने, शिकायतें दर्ज करने, और विभिन्न समस्याओं के समाधान

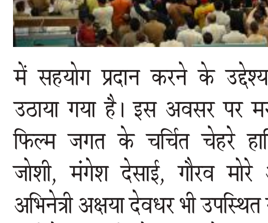

में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस अवसर पर मराठी फिल्म जगत के चर्चित चेहरे हार्दिक जोशी, मंगेश देसाई, गौरव मोरे और अभिनेत्री अक्षया देवधर भी उपस्थित रहे। उन्होंने नागरिकों से पुलिस के डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ने और जागरूकता फैलाने की अपील की। पुलिस आयुक्त ने भी लोगों से अपील की कि वे क्यूआर कोड स्कैन कर सोशल मीडिया के जरिए अपनी शिकायतें साझा करें ताकि पुलिस उन्हें तुरंत हल कर सके।

इस पहल के तहत, ठाणे यातायात विभाग ने अपने 18 उपविभागों के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए, जिससे ट्रैफिक समस्याओं के समाधान में तेजी लाई जा सके। यह सभी नंबर कार्यक्रम में जारी किए गए और उपस्थित नागरिकों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता श्रेयस तलपड़े द्वारा बनाई गई एक शार्ट फिल्म भी दिखाई गई, जो नागरिकों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करती है। वीएवीओ (VAVO) डिजिटल और आशुतोष पाटिल सहित कई प्रतिनिधियों के सहयोग से इस पहल को गति मिली है। ठाणे पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे ठाणे पुलिस के सोशल मीडिया क्यूआर कोड स्कैन कर पुलिस से जुड़ें, सहयोग करें और एक सुरक्षित समाज के निर्माण में भागीदार बनें।

महाराष्ट्र शासन
नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय
सी. बी. डी. बेलापुर, नवी मुंबई.
ई- निविदा सूचना

अ.क्र.	कामाचे नाव	किंमत (₹ कोटी)
१	THE DESIGN, INSTALLATION AND COMMISSIONING OF BUILDING FIRE FIGHTING AND CONFINED SPACE RESCUE TRAINING SYSTEM FOR MAHARASHTRA FIRE SERVICE ACADEMY	१४.००
२	PROCUREMENT OF DISASTER DEPLOYMENT KIT FOR THE USE OF FIRE SERVICES OF URBAN LOCAL BODIES	७.००

उपरोक्त नमूद निविदा बाबतची माहिती जसे की ई- निविदा सूचना, निविदा प्रपत्रे इत्यादी शासनाच्या https://mahatenders.gov.in/ वेबसाईटवर उपलब्ध आहेत.

स्वाक्षरीत
(संजय काकडे)
सह आयुक्त
नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय

DGIPR/2025-26/C1525

भारत-चीन आमने-सामने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा दोनों देशों के आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही साथ ही इस यात्रा का एक और बड़ा रणनीतिक असर होने जा रहा है। हम आपको बता दें कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में लैटिन अमेरिका और एशिया के देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक रिश्ते गहराते जा रहे हैं। अर्जेंटीना और चीन के संबंध इसी उभरते भू-राजनीतिक समीकरण का हिस्सा हैं। बीते एक दशक में अर्जेंटीना ने चीन के साथ अपने व्यापारिक, निवेश, और कूटनीतिक संबंधों को अत्यंत मजबूत किया है। यह संबंध न केवल क्षेत्रीय रणनीति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि भारत के लिए भी कई अवसर और चुनौतियाँ उत्पन्न कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि चीन अर्जेंटीना का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों देशों ने कृषि, अवसंरचना, ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में कई समझौते किए हैं। चीन अर्जेंटीना से बड़ी मात्रा में सोयाबीन, मांस और कृषि उत्पाद आयात करता है। साथ ही चीन ने अर्जेंटीना में जलविद्युत परियोजनाओं और परमाणु संयंत्रों में भारी निवेश किया है। यही नहीं, अर्जेंटीना वर्ष 2022 में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव BRI में शामिल हुआ, जिससे चीन की लैटिन अमेरिका में रणनीतिक उपस्थिति और गहराई। एक खास बात और है कि अर्जेंटीना "लिथियम ट्रायंगल" का हिस्सा है और चीन ने वहां की कई लिथियम परियोजनाओं में निवेश कर रखा है। चीन का अर्जेंटीना में गहराता प्रभाव भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से चिंता का विषय है, खासकर जब चीन की नीति Global South के देशों में कर्ज और निवेश के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने की रही है। यहां यह भी काबिलेगौर है कि भारत इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण के लिए लिथियम पर निर्भर है। अर्जेंटीना में चीन की बढ़ती हिस्सेदारी इस महत्वपूर्ण खनिज की वैश्विक आपूर्ति में भारत को पीछे धकेल सकती है। इसलिए भारत अर्जेंटीना के साथ अपने संबंधों को मजबूती देना चाहता है, लेकिन चीन की पहले से मौजूदगी भारत की कूटनीतिक पहुंच को सीमित कर सकती है। लेकिन भारत के "ग्लोबल साउथ" को जोड़ने की नीति अर्जेंटीना जैसे देशों में स्वीकार्यता पा रही है। देखा जाये तो भारत और चीन दोनों ही अर्जेंटीना को एक बड़ा कृषि, औद्योगिक और खनिज स्रोत मानते हैं। हालांकि चीन का आक्रामक निवेश मॉडल भारत के लिए प्रतिस्पर्धा को कठिन बना देता है, खासकर तब जब भारत सतर्क और स्थिर निवेश नीति पर चलता है। सवाल उठता है कि भारत की रणनीतिक दिशा क्या होनी चाहिए? इसका जवाब यह हो सकता है कि भारत को अर्जेंटीना सहित लैटिन अमेरिका के देशों में उच्च स्तरीय राजनीतिक और व्यापारिक संवाद को और गहरा करना होगा। साथ ही अर्जेंटीना में लिथियम जैसे संसाधनों के लिए भारत को चीन के समानांतर रणनीतिक साझेदारियाँ बनानी होंगी। इसके अलावा, 'सॉफ्ट पावर' के माध्यम से भारत अर्जेंटीना में अपनी पहचान मजबूत कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अर्जेंटीना दौरे में देखने को आया कि भारत जिन उद्देश्यों और लक्ष्यों को लेकर चल रहा है उसमें सही रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। वैसे भी हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के द्विपक्षीय संबंध ऐतिहासिक, कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से लगातार प्रगाढ़ हुए हैं। ये संबंध केवल व्यापार और कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि, खेल और संस्कृति जैसे विविध क्षेत्रों में भी परस्पर सहयोग का आधार बनते जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि भारत और अर्जेंटीना के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध 1949 में स्थापित हुए थे। दोनों देश वैश्विक मंचों पर समान विचार साझा करते हैं– जैसे बहुपक्षवाद, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद विरोध और Global South की आवाज को सशक्त बनाना। पिछले दो दशकों में दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय राजनीतिक यात्राएं, व्यापारिक समझौते और रणनीतिक सहयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री की इस यात्रा के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गौर करें तो आपको बता दें कि दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सहयोग को लेकर सहमति जताई। साथ ही अर्जेंटीना चूंकि Lithium Triangle का हिस्सा है और भारत की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के लिए लिथियम एक प्रमुख संसाधन है, इसलिए प्रधानमंत्री की यात्रा में लिथियम आपूर्ति के समझौते बेहद अहम रहे। इसके अलावा, अर्जेंटीना कृषि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में उन्नत है इसलिए भारत ने कृषि क्षेत्र में सहयोग की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। साथ ही दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ाने पर जोर दिया, विशेषकर आईटी, फार्मा और ऑटोमोबाइल सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहन देने पर सहमति हुई। आगे की संभावनाओं पर गौर करें तो कहा जा सकता है कि भारत-अर्जेंटीना संबंध आने वाले वर्षों में और अधिक सुदृढ़ हो सकते हैं, विशेषकर नवीकरणीय ऊर्जा, खासकर सौर और पवन ऊर्जा में। इसके अलावा, छात्र विनिमय कार्यक्रम और विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी से शिक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग और बढ़ने की संभावना है। साथ ही अर्जेंटीना की फुटबॉल विरासत और भारत की सांस्कृतिक विविधता के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भी अपार संभावनाएं हैं। बहरहाल, कुल मिलाकर देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना यात्रा भारत की "Act Global" कूटनीतिक नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। इस यात्रा ने न केवल दोनों देशों के बीच सहयोग के नए द्वार खोले हैं बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को और सुदृढ़ किया है। अर्जेंटीना जैसे लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भारत के संबंधों की सुदृढ़ता न केवल आपसी सहयोग को बढ़ावा देती है, बल्कि वैश्विक संतुलन की दिशा में एक सकारात्मक कदम भी है।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

बीजेपी अध्यक्ष पर, पार्टी वाले मौन
राष्ट्रीय अध्यक्ष पर, अब बैठेगा कौन
अब बैठेगा कौन, करें सब ता ता थइया
बंसल या भूपेंद्र, वित्त की सीता मइया
कह सुरेश कविराय मेघ तक फट जाएंगे
जो भी नाम चलाओगे वो कट जाएंगे

सेकुलर और सोशलिस्ट को लेकर सियासी रार

> आपातकाल की पचासवीं बरसी पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा 'आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़े गए। ये शब्द पहले नहीं थे। बाद में इन्हें निकालने की कोशिश नहीं हुई। ये शब्द संविधान में रहना चाहिए। इस पर विचार होना चाहिए।'

इतिहास ने जब किसी कालखंड को काला अध्याय के रूप में स्वीकार कर लिया हो, तब उस कालखंड में लिए गए निर्णयों को वैधानिक कैसे माना जा सकता है। आपातकाल स्वाधीन भारत की तारीख का काला दौर ही है। उसी दौर में संवैधानिक संशोधन के जरिए संविधान की प्रस्तावना में 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द जोड़े गए। ऐसे में इन शब्दों को हटाने की मांग पर विमर्श होना चाहिए, लेकिन हो रहा है विवाद। इसकी वजह यह है कि यह मांग खुलेतौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की है। संघ की ऐसी आवाजें गैर बीजेपी दलों को अक्सर चुभती रही हैं। कांग्रेस ने इस बहाने संघ पर अपना पुराना आरोप दोहराना शुरू कर दिया, कि संघ और बीजेपी संविधान को बदलने की कोशिश में हैं। दिलचस्प यह है कि आपातकाल में कांग्रेसी अत्याचारों के शिकार हुए समाजवादी धड़े के दल भी संघ विरोध में कांग्रेस के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। सबसे पहले हमें जानना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इस बारे में क्या कहा है। आपातकाल की पचासवीं बरसी पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़े गए। ये शब्द पहले नहीं थे। बाद में इन्हें निकालने की कोशिश नहीं हुई। ये शब्द संविधान में रहना चाहिए। इस पर विचार होना चाहिए।' जब से भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय सत्ता में आई है, तभी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी एक रट लगाए हुए हैं कि बीजेपी और संघ संविधान बदलना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान तो उनकी अगुआई में समूचे विपक्ष ने इसे बार-बार दोहराया। नई लोकसभा के गठन के दौरान विपक्षी सांसदों ने शपथ लेते वक्त अपने हाथ में संविधान की प्रति थामे रखी। अंतर बस यह रहा कि कांग्रेसी सांसदों के हाथ में लाल रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही तो दूसरे दलों के सांसदों के हाथों में नीले रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही। शपथ लेते वक्त भी विपक्षी सांसदों ने देश को संदेश देने की कोशिश की कि बीजेपी संविधान बदलना चाहती है और वे इसे बदलने नहीं देंगे। दत्तात्रेय होसबाले के बयान के बाद एक बार भी कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल ऐसी ही बयानबाजी में मसरूफ हो गए हैं। संविधान की प्रस्तावना में ये दोनों शब्द 42वें संशोधन के जरिए जोड़े गए थे। इसी के साथ लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल पांच की बजाय छह साल कर दिया गया था। 1977 के आम चुनावों के बाद सत्ता में आई जनता पार्टी की सरकार ने दिसंबर 1978 में संविधान के 44वें संशोधन के जरिए आपातकाल के दौरान किए गए संवैधानिक बदलावों को बदल दिया। जिसमें लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल को फिर से पांच साल करना शामिल था। लेकिन संविधान की प्रस्तावना से 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्दों को हटाने का प्रयास नहीं हुआ। संघ की मांग का आधार मूल संविधान की प्रस्तावना है। जिसमें ये दोनों शब्द शामिल नहीं किए गए थे। ऐसा नहीं कि ऐसा करने की मांग नहीं हुई थी। संविधान सभा के सदस्य केटी शाह ने 15 नवंबर 1948 को संविधान के मसौदे में संशोधन प्रस्ताव रखते हुए भारत को 'धर्मनिरपेक्ष, संघीय, समाजवादी राज्यों का संघ' बनाने माँग की। लेकिन अंबेडकर ने इसे खारिज कर दिया। तब अंबेडकर ने कहा था, "राज्य की नीति क्या होनी चाहिए, समाज को उसके सामाजिक और आर्थिक पक्ष में कैसे संगठित किया जाना चाहिए, ये ऐसे मामले हैं जिनका निर्णय लोगों को समय और परिस्थिति के अनुसार स्वयं करना चाहिए।" अंबेडकर का मानना था कि अगर संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद को जोड़ दिया जाता है तो यह भावी पीढ़ियों को उनका रास्ता चुनने की स्वतंत्रता को सीमित करेगा। उन्होंने कहा, "इसे संविधान में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि यह लोकतंत्र को पूरी तरह से नष्ट कर देगा।" नेहरू की भी सोच थी कि भारतीय संविधान का चरित्र ही धर्मनिरपेक्ष है, इसलिए उसकी प्रस्तावना में इसे अलग से जोड़ने की जरूरत नहीं है। कांग्रेस हो या फिर दूसरे विपक्षी दल, उन्हें आज के दौर में जब भी बीजेपी पर हमला या फिर संघ को कठघरे में खड़ा करना होता है, वे अंबेडकर के संविधान को याद करने लगते हैं। अंबेडकर के मूल्यों की रक्षा की बात करने लगते हैं। ऐसे में उनके सामने यह सवाल जरूर उठता है कि क्या आपातकाल थोपा जाना अंबेडकर के विचारों का सम्मान था और अगर वह नहीं था तो फिर सेकुलर और समाजवादी शब्दों का प्रस्तावना में शामिल होना सही कैसे है? एक और सवाल यह है कि जब आपातकाल ही नाजायज और अवैधानिक था तो फिर उस दौरान उठाए गए किसी कदम को जायज और संवैधानिक कैसे स्वीकार किया जा सकता है? सवाल यह भी है कि आपातकाल के दौरान इंदिरा ही कार्यपालिका हो गई थीं, जिनके सामने न्यायपालिका और विधायिका एक तरह से अधिकारहीन हो चुकी थीं, तो उनके द्वारा लिए गए निर्णय सही कैसे हो सकते हैं? संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए इन शब्दों की एक सीमा यह भी है कि इनकी कोई व्याख्या नहीं है। इसलिए जिसकी जैसी सोच होती है, इनकी व्याख्या कर डालता है। केशवानंद भारती केस में सर्वोच्च न्यायालय कह सकता है कि संविधान की बुनियादी आत्मा को नहीं बदला जा सकता। इस नजरिए से भी देखें तो प्रस्तावना में जोड़े गए ये दोनों ही शब्द सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के ठीक उलट हैं। इन दोनों शब्दों के जोड़े जाने के बाद ही संविधान का अलग ही रूप और चरित्र दिखने लगा है। जिसके आधार पर ज्यादातर कार्यपालिका और विधायिका फैसले लेने लगी है। कुछ जानकार तो मानते हैं कि कई सामाजिक समस्याओं की वजह ये दोनों शब्द ही हैं। जिनके चलते संवैधानिक संस्थाएं भारत के बुनियादी चरित्र के उलट कदम उठाती रहती हैं या फैसले लेती रहती हैं। अल्पसंख्यकवाद को बढ़ावा देने में इन दोनों शब्दों का योगदान सबसे ज्यादा है। इन्हीं शब्दों के चलते तुष्टिकरण की राजनीति को भी बढ़ावा मिला है। इन शब्दों से मिले कवच की वजह से बिखंडनकारी तत्व हावी हुए हैं, जो लगातार भारतीय समाज के बिखराव को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रस्तावना में आए बदलावों ने शासन के चरित्र को ही नहीं, प्रशासन की सोच को भी बदला है। लेकिन कभी इस नजरिए से इन शब्दों की सीमा को मापने और उनके असर को पहचानने की कोशिश नहीं हुई। कुछ महीने बाद बिहार विधानसभा के चुनाव हैं। कांग्रेस संघ की इस अपील को चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश जरूर करेगी।

– उमेश चतुर्वेदी

सुशासन की सरकार पर सवालिया निशान खेमका की हत्या

अपने बिहार दौरे में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जिस जंगलराज के बहाने महागठबंधन को घेरने की कोशिश की, वह उलट सावित हो रहा है। अब लोग सवाल कर रहे हैं कि यदि सुशासन में सरे आम अपराधी तांडव कर रहे हैं, तो फिर जंगल राज क्या है? महागठबंधन का नेतृत्व कर रहे तेजस्वी यादव पहले से ही अपराध बुलेटिन जारी कर सुशासन की पोल खोलकर सरकार के विरुद्ध गोलबंदी की मुहिम छेड़ दी है। ऐसे में गोपाल खेमका समेत कई व्यवसाई की हत्या के बाद नाराज वैश्य समाज सुशासन की सरकार के विरुद्ध खड़ा हो जाए तो यह अतिश्योक्ति नहीं होगी। लोकसभा चुनाव में वैश्य समाज का एक वर्ग महागठबंधन के साथ जा जुड़ा था। सुशासन की सरकार पर सवालिया निशान खड़ा कर रहे हैं। पटना के राजेन्द्र नगर स्थित मगध हॉस्पिटल के मालिक और राज्य के प्रमुख व्यवसायी गोपाल खेमका की 4 जुलाई, को अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। जहां हत्या हुई है, उस स्थल से गांधी मैदान थाने महज ढाई सौ मीटर की दूरी पर है। आसपास ही पुलिस अधीक्षक और वरीय पुलिस अधीक्षक के आवास हैं। बावजूद इसके अपराधी हत्या कर चलते बने। हद तो ये है कि घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस डेढ़ घंटे बाद पहुंची। व्यवसायी गोपाल खेमका के पहले गत जून माह में ही पुनपुन के सुहागी-कंडाप पथ पर बाइक सवार बदमाशों ने जमीन कारोबारी अंजनी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह घटना गौरीचक के कंडाप पैक्स गोदाम के पास की है, जहां सुनसान जगह का फायदा उठाकर अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। मृतक हंडेर गांव के श्याम नंदन सिंह के पुत्र थे और जमीन के कारोबार से जुड़े थे। कारोबारी जयप्रकाश नारायण की भी गत वर्ष अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। आरोप यह था कि अपराधियों ने कारोबारी जयप्रकाश से 1.5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। जब पैसा नहीं मिला तो उनकी हत्या कर दी गई। बेगूसराय में अक्टूबर 2024 को सोना व्यापारी अनिल कुमार की अपहरण कर हत्या कर दी गई। अनिल कुमार ज्योति ज्वेलर्स के मालिक थे। जून 2024 में ही बिहार के नालंदा जिले के पनहेस्सा गांव के पास

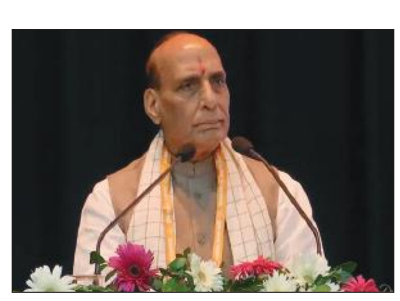

दो बाइक सवार बदमाशों ने जमीन कारोबारी को गोलियों से छलनी कर दिया। उन्हें चार गोलियां मारी गयीं। इलाज के लिए ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गयी। मृतक की पहचान पनहेस्सा गांव निवासी 42 वर्षीय रजी अहमद उर्फ नन्हे के रूप में की गयी। इस हत्या का कारण भी जमीन की खरीद-बिक्री के कारोबार बताया गया। इस घटना के बाद बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक समीक्षा बैठक की। नीतीश कुमार ने कहा कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर हुई समीक्षा बैठक में मुख्य मंत्री नीतीश कुमार के साथ पुलिस के बड़े अधिकारी भी शामिल थे। नीतीश कुमार ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ें और उन्हें कड़ी सजा दें। 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में पुलिस महानिदेशक एवं अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ विधि व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। विधि व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध करने वाले कोई भी हों, उन्हें किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाए। घटित आपराधिक घटनाओं के अनुसंधान कार्यों में तेजी लाने और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन को पूरी मुस्तैदी एवं कड़ाई से काम करने को कहा। एनडीए में नीतीश के सहयोगी चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) के खगड़िया से सांसद राजेश वर्मा ने भी सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होने कहा कि जिस तरह गोपाल खेमका की हत्या को अंजाम दिया गया। उससे लगने लगा है कि राज्य में अपराधियों को पुलिस का कोई खौफ नहीं है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। बिहार में व्यापारी सुरक्षित नहीं है। लोजपा (आर) के सांसद राजेश वर्मा ने कहा कि खेमका परिवार में ये दूसरी हत्या है, इससे पहले 2018 में गोपाल खेमका के बेटे गुंजन की हत्या भी इसी तरह की गई है। बिहार को आगे बढ़ाने की सोच रखने वाला वैश्य समाज भी सुरक्षित नहीं है। हाथ जोड़कर आग्रह करते हुए सांसद ने कहा कि सबसे पहले बिहार में व्यापारी वर्ग की सुरक्षा पुख्ता की जाए। अगर आप बिहार में उद्योग-धंधे लगाने की बात करते हैं। यही नहीं कानून व्यवस्था में सुधार के लिए पड़ोसी राज्य यूपी का हवाले देते हुए लोजपा (आर) के सांसद ने कहा कि यूपी से भी सीख सकते हैं कि कैसे लॉ एंड ऑर्डर को दुरूस्त किया जा सकता है। अपराधियों को उन्हीं की भाषा में जवाब देने का वक्त आ गया है। आज गोपाल खेमका नहीं तो कल कोई और होगा। विपक्षी पार्टियां सरकार पर हमला कर रही हैं। उनका कहना है कि बिहार में कानून का राज खत्म हो गया है। नीतीश कुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए। इस घटना के बाद बिहार की राजनीति भी गरमा गई है। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि खेमका परिवार ने घटना के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक और स्थानीय थाने में फोन किया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। इसके बाद जिला मजिस्ट्रेट को फोन किया गया, जिन्होंने फोन उठाया। उन्हें बताया गया कि पुलिस जवाब नहीं दे रही है और उन्हें मदद की ज़रूरत है। राजेश कुमार ने आरोप लगाते हुए आगे कहा कि जिला मजिस्ट्रेट को फोन करने के तीन घंटे बाद पुलिस पहुंची। उन्होंने नीतीश कुमार के शासन को बीमार बताया और मांग की कि नीतीश कुमार और राजग गठबंधन को इस मुद्दे पर इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की भी मांग की। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पटना में थाने से कुछ ही कदम दूर, बिहार के एक प्रमुख व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई!

– कुमार कृष्णन

अयोध्या के राम मंदिर की दिव्यता एक गौरव

अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर भारतीय आस्था, संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है। यह केवल एक भवन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है, जिसकी प्रतीक्षा सदियों से की जा रही थी। हाल ही में इस मंदिर के शिखर पर सोने की परत चढ़ाई गई, जिससे इसकी भव्यता और दिव्यता में अद्वितीय चार चांद लग गए हैं। अब यह मंदिर दूर से ही अपनीचमक और तेज से श्रद्धालुओं के मन को मोह लेने वाला दृश्य बन चुका है। राम मंदिर के शिखर पर जो सोने की परत चढ़ाई गई है, वह न केवल स्थापत्य सौंदर्य को बढ़ाती है, बल्कि यह

भारत की सांस्कृतिक समृद्धि और भगवान राम के प्रति जनसमूह के अटूट समर्पण को दर्शाती है। यह सोना आम नागरिकों, श्रद्धालुओं और सेवाभावी संगठनों के दान से जुटाया गया है। यह दिखाता है कि यह मंदिर केवल एक निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा से जुड़ी एक भावनात्मक यात्रा है। सोने की परत से सुसज्जित शिखर जब सूरज की रोशनी में चमकता है, तो वह किसी चमत्कारी दृश्य से कम नहीं लगता। यह दिव्य चमक मानो यह घोषणा करती है कि अब रामलला अपने भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हैं और संपूर्ण भारत का आत्मगौरव जागृत हो चुका है। दूर से भी दिखे 'राम का राज्य' अयोध्या में स्थित यह भव्य मंदिर अब दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को भी पहले दर्शन से मंत्रमुग्ध कर देता है। जहां पहले मंदिर की भव्यता संगमरमर और नक्काशी से पहचानी जाती थी, अब उसका स्वर्णिम शिखर उसे और भी विशिष्ट बना देता है। यह दृश्य दर्शकों को गर्व से भर देता है और यही तो है रामराज्य की भावना, जहाँ दिव्यता और न्याय का साम्राज्य हो। इस स्वर्णमंडित शिखर की आभा को देखकर कोई भी भारतीय हृदय श्रद्धा से झुक जाए, यह स्वाभाविक है। यह केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि संस्कृति, संघर्ष और सामूहिक प्रयास का प्रतीक है। अब यदि कोई इस दृश्य को देखकर भी प्रशंसा न करे, उसका सम्मान न करे, तो वह केवल नास्तिक ही नहीं, बल्कि शायद अपनी जड़ों से कटा हुआ व्यक्ति भी कहा जा सकता है। आज मीडिया के ज़माने में जब हम हर छोटी उपलब्धि पर गर्व करते हैं, तो राम मंदिर पर क्यों नहीं।

– शिवानन्द मिश्रा

आज का कार्टून

साभार

दीवारों में घिरा रहना चाहता है आज का व्यक्ति

सिनेमा, साहित्य और समाज सभी हमें अलग-अलग पक्षों पर अलग-अलग शिक्षा देते हैं। सिनेमा और साहित्य दोनों ही समाज का अंग हैं। इस दृष्टि से समझे तो समाज सबसे बड़ी शक्ति है, इसमें सभी कुछ दिखाई देता है। व्यक्ति समाज में जीवन यापन करता है और समाज के साथ ही रहता है। जो समाज से कट जाता है, वह हर एक हिस्से से धीरे-धीरे कटता चला जाता है। सिनेमा जगत में एक फिल्म बनी थी दीवार, जिसमें अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनके भाई के बीच एक दीवार खड़ी हो जाती है। एक अच्छाई के रास्ते पर चलता है तो दूसरा बुराई के रास्ते पर चलता है। इसी के चलते दोनों भाई अलग-अलग रहने लगते हैं। भाई-भाई के बीच घर का बंटवारा कितनी ही फिल्मों में दिखाया गया है। जब घर के बीच में दीवार होती है और एक ही परिवार दो हिस्सों में बट जाता है, यह बहुत ही दर्दनाक भी होता है। दूसरी ओर यह भी कहा जाता है कि अलग-अलग होकर ही यह देश-दुनिया बनी है। यहाँ ईंट-पत्थर की दीवार की बात नहीं हो रही है, विचारों के दीवार की बात हो रही है। देखा-समझा जाए तो यह दीवार बड़े गजब की चीज है। कुछ लोग तो इन दीवारों में ही बंधे रहना चाहते हैं. कुछ लोग दीवारों को खरीदने-बेचने में ही लगे रहते हैं अर्थात बिल्डिंग, घर, फ्लैट आदि। दूसरी ओर देखें तो किसी ने अपनी पद प्रतिष्ठा की ऊंची-ऊंची दीवारें खींच ली हैं जिन्हें कोई

लांघ ही नहीं सकता, ऐसा उन्हें लगता है। वह किसी से मिलना नहीं चाहते हैं. उस चार दीवारी में उनका मनचाहा ही प्रवेश करता है। लोग दीवारों को ही सजाने में लगे रहते हैं, जबकि संस्कारों से सजा हुआ घर ही सुंदर होता है। दीवारों से घिरा व्यक्ति केवल अपने स्वार्थ की पूर्ति में लगा रहता है। स्वतंत्रता से पूर्व की एक कविता में माखनलाल चतुर्वेदी लिखते हैं कि, ऊंची काली दीवारों के घेरे में अर्थात उस समय वह जेल में बंद हैं और वह देश को स्वतंत्र करना चाहता है। अंग्रेजी सरकार का विरोध करते हैं। ठीक इसके विपरीत आज का व्यक्ति स्वतंत्र होने के बाद भी दीवारों में घिरा रहना चाहता है, उन्हीं में अपने जीवन को खापा रहा है। विचार करें तो सभी दीवारें समय के गति चक्र में अपने आप टूट जाती हैं। जिन्हें व्यक्ति तोड़ना नहीं चाहता, एक समय में व्यक्ति स्वयं टूट कर बिखर जाता है। आयु व्यक्ति को तोड़ देती है, समय उसे स्वयं उत्तर दे देता है। समय बहुत बलवान है, उसकी लाठी में आवाज नहीं होती है। भारतेंदु हरिश्चंद्र अंधेर नगरी नाटक में दीवार के गिरने की घटना को दिखाते हैं जिसके चलते आगे पूरा नाटक चलता है और पूरे नाटक में कितनी बड़ी गलतियां होती हैं, वह सब दिखाया गया है। हम लोगों के बीच दीवारें क्यों खींच रहे हैं? हम इनमें क्यों घिरे बैठे हैं, इसका उत्तर हमें स्वयं से ही जानना होगा। कवि की पंक्तियां याद आती हैं कि, मेरे घर में छह ही लोग चार दीवारें छत और मैं। एकल परिवार से आगे आज व्यक्ति अकेला रह गया है। हमें अपने जीवन को समझना होगा। दीवारें बोलती नहीं है, वह समय के साथ खंड़हर बन जाती हैं। इतिहास के पन्नों में कितनी ही दीवारें दबी हुई है, यह तो पढ़ने-समझने वाले ही जानते हैं।

– डॉ. नीरज भारद्वाज

गोपालगंज में मुहर्रम जुलूस के दौरान हिंसा, 12 घायल

दो गांवों के बीच जुलूस मिलान को लेकर पथराव

महानगर नेटवर्क

गोपालगंज

गोपालगंज में रविवार को मुहर्रम के जुलूस के दौरान दो गांवों के बीच हिंसक झड़प हुई। घटना मांझागढ़ थाना क्षेत्र के शिकमी ढाला के पास की है। मिली जानकारी के अनुसार शिकमी गांव और छवही तक्की गांव के लोग अलग-अलग जुलूस निकाल रहे थे। इसी जुलूस मिलान को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हुआ। यह विवाद तेजी से हिंसक रूप ले गया। दोनों तरफ से लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले। इस हिंसा में करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों में छवही तक्की गांव के मनु, मुनमुन अंसारी, जैनब निशा और अफजल अली शामिल हैं। वहीं शिकमी गांव से तैयब हुसैन और खलीउल जमा घायल हुए हैं। कुछ घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ का इलाज निजी नर्सिंग होम में चल रहा है।

जुलूस मिलाना का विरोध करने पर किया हमला

घायल के परिजन हसमुद्दीन अंसारी ने बताया कि शिकमी गांव के लोग जबरन जुलूस को मिलाना चाहते थे। विरोध करने पर उन्होंने हमला कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थिति को नियंत्रित किया गया है। इलाके में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

वहीं सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

गांव की महिलाओं के डेढ़ करोड़ लेकर एजेंट फरार

भागलपुर। भागलपुर के नवगछिया में धोखाधड़ी का बड़ा मामला सामने आया है। यहां एक वसूली एजेंट ने ऋण के पैसे बैंक में जमा करने के नाम पर महिलाओं से 1 करोड़ 40 लाख रुपए ठग लिए और फरार हो गया। इसका खुलासा तब हुआ, जब पैसे वापसी को लेकर महिलाओं को बैंक से नोटिस भेजा गया। इसके बाद नवगछिया बाजार के केनरा बैंक में जमकर हंगामा हुआ। तीन दर्जन से अधिक महिलाएं अचानक बैंक प्रबंधक के चैंबर में घुसीं और बवाल मचा दिया। लोन वापस नहीं मिलने पर बैंक द्वारा समूह की महिलाओं को नोटिस भेजा गया था। जब महिलाएं बैंक पहुंचीं तो पता चला कि पैसा ही जमा नहीं किया गया है, जिससे महिलाएं उग्र हो गईं। उन्हे पता चला वसूली एजेंट 1 करोड़ 40 लाख लेकर फरार हो गया है। एनजीओ समाज उन्नति केंद्र में महिलाओं को केनरा बैंक के माध्यम से ऋण दिलाया जाता था। एक समूह में 5 से 6 महिलाएं होती थीं। प्रत्येक महिलाओं को एक लाख से 2 लाख तक बैंक से एनजीओ द्वारा ऋण दिलाया जाता था। एनजीओ के एजेंट समूह की महिलाओं से ऋण वसूली कर बैंक में जमा करते थे, लेकिन यहां तो एजेंट ही ऋण वसूली का रुपया लेकर फरार हो गया।

ताबड़तोड़ छापे, हिरासत में कई संदिग्ध

गोपाल खेमका मर्डर खुलासे के करीब पुलिस

महानगर नेटवर्क

पटना

पटना के चर्चित उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या के 36 घंटे बाद भी पुलिस अभी तक खाली हाथ है। हालांकि पुलिस के दावा है कि मर्डर केस से जुड़ी अहम जानकारी हाथ लगी है। गोपाल खेमका हत्याकांड की जांच में जुटी एसआईटी और बिहार एसटीएफ की टीमें ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही हैं। पटना और आसपास के इलाकों में भी पुलिस की छापेमारी जारी। एसआईटी कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ कर रही है। वहीं इस मामले पर पटना रेंज के आईजी जितेंद्र राणा का दावा है कि हत्या से संबंधित महवपूर्ण जानकारी मिली है, अपराधियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

इससे पहले गोपाल खेमका हत्याकांड के तार बेऊर जेल से भी जुड़े दिख रहे हैं। सूत्रों की मानें तो

जेल में बंद एक कुख्यात अपराधी सहित आधा दर्जन से पूछताछ की गई है। कुख्यात को सेल में कैद कर दिया गया है। जेल के अलग-अलग वार्डों से पुलिस ने तीन मोबाइल, सिम कार्ड, एक डाटा केबल, कागज पर लिखा मोबाइल नंबर व अन्य सामान बरामद किये हैं। शनिवार की सुबह रेंज आईजी जीतेंद्र राणा के साथ एसएसपी व अन्य पुलिस अधिकारियों ने मौका-ए-वारदात पर पहुंच घटना की जांच की। उस मौके से पुलिस ने एक खोखा और एक गोली बरामद बरामद की है। एसआईटी ने कई जगहों पर छापेमारी की है।

चिराग ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

बड़े कारोबारी गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर नीतीश सरकार की कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में है। विपक्ष लगातार हमलावर है। अब एनडीए में नीतीश के सहयोगी और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी बिहार के लॉ एंड ऑर्डर को लेकर चिंता जाहिर की है। नीतीश कुमार का नाम लिए बगैर उन्होने कहा कि जिस तरह बिहार में अपराध बढ़े हैं, और कानून व्यवस्था ध्वस्त हुई है, यह चिंता का विषय है। अगर पटना के पॉश इलाके में ऐसी घटना हुई है, तो हम कल्पना ही कर सकते हैं कि गांवों में क्या हो रहा होगा।

लोजपा आर के अध्यक्ष चिराग ने कहा कि सुशासन के लिए जानी जाने वाली सरकार के राज में ऐसी घटनाएं होना चिंताजनक है, तब विपक्ष को बोलने का मौका मिलेगा। ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सख्त कार्रवाई की जरूरत है।

अचानक गंगा में कूदी महिला नाविकों ने दिखाई बहादुरी

पटना। नगर थाना इलाके के सारीमपुर घाट पर रविवार सुबह एक महिला ने अचानक गंगा में छलांग लगा दी। घटना रविवार सुबह 5:45 बजे की है। महिला के गंगा में छलांग लगाते ही आसपास मौजूद नाविकों ने तुरंत गंगा में कूदकर उसकी जान बचाई। इसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस महिला को सदर अस्पताल लेकर गई। वहां इलाज के बाद उसकी जान बच गई।

घाट पर पहुंचते ही कूदी महिला

इसकी जानकारी नगर थाना के अपर थानाध्यक्ष रमन कुमार ने दी,उन्होंने बताया कि महिला की पहचान शहर के मेनरोड तुरहाटोली निवासी सोनी कुमारी (25) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि महिला सुबह 5:45

बजे सारीमपुर घाट पहुंची और तुरंत उसने गंगा में छलांग लगा दी।

नाविकों ने तुरंत किया रेस्क्यू

हालांकि उस दौरान वहां मौजूद नाविक तुरंत ही महिला को बचाने के लिए गंगा में कूद पड़े। उन लोगों ने कुछ ही देर में महिला को बाहर निकाल लिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस की गश्ती गाड़ी पहुंची और महिला को तत्काल उपचार के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के बाद महिला की जान बच गई।

बेगूसराय से आया लव जिहाद का मामला

आरती को शाहबाज ने जबरन खिलाया गोमांस, इस्लाम ना अपनाने पर पीटा

महानगर नेटवर्क

पटना

बेगूसराय से लव जिहाद का मामला सामने आया है। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि हिंदू लड़की के इस्लाम ना अपनाने पर प्रेमी ने ना सिर्फ उसे बेरहमी से मारा बल्कि उसे जबरन गोमांस भी खिलाया। दरअसल, लव जिहाद कि इस कहानी की शुरुआत होती है सोशल मीडिया से, जहां मध्य प्रदेश की रहने वाली आरती की बिहार के बेगूसराय के रहने वाले मोहम्मद शाहबाज से दोस्ती होती है। उसके बाद ये दोस्ती प्यार में बदल जाती है उसके बाद आरती की जिंदगी कैसे नरक बनती है आपको इस आर्टिकल में सारी जानकारी

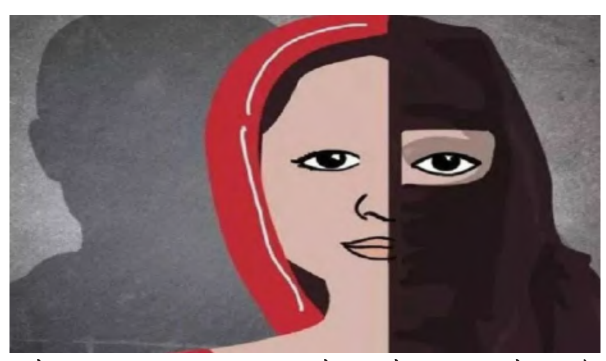

मिलेगी।

साल 2018 में शुरू हुई कहानी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मध्य प्रदेश के इंदौर की रहने वाली आरती को बेगूसराय जिले के नगर थाना क्षेत्र के जागीर मोहल्ला में रहने वाले मोहम्मद शाहबाज से फेसबुक के जरिए प्यार हो जाता है। इसके बाद साल 2018 में मोहम्मद शाहबाज प्यार में पागल आरती को मिलने के लिए बेगूसराय बुलाता है। लड़की जब बेगूसराय पहुंची, तो शाहबाज अपनी असली पहचान छुपाकर आरती से कर्पूरी स्थान में शादी कर लेता है और फिर एक साथ रहने लगता है, लेकिन कुछ ही दिन बीतने के बाद मोहम्मद शाहबाज आरती को प्रताड़ित करना शुरू कर देता है। रोज-रोज की प्रताड़ना से तंग आकर और लड़के की सच्चाई जानने के बाद आरती आरुषि परवीन बन जाती है। इसके बाद भी शाहबाज उस पर अत्याचार करना नहीं छोड़ता है। इस बीच आरती ने सोने चांदी की दुकान में मजदूरी करके तकरीबन 1 लाख रुपए मोहम्मद शहबाज को दिया। इस बीच मोहम्मद शहबाज ने लड़की पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया और आरती के मोबाइल से हिंदू देवी देवताओं के फोटो को भी हटवा दिया।

कुछ लोग तिरंगा में चांद चाहते हैं, हम चांद पर तिरंगा

बागेश्वर बाबा पटना सनातन महाकुंभ में बोले

महानगर नेटवर्क

पटना

पटना गांधी मैदान में आयोजित सनातन महाकुंभ में बागेश्वर धाम के पीठाधीश पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री पहुंचे। आयोजन के संयोजक पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने मंच पर उनका स्वागत किया। जगत गुरु रामभद्राचार्य भी पधारे हैं। इस दौरान बागेश्वर बाबा ने कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की शुरुआत बिहार से ही होगी। उन्होंने कहा कि हम राजनीति नहीं बल्कि रामनीति के चक्कर में पटना आए हैं। उन्होंने दिल्ली से वृंदावन पदयात्रा में शामिल होने के लिए बिहार वासियों को न्योता दिया। पटना में सनातन महाकुंभ में की शुरुआत हो चुकी है। संबोधन में बाबा बागेश्वर ने कहा कि हिंदुओं को जातिवाद नहीं बल्कि राष्ट्रवाद के लिए जिएंगे। हम भारत माता के लिए जिएंगे। जब भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा तो पहला राज्य बिहार होगा। उन्होंने कहा कि सनातन को बांटना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग तिरंगा पर चांद देखना चाहते हैं। लकिन हम चांद पर तिरगां लहराता देखना चाहते हैं। बिहार आकर बहुत खुशी मिलती है। पटना वाले पागलों अपना ध्यान रखना। समय कम है और गर्मी ज्यादा है। हम फिर आएंगे। हिन्दू राष्ट्र बनान के लिए सात नवम्बर से 16 नवम्बर तक दिल्ली से वृंदावन की पदयात्रा होने वाली है। इसमें बिहार के लोग चलें।

'हमे किसी धर्म से कोई दिक्कत नहीं'

बिहार का कर्ज नहीं भूल सकते। बागेश्वर बाबा ने कहा कि हमे किसी धर्म से कोई दिक्कत नहीं है। बिहार की धरती पर किशोरी जी प्रकट हुईं। हमे पूरा भरोसा है। बिहार के पागलों यह बात गांठ बांध लो हम सब हिंदू एक हैं। कुछ ताकतें देश को गजवा ए हिंद बनाना चाहते हैं लेकिन हम भगवा ए हिंद होना चाहिए। हमे मुसलमानों और इसाइयों से दिक्कत नहीं है। बल्कि उन हिंदुयों से दिक्कत है जो जातिवाद की बात करते हैं। हम किसी पर घात नहीं करना चाहते। लेकिन, कोई हम पर घात करेंगे तो हम प्रतिघात से नहीं चूकेंगे। भीषण गर्मी के बावजूद भारी संख्या में लोग गांधी मैदान सनानतन महाकुंभ में पहुंचे। इससे पहले तरेत मठ में बागेश्वर बाबा का प्रवचन कार्यक्रम हुआ था। उन्होंने भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग की थी। कहा था कि हर मकान पर ध्वजा और हर माथे पर तिलक होगा उस दिन स्वत: हमारा हिंदू राष्ट्र बन जाएगा। दस लाख से अधिक लोग बागेश्वर बाबा की कथा सुनने पहुंचे थे। हालांकि उनके बिहार आगमन पर जमकर राजनीति भी हुई।

दरभंगा में रंगदारी न देने पर तलवार से किया हमला

दरभंगा। दरभंगा के घनश्यामपुर थाना क्षेत्र के पोहद्दी बेला गांव में रंगदारी की मांग को लेकर एक युवक पर हमला किया गया। गुलशन कुमार देव और आनंद कुमार देव ने अनिल कुमार देव के बेटे राहुल से 10 हजार रुपये की रंगदारी मांगी। राहुल द्वारा मना करने पर दोनों ने तलवार से हमला कर दिया।

हमले में राहुल के जांघ, कोहनी, हाथ की उंगली और घुटने पर चोटें आईं। इस दौरान राधाकृष्ण लाल देव और सीतीया देवी

भी लाठी लेकर वहां पहुंचे। उन्होंने भी राहुल की पिटाई की। आरोपियों ने घर का सामान भी तोड़ा और बाइक को भी तोड़ने की कोशिश करने लगे। चारों आरोपियों ने परिवार को पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। आसपास के लोगों के जमा होने पर चारों मौके से फरार हो गए। घायल राहुल को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घनश्यामपुर ले जाया गया। हालत देखते हुए डॉक्टरों ने उसे डीएमसीएच दरभंगा रेफर कर दिया।

थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि पीड़ित के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित परिवार ने सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मेरे बेटे को क्यों डांटा — स्कूल में घुसे परिजन, बस इस 'गुनाह' के लिए टीचर्स पर बरसाईं लाठियां

गया। एक तरफ देश 'शिक्षित भारत-विकसित भारत' का सपना देख रहा है। वहीं, दूसरी तरफ बिहार के गया जिले से एक टीचर पर हमले की घटना सामने आई है। पीड़ित टीचर ने छात्र को होम न करके आने पर डांटा था। इसी बात पर गुस्साए छात्र के परिजनों ने टीचर पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में टीचर को गंभीर चोटें आई है। साथ ही बीच-बचाव करने से कई अन्य टीचर्स भी घायल

हुए हैं। इस घटना की पूरे इलाके में खूब चर्चा हो रही है।गया जिले के शहवाजपुर स्थित मध्य विद्यालय में शनिवार को स्कूल में उस वक्त खलबली मच गई, जब होमवर्क न करने पर एक छात्र को समझाने वाले टीचर पर उसी छात्र के परिजनों ने लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। इस हमले में टीचर राकेश रंजन श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हो गए, वहीं बीच-बचाव करने आए अन्य टीचर्स को भी चोटें आईं। घटना न केवल एक टीचर पर हमला है, बल्कि यह पूरे शिक्षा तंत्र, नैतिकता और शिक्षक-अभिभावक रिश्तों पर गहरा प्रश्नचिह्न है। एक ओर जहां टीचर बच्चों के भविष्य संवारने की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनका अपमान और अब तो उन पर हमला समाज की गिरती मानसिकता और बिगड़ते मूल्यबोध का प्रतीक बनता जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टीचर राकेश रंजन श्रीवास्तव ने केवल यह कहा था कि पढ़ाई में लापरवाही न बरतें और होमवर्क समय पर करें।

व्यापार

शेयर बाजार के लिए 10 जुलाई अहम

ये दिन निफ्टी की अगली दिशा तय कर सकता है

मुंबई। शेयर बाजार में कल से शुरू होने वाले हफ्ते के लिए 10 जुलाई अहम होने वाला है। वेल्थ-व्यू एनालिटिक्स के डायरेक्टर हरशुभ शाह के मुताबिक ये दिन बाजार की अगली दिशा तय कर सकता है। वहीं उन्होंने अपनी वीकली मार्केट रिपोर्ट में कुछ खास समय और स्तर बताए हैं।

इसके अलावा भारत-अमेरिका ट्रेड डील, पहली तिमाही के कंपनियों के नतीजे से लेकर विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री और टेक्निकल फैक्टर्स बाजार की चाल तय करेंगे। चलिए समझते हैं कि इस हफ्ते बाजार में क्या हो सकता है।

निफ्टी के अहम स्तर

सपोर्ट जोन: 25,434 | 25,320 | 25,120 | 24,978 | 24,856

सपोर्ट यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को नीचे गिरने से सहारा मिलता है। यहां खरीदारी बढ़ने से कीमत आसानी से नीचे नहीं जाती। इन स्तरों पर खरीदारी का मौका मिल सकता है। रेजिस्टेंस यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को ऊपर जाने में रुकावट आती है। ऐसा बिकवाली बढ़ने से होता है। अगर निफ्टी रजिस्टेंस जोन को पार करता है, तो नई तेजी आ सकती है।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए खुशखबरी

जुलाई से मिल सकता है 4% DA का तोहफा !

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए बड़ी खबर है। जुलाई 2025 से डियरनेस अलाउंस (DA) में 4% की बढ़ोतरी होने की पूरी संभावना है। ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर्स (AICPI-IW) के ताजा आंकड़ों ने इसकी उम्मीद को और पक्का कर दिया है। मई 2025 में यह इंडेक्स 0.5 पॉइंट बढ़कर 144 पर पहुंच गया है। मार्च से मई तक इसमें लगातार बढ़ोतरी देखने को मिली है, मार्च में 143, अप्रैल में 143.5 और अब मई में 144. अगर जून

2025 में भी इंडेक्स में 0.5 पॉइंट की बढ़ोतरी होती है, तो DA 55% से बढ़कर 59% हो सकता है।

DA की गणना पिछले 12 महीनों के AICPI-IW के औसत के आधार पर की जाती है। 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के मुताबिक, इसका फॉर्मूला है। यहां 261.42 इंडेक्स का आधार मूल्य है,अगर जून में AICPI-IW 144.5 तक पहुंचता है, तो 12 महीने का औसत लगभग 144.17 होगा. इस औसत को फॉर्मूले में डालने पर DA करीब 58.85% बनता है, जिसे राउंड ऑफ करके 59% माना जाएगा।

क्विक-कॉमर्स का खेल; 57 का सामान 200 में आ रहा

डिलीवरी कंपनियां बारिश और छोटे ऑर्डर के नाम पर चार्ज ले रहीं

नई दिल्ली। मिनटों में किराना पहुंचाने वाली क्विक कॉमर्स कंपनियां चुपचाप ग्राहकों पर अतिरिक्त बोझ डाल रही हैं। इसके लिए डिलीवरी के अलावा हैंडलिंग चार्ज, मेंबरशिप फीस, रेन फीस, प्रोसेसिंग फीस, प्लेटफॉर्म फीस और व्यस्त समय में सर्ज चार्ज भी वसूले जा रहे हैं। यह सब स्टैंडर्ड डिलीवरी और प्लेटफॉर्म चार्ज से अलग है।

आईटी प्रोफेशनल सुरेश ने जब जेप्टो से 57 रुपए के स्नैक्स मंगवाए तो बिल 200 रुपए पहुंच गया। इसमें 13 रुपए हैंडलिंग चार्ज, 35 रुपए स्मार्ट कार्ट फी, 75 रुपए डिलीवरी चार्ज और 1 रुपए मेंबरशिप फीस जुड़ी थी।

जीएसटी ने कीमत और बढ़ा दी। अजीत ने ब्लिंकिट से 306 रुपए की आइसक्रीम मंगवाई। डिलीवरी चार्ज भले ही शून्य था, पर 9 रुपए हैंडलिंग व 30 रुपए सर्ज चार्ज जुड़ गया, जिससे बिल 346 हो गया। ये चार्ज ऐसे वक्त में लिए जा रहे हैं जब कंपनियां भारी घाटे में हैं। जनवरी-मार्च 2024 में ब्लिंकिट को 178 करोड़, स्विगी इंस्टामार्ट को 840 करोड़ रुपए का घाटा हुआ।

62% ग्राहकों को सुविधा शुल्क देना पड़ रहा है

ये शुल्क शहरों के अनुसार बदलते हैं और अक्सर पैकेजिंग या डिलीवरी के नाम पर लगाए जाते हैं। यदि कोई उत्पाद वापस किया जाता है तो सुविधा शुल्क वापस नहीं किया जाता।

सुविधा शुल्क आमतौर पर लेनदेन राशि का 3% तक होता है, लेकिन लोकलसर्कल्स की स्टडी के मुताबिक इन अलग-अलग शुल्कों की वजह से 300 का ऑर्डर ग्राहकों को 400 से 450 रुपए तक का पड़ रहा है।321 जिलों के 40 हजार से अधिक कंज्यूमर्स के सर्वे में, 62% ने बताया कि उन्हें ऑनलाइन ऑर्डर पर सुविधा शुल्क चुकाना पड़ा है।

जेएम फाइनेंशियल के मुताबिक अधिकांश प्लेटफार्म ने मुफ्त डिलीवरी प्राप्त करने के लिए न्यूनतम ऑर्डर मूल्य बढ़ा दिया है। इससे ग्राहकों को बड़ी खरीदारी करनी पड़ रही है।

सेकेंड हैंड कारों की बंपर सेल कीमतों में 50% तक की गिरावट

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सेकेंड हैंड कारों की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। पुराने वाहनों पर लगे प्रतिबंधों के चलते सेकेंड हैंड कारों की कीमतों में 40 से 50 प्रतिशत तक की कमी आई है। यह जानकारी चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) ने दी।

CTI के चेयरमैन बृजेश गोयल के अनुसार, पुराने वाहनों पर लागू प्रतिबंधों के कारण दिल्ली का सेकेंड हैंड कार बाजार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। करीब 60 लाख वाहनों पर असर पड़ा है। दिल्ली में पेट्रोल कारों की अधिकतम उम्र

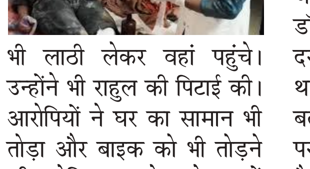

15 साल और डीजल कारों की 10 साल तय की गई है, जिसके बाद उन्हें सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं है। पुरानी कारों की कीमतें गिरने से बाहरी राज्यों से खरीदार दिल्ली का रुख कर रहे हैं। करोल बाग, प्रीत विहार, पीतमपुरा और मोती नगर जैसे इलाकों में 1,000 से अधिक सेकेंड हैंड कार डीलर सस्ते दामों पर कारें बेच रहे हैं। ये कारें आमतौर पर पंजाब, राजस्थान, यूपी, बिहार, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में जाती हैं।

लक्ज़री सेकेंड हैंड कारें भी सस्ती

गोयल के अनुसार, पहले जो लक्ज़री सेकेंड हैंड कारें 6–7 लाख में बिकती थीं, वे अब 4–5 लाख में ही खरीदी जा सकती हैं। बाहरी राज्यों से आने वाले खरीदार मौजूदा स्थिति को समझकर आक्रामक मोलभाव कर रहे हैं।

भारत का UPI पूरी दुनिया में मशहूर

नई दिल्ली। भारत का डिजिटल पेमेंट सिस्टम पूरी दुनिया में मशहूर होता जा रहा है। अब UPI यानि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस को अपनाने वाले देशों की लिस्ट में त्रिनिदाद और टोबैगो का भी नाम जुड़ गया। इसी के साथ ये UPI को अपनाने वाले पहले कैरेबियाई देश बन गए हैं। यानी कि अब से यहां भी किसी चीज के लेनदेन पर यूपीआई के जरिए पेमेंट किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भीम ऐप के जरिए डिजिटल ट्रांजैक्शन सिस्टम अपनाने पर इन्हें बधाई दी है। त्रिनिदाद और टोबैगो के दौरे पर पीएम मोदी रू त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर के आमंत्रण पर पीएम मोदी ने 3-4

जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो का दौरा किया, न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक,इसी दौरान दोनों देशों ने डिजिटल डोमेन में सहयोग बढ़ाने पर गहरी रूचि दिखाई। दोनों देशों ने डिजिलॉकर, ई-साइन और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) सहित इंडिया स्टैक सॉल्यूशंस के कार्यान्वयन में आगे सहयोग करने पर भी सहमति जताई।

गोल्ड में फिर लौटेगी चमक, साल के अंत तक एक लाख प्रति 10 ग्राम के पार जा सकता है

नई दिल्ली। अगर आपने सोने में निवेश किया है और हालिया गिरावट को लेकर चिंतित हैं, तो राहत की खबर है। ICICI बैंक ग्लोबल मार्केट्स की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 की दूसरी छमाही में गोल्ड की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखने को मिलेगी और यह साल के अंत तक 1,00,000 प्रति 10 ग्राम के पार जा सकता है।

फिलहाल गोल्ड की कीमतें 96,500 से 98,500 प्रति 10 ग्राम के बीच ट्रेड कर रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार,

यह एक कंसॉलिडेशन फेज है और जल्द ही कीमतें पहले 98,500 और फिर 1,00,000 के पार जा सकती हैं। गोल्ड में आई हालिया गिरावट की वजह भू-राजनीतिक तनावों में नरमी मानी जा रही है। ईरान-इजरायल सीजफायर और अमेरिका-चीन के बीच टैरिफ डील से बाजार में स्थिरता लौटी है।

अप्रैल में बनाया था रिकॉर्ड

इस साल अप्रैल में गोल्ड ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में $3,500 प्रति औंस का ऐतिहासिक स्तर छुआ था। भारत में भी उस समय सोने का भाव 1 लाख प्रति 10 ग्राम के पार चला गया था। भले ही उसके बाद थोड़ी गिरावट आई लेकिन गोल्ड अब भी 2025 में करीब 28% का रिटर्न दे चुका है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि गोल्ड का आउटलुक स्ट्रॉन्ग है।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं डांगट मीडिया प्रा.लि., 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबर: 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com

● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

मंदिरों का जीर्णोद्धार कराएगी योगी सरकार

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजना की शुरुआत

महानगर संवाददाता
लखनऊ

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए मंदिरों के बड़े पैमाने पर जीर्णोद्धार और पर्यटन विकास के लिए एक योजना शुरू की है। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गयी।
बयान में कहा गया है कि इस योजना के तहत भृगु (बलिया) और दुर्वासा ऋषि (आजमगढ़) के आश्रमों सहित जैन मंदिर का कायाकल्प किया जाएगा।
बयान में कहा गया है कि विशेष रूप से पूर्वांचल के मंदिरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, पर्यटन विभाग ने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। बयान में कहा गया है कि इसमें बलिया में भृगु आश्रम स्थित चित्रगुप्त मंदिर का सौंदर्यीकरण, तेंदुआ पट्टी फरसातार मौजा होलपुर में हनुमान मंदिर परिसर का पर्यटन विकास, बसंतपुर गांव में उदासीन मठ का विकास, आजमगढ़ के महाराजगंज में भैरो बाबा स्थल का पर्यटन विकास और फूलपुर पवई में दुर्वासा ऋषि आश्रम का विकास किया जाना प्रस्तावित है।
मऊ के श्री वीरा बाबा ब्रह्म स्थान का पर्यटन विकास, आजमगढ़ के मिश्रापुर में राम जानकी मंदिर का विकास, कन्नौज के सदर में फूलमती देवी मंदिर का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। आजमगढ़ के धन्नीपुर, सिंगपुर और बांसगांव में स्वर्गीय संत परमहंस बाबा के स्थल का भी पर्यटन विकास इस योजना में शामिल है। सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अयोध्या, काशी, और मथुरा के साथ-साथ राज्य के अन्य प्राचीन मंदिरों और तीर्थ स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर लाने के लिए सरकार ने कई योजनाएं लागू की हैं।

यूपी में उफान पर गंगा-यमुना, प्रशासन अलर्ट

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज, मऊ, अयोध्या, बहराइच सहित अन्य जिलों में गंगा-यमुना नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिसको लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। पहाड़ी क्षेत्र के साथ ही मैदानी क्षेत्र में हो रही बारिश का असर दोनों नदियों में देखने को मिल रहा है। पिछले 24 घंटे में गंगा यमुना नदी के जलस्तर में लगभग आधा मीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। करीब एक सप्ताह से लगातार दोनों नदियों के जलस्तर में वृद्धि दर्ज की जा रही है।
संगम क्षेत्र के संगम नोज को गंगा यमुना नदी के बढ़ते पानी ने घेर लिया है। अब दोनों नदियों का बढ़ता जलस्तर धीरे-धीरे कछार क्षेत्र को घेर रहा है। यमुना का बढ़ता जल स्तर अरैल की तरफ घाट के ऊपर बने बैठकों सीढ़ियों तक पानी पहुंच चुका है। दारागंज में नागवासुकी क्षेत्र ,सेल्फी प्वाइंट भी डूब चुका है। महाकुंभ 2025 में संगम नोज पर बने स्नान घाट डूब चुके हैं। लेकिन अभी बालू क्षेत्र का करीब आधा मैदान अभी सुरक्षित है। स्नान घाट के छोटे दुकानदार,

घाटिया, कर्मकांडी तीर्थ उपरोहितों संगम क्षेत्र से अपने सामानों को समेट कर सुरक्षित स्थान की ओर लगातार पलायन कर रहे हैं। लेकिन अभी किसी भी तरह के खतरे की बात नहीं है। क्योंकि दोनों नदियों का जलस्तर अभी खतरे के निशान 84.734 मीटर से लगभग 7 से 8 मीटर नीचे है। प्रशासनिक आंकड़े के अनुसार रविवार को सुबह 8 बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 77.81 सेंटीमीटर छतनाग में 75.38 सेंटीमीटर दर्ज किया गया है। वहीं यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 75.87 सेमी दर्ज हुआ है। पिछले 24 घंटे में फाफामऊ में गंगा नदी के जलस्तर में 43 सेंटीमीटर और छतनाग में 35 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। यमुना नदी कभी जल स्तर बढ़ रहा है, जिसमें 37 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है।

अखिलेश के बयानों से सपा समाप्तवादी पार्टी बनने की ओर अग्रसर : केशव

कांवड़ यात्रा लोगों की आस्था का सागर

महानगर संवाददाता
मेरठ

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी पूरी तरह से सफा हो जाएगी। सपा मुद्दा विहीन पार्टी है। मौर्य रविवार को मेरठ एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे।
अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा कि वे सत्ता वियोग में बिन पानी मछली की तरह तड़प रहे हैं। कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री पर अखिलेश यादव की टिप्पणी पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे बयान किसी राजनीतिक नेता को देने की ज़रुरत नहीं है। कथा कहने वाले को कौन यजमान क्या दक्षिणा दे रहा है, ये तय करना किसी राजेनता का काम नहीं है। ऐसे बयानों से सपा समाप्तवादी पार्टी बनने की ओर अग्रसर है। 2027 में सपा पूरी तरह से साफ हो जाएगी। कांवड़ यात्रा पर कहा कि लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का कोई प्रयास ना करे। कांवड़ यात्रा में आस्था का सागर उमड़ता है। सपा समेत विपक्षी दलों के पास फिलहाल कोई मुद्दा नहीं है। यही कारण है कि वह कांवड़ यात्रा को लेकर घटिया बयान बाजी कर रहे हैं। कांवड़ यात्रा लोगों की आस्था का सागर है। इस पर बयानबाजी से अखिलेश यादव बाज आएं। 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में सपा ने दुष्प्रचार करके कुछ सीटें हासिल कर ली थी, लेकिन अब जनता समझ गई है।
2027 में उप्र में सपा का कथित पीडीए पीडीए (पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक) फ्लाप साबित होगा। अखिलेश यादव का सरकार बनाने का सपना चकनाचूर हो जाएगा। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह की माता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद मेरठ सर्किट हाउस में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सुशासन, विकास, सभी की सुरक्षा के मुद्दे पर 2027 का चुनाव लड़ेगी। इस चुनाव में हम 2017 के परिणाम को दोहराएंगे। देशभर में भाजपा को जनसमर्थन लगातार बढ़ रहा है।

होमगार्ड ने डीएम और एसएसपी के काफिले को रोका, होगा सम्मान

मथुरा। जिले में डीएम और एसएसपी के काफिले को होमगार्ड ने रोक दिया। आगे नहीं जाने दिया। मजबूरन अधिकारियों को अपना रास्ता बदलना पड़ा। अधिकारी होमगार्ड की कार्यशैली से इस कदर खुश हुए कि उसे सम्मानित करने का निर्णय लिया। पूरा वाकया मथुरा का है, जहां मुड़िया मेला आयोजित है। इसको लेकर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी व्यवस्थाओं का दुरुस्त करने में जुटे हुए हैं। 11 जुलाई तक चलने वाले इस मेला में रोज बड़ी संख्या में श्रद्धालु गिरिराज जी की परिक्रमा देने आ रहे हैं। शनिवार शाम जिलाधिकारी सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार अधीनस्थों के साथ ई-रिक्शा में सवार होकर गोवर्धन परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण करने के निकले। अधिकारियों का काफिला जैसे ही राधाकुंड से गोवर्धन की ओर आगे बढ़ा, तभी रास्ते में बागड़ी प्याऊ तिराहे पर बैरियर मिल गया। बैरियर पर तैनात होमगार्ड महेंद्र सिंह ने काफिले को रोक दिया। अधिकारियों ने अपना परिचय दिया, लेकिन होमगार्ड ने नियमों का हवाला देते हुए आगे नहीं जाने दिया। होमगार्ड ने अधिकारियों को बताया कि परिक्रमा मार्ग में ई-रिक्शा पूर्णतया प्रतिबंधित है। होमगार्ड की कार्यशैली से खुश होकर अधिकारियों ने उसकी पीठ थपथपाई। एसएसपी ने होमगार्ड को सम्मानित करने की बात कही।

कांवडियों के लिये कॉरिडोर की जगह अब क्यूआर कोड की बात कर रहे

अखिलेश ने भाजपा पर साधा निशाना

महानगर संवाददाता
लखनऊ

राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधा। इस दौरान सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा को कांवड़ियों के मुद्दे से लेकर प्रदेश अध्यक्ष न चुनने के मुद्दे तक पर घेरा। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने यूपी में अभी तक प्रदेश अध्यक्ष का ऐलान क्यों नहीं किया है। यूपी में बीजेपी पीडीए के असर के कारण अपना प्रदेश अध्यक्ष नहीं चुन पा रही है।

इसके साथ ही सपा चीफ अखिलेश यादव ने कहा संगठन के बदलने से जनता की नाराजगी नहीं खत्म होगी। PDA की जो धमक है उसी का परिणाम है कि अभी भी चिंता कर रहे हैं कि उत्तर प्रदेश का उनका अध्यक्ष कौन बनेगा। उन्होंने कहा कि यूपी में ओसीएम और डिप्टी सीएम भी बदलने पर भी बीजेपी विचार कर रही है। पुराने सरकार के कैबिनेट के फैसले बदले जा रहे हैं और दूसरी सरकार आएगी तो कैबिनेट के फैसले बदलेगी। गांव में जनता को सुविधा नहीं मिल रही है, बीजेपी के संगठन बदलने से कुछ नहीं होने वाला है। वहीं सपा चीफ ने कहा कि बीजेपी वालों ने कांवडियों के लिये कॉरिडोर नहीं बनाया तो बार कोड, क्यूआर कोड बनाने की बात करते हैं। बार कोड, क्यूआर कोड का इस्तेमाल करना होता है, बीजेपी तकनीकी से डरती है। 9 साल में बीजेपी वालों ने कांवडियों के लिये अच्छा कॉरिडोर नहीं बनाया।
पूर्व सीएम ने कहा कि चुनाव आयोग को बीजेपी के इशारे पर काम नहीं करना चाहिए। बिहार का फैसला चुनाव आयोग ने बीजेपी के इशारे पर लिया, जब चुनाव सामने है तो कौन अपना जन्म प्रमाण पत्र ढूंढेगा। 1 महीने में 8 करोड़ मतदाताओं की नई वोटर लिस्ट बनाना ये कितनी बड़ी चीज है। ये चीज 1 साल पहले क्यों नहीं की गई। आज ही क्यों की जा रही है जब चुनाव पास आ गया है तो इसमें कही न कही सोची समझी रणनीति है।

बरेली में माहौल खराब करने की कोशिश, व्यापारियों का हंगामा

बरेली। यूपी के बरेली में माहौल खराब करने की कोशिश की गई। फतेहपुर में बहुसंख्यक आबादी के बीच ताजिया रखने के दौरान पड़ोस की दुकान का चबूतरा क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इसको लेकर वहां रहने वाले व्यापारियों ने हंगामा कर दिया। पुलिस ने विवाद शांत करने को अपनी ओर से मुकदमा भी दर्ज किया लेकिन व्यापारी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर धरने पर बैठ गए। उन्होंने गिरफ्तारी न होने तक ताजिया न निकलने देने की बात कही है। फरीदपुर के मोहल्ला साहूकारा में बहुसंख्यक आबादी के बीच ताजिया रखने की कई वर्ष पुरानी परंपरा है।

मगर शनिवार रात करीब साढ़े तीन बजे यहां ताजिया रखने के दौरान मुस्लिम पक्ष के लोगों ने पड़ोस के व्यापारी दीपक अग्रवाल का चबूतरा हथौड़े से क्षतिग्रस्त कर दिया। आरोप है कि उनकी दुकान के शटर को भी तोड़ने की कोशिश की गई। व्यापारियों ने चबूतरा टूटा देखा तो वे लोग आक्रोशित होकर विरोध प्रदर्शन करने लगे।

एयरपोर्ट के विस्तार में दो परिषदीय विद्यालय किये गए बंद

ग्रामीणों ने नाराजगी जताकर किया विरोध

महानगर संवाददाता
अयोध्या

महर्षि वालमीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की जद में दो परिषदीय विद्यालय भी आ गए हैं। इन विद्यालयों को बंद करने का बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। कम्पोजिट विद्यालय गंजा को भी बंद कर दिया गया है। इस विद्यालय में लगभग 200 बच्चों की भविष्य दांव पर लग गया है। शनिवार को जब प्रधानाध्यापिका द्वारा विभागीय आदेश पर विद्यालय भवन को खाली करने के लिए सामान हटाने का प्रयास किया जाने लगा तो ग्रामीण विद्यालय पहुंच गए

और विद्यालय से सामान हटाने का विरोध करने लगे। ग्रामीणों का कहना है कि अयोध्या जिला प्रशासन की घोर लापरवाही के कारण बच्चों का भविष्य अंधकार में है। गांव वाले कई वर्षों से मांग कर रहे हैं कि गांव में ही दूसरे स्कूल का निर्माण कराया जाए तभी इस स्कूल को एयरपोर्ट अथॉरिटी तोड़े। लेकिन जिला प्रशासन ने स्कूल में ताला बंद करवा दिया। स्कूल की प्रधानाचार्य सामान निकलवाने के लिए आई तो गांव वालों ने विरोध किया। ग्रामीणों के विरोध को देखते हुए प्रधानाध्यापिका का कहना है कि हमे विभाग से आदेश मिला है कि आप सामान हटा लीजिये। एयरपोर्ट प्रशासन का कहना है कि 10 दिन में स्कूल खाली कर दीजिए। वहीं ग्रामीणों ने कहा कि हम सामान नहीं हटने देंगे। ग्रामीणों ने कहा कि अभी तक विभाग क्यों सो रहा था। जब तक नया विद्यालय इसी गांव में नहीं बनाकर देंगे हम इसे खाली नहीं होने देंगे। जिन बच्चों को यहां से हटाया गया है उन्हें पांच से कि.मी.दूर भेजा गया है। बच्चों की सुरक्षा का कौन जिम्मेदार होगा।

जबरन संबंध बनाना चाहता था प्रेमी, गर्लफ्रेंड ने किया कत्ल

बुलंदशहर। जिले के जहांगीराबाद इलाके में कुछ दिन पहले झाड़ियों में एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। शुरुआती तौर पर यह मामला गुमशुदगी का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो सच्चाई सामने आकर सबको चौंका गई। पुलिस के मुताबिक, शव की पहचान गाजियाबाद के डासना के रहने वाले अब्दुल वाहिद के रूप में हुई। जांच पड़ताल में पता चला कि वाहिद के गाजियाबाद में रहने वाली एक महिला प्रियंका से अवैध संबंध थे। प्रेमिका अब इन संबंधों को खत्म करना चाहती थी लेकिन प्रेमी लगातार दबाव बना रहा था। इसी से आजिज होकर प्रेमिका ने पति के साथ मिलकर पेमी को मौत के घाट उतार दिया।
गाजियाबाद के वेव सिटी की सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) प्रिया श्री पाल ने आरोपियों से की गयी पूछताछ के बाद मिले सुराग के हवाले से बताया कि प्रियंका का वाहिद के साथ पहले अवैध संबंध था, लेकिन अब वह इसे रखना नहीं चाहती थी, फिर भी वाहिद जबरदस्ती पर आमादा था। इसी वजह से लोहे की पाइप से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी गई। वहीं, इस मामले में अब्दुल वाहिद के बेटे हामिद अली ने 25 जून को गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

सपा नेता गुलशन यादव पर 50 हजार का इनाम

महानगर संवाददाता
प्रतापगढ़

समाजवादी पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष गुलशन यादव पर 50 हजार का इनाम घोषित किया गया है। गुलशन यादव के खिलाफ कई गम्भीर धाराओं में 53 मुकदमें दर्ज हैं। कुर्की की कार्रवाई के बाद भी वह पुलिस के हांथ नहीं आया है। अब प्रयागराज के आईजी ने 50 हजार का इनाम घोषित किया है। गुलशन यादव का भाई सपा का जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव पहले से ही जेल में बंद है, कभी राजा भइया के दोनों भाई हमराज थे।
सपा नेता गुलशन यादव पर पुलिस ने एक बार फिर इनाम की राशि को बढ़ा दिया है, पहले गुलशन पर 25

हजार का इनाम था जिसे आईजी प्रयागराज ने बढ़ा कर 50 हजार कर दिया है। बताया जा रहा है कि गुलशन यादव द्वारा कुर्कशुदा बाग का आम बेचने के आरोप में पुलिस तलाश कर रही है। इससे पहले कुंडा और लखनऊ की प्रॉपर्टी को कुर्क किया जा चुका है. गुलशन पर हत्या, लूट, रंगदारी, गैंगस्टर जैसे 53 मुकदमे दर्ज है। गुलशन यादव की 7 करोड़ की संपत्ति कुर्क की गई है।

कभी राजा भैया के थे खास

बताते चलें कि गुलशन का भाई छविनाथ यादव जो सपा का जिलाध्यक्ष है उसके विद्यालय को भी कुर्क किया जा चुका है जो अब भी जेल में बंद है। गुलशन यादव और छविनाथ यादव कभी कुंडा विधायक राजा भैया के खासम खास हुआ करते थे लेकिन राजनीतिक प्रतिद्वंदिता इस कदर बढ़ी की सीधे राजा भइया को विधानसभा में चुनौती दे डाली। सपा मुखिया अखिलेश यादव भी कुंडा में कुंडी लगाने की अपील कुंडा की जनता से कर डाली। गुलशन और उनकी पत्नी कुंडा टाउन एरिया के चेयरमैन रह चुके हैं।

महिला से 18 लाख की ठगी

वाराणसी। कोतवाली थाना क्षेत्र की महिला को तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 81 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में पुलिस ने 18 लाख रुपये अलग-अलग खातों में होल्ड करा दिए हैं। डीसीपी क्राइम सरवणन टी. ने बताया कि आरोपियों की पहचान के लिए टीमें लगाई गई हैं। बता दें कि साइबर ठगों ने कोतवाली थाना क्षेत्र गोविन्दजी नायक लेन निवासी अनुज कुमार गोठी की पत्नी मीतू गोठी को तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 81 लाख रुपये ठग लिए। पति-पत्नी ने किडनी ट्रांसप्लांट कराया है। इलाज के लिए अपनी पैतृक संपत्ति बेची थी।

डिजिटल अश्लीलता पर हाई कोर्ट सख्त

महानगर संवाददाता
प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आरोपी की जमानत खारिज करते हुए डिजिटल मीडिया के अपराधीकरण पर चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बढ़ते साइबर अपराधों और उनके सामाजिक प्रभाव को गंभीर और चिंताजनक करार दिया है। कोर्ट ने कहा कि डिजिटल तकनीक अब अपराध का नया चेहरा बन चुकी है, और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही अश्लील तस्वीरें और वीडियो किसी की भी जिंदगी तबाह कर सकते हैं।
न्यायमूर्ति अजय भनोट ने यह टिप्पणी उस समय की जब उन्होंने वाट्सएप पर एक महिला की अश्लील तस्वीरें प्रसारित करने के

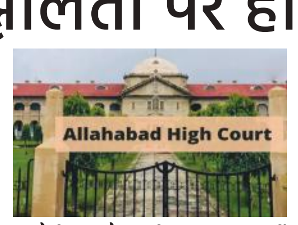

आरोपी रामदेव की जमानत अर्जी खारिज की। आरोपी के खिलाफ प्रयागराज के उतरांव थाना में BNS की धाराएं 74, 352, 351(2), 64(1) और आईटी एक्ट की धारा 67A के तहत मामला दर्ज है. रामदेव को 9 जनवरी 2025 को गिरफ्तार किया गया था और तब से वह न्यायिक हिरासत में है। उसकी जमानत याचिका को 23 अप्रैल को ट्रायल कोर्ट पहले ही खारिज कर चुका था।
कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आरोपी के कब्जे से कुछ तस्वीरें बरामद हुई हैं, जिनकी फोरेंसिक जांच अभी लंबित है। पीठ ने कहा कि इन परिस्थितियों में आरोपी की संभावित संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता, इसलिए जमानत नहीं दी जा सकती. इसके साथ ही कोर्ट को निर्देश भी दिए, जिसमें जिला जज को कहा गया कि वे हर हफ्ते मुकदमे की प्रगति रिपोर्ट लें। यह पहली बार नहीं है जब न्यायमूर्ति अजय भनोट ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर सख्त रुख अपनाया हो. इससे पहले 2023 में भी उन्होंने कहा था कि इंटरनेट पर अश्लील कंटेंट का प्रसार समाज के लिए अपमानजनक और विध्वंसक है. उन्होंने यूपी पुलिस को भी आगाह किया था कि ऐसे मामलों की जांच बेहद कमजोर होती है।

रायबरेली भूमि विवाद में खूनी संघर्ष, महिला की हत्या

महानगर संवाददाता
रायबरेली

चंदापुर के लामी चौराहे के पास मनबढ़ों ने एक परिवारजन पर हमला कर दिया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी डंडे चलने लगे। घटना में मनबढ़ों की पिटाई से एक महिला की मौत हो गई, जबकि दोनों पक्षों के अन्य चार लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर होने के चलते उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक लामी मजरे ज्योना चौराहे पर होशिला प्रसाद पाल व रवींद्र यादव की अगल-बगल भूमि है। इसी भूमि के कुछ हिस्से को लेकर दोनों पक्षों के

घायलों में चार की हालत नाजुक

बीच करीब पांच साल से विवाद चल रहा है, जिसको लेकर आए दिन दोनों पक्षों के बीच झड़प होती रहती है। रविंद्र के परिवारजन का कहना है कि करीब छह महीने पहले रवींद्र ने इस भूमि पर निर्माण शुरू कराया। आरोप है कि हौसिला जबरन निर्माण को रोक रहे है। इसी को लेकर शनिवार की देर रात भी आरोपितों ने मारपीट की थी, जिसमें रवींद्र घायल हो गए। उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। रविवार को रवींद्र के भाई राजेंद्र, सुरेंद्र, रामू अपने साथियों के साथ निर्माणाधीन मकान की छत डालने की तैयारी कर रहे थे। जिसमें छत की शटरिंग भी लग गई। परिवारजन का आरोप है कि इसी बीच हौसिला की ओर से जनई निवासी शैलेंद्र सिंह, अभिषेक सिंह समेत 20 से 25 मनबढ़ वहां पहुंचे और काम बंद करने के लिए कहा। विरोध करने पर मनबढ़ों ने गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इस पर दोनों पक्षों में जमकर लाठी चली। घटना में रवींद्र की बहन सुनीता, भाई राजेंद्र, रामू व दूसरे पक्ष से शैलेंद्र, अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी पहुंचाया, जहां हालत नाजुक होने के चलते सुनीता, शैलेंद्र व अभिषेक को जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही सुनीता की मौत हो गई।

गंगा स्नान को आए चार किशोर डूबे, तीन को बचाया, एक लापता

बदायूं। जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के महादेव नगर से रविवार को एक परिवार कछला गंगा घाट पर स्नान करने पहुंचा था। इस दौरान गंगा में स्नान करते समय चार किशोर डूबने लगे। मौके पर मौजूद गोताखोरों और दुकानदारों की मदद से तीन को सकुशल बचा लिया गया, जबकि एक किशोर समर 10 वर्ष पुत्र जितेंद्र कुमार गंगा में लापता हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और पीएसी की टीम ने किशोर की तलाश शुरू कर दी है। घटना उझानी कोतवाली क्षेत्र के फैसला गंगा घाट की है।
जानकारी के अनुसार, गंगा स्नान कर रहे किशोरों में समर पुत्र जितेंद्र कुमार, संजीव पुत्र जयंती, प्रियांशु पुत्र गिरीश और वंश पुत्र पवन

शामिल थे। अचानक गहराई में चले जाने से सभी डूबने लगे। शोर मचने पर मौजूद लोगों ने तीन किशोरों को तो बचा लिया, लेकिन समर का कुछ पता नहीं चला। समर की तलाश में पुलिस और पीएसी की गोताखोर टीम जुटी हुई है। गंगा का जलस्तर बढ़ा होने और तेज बहाव की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में परेशानी आ रही है। लापता किशोर के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस का कहना है कि हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

महाकुंभ : चार महीने बाद भी रास्तों से नहीं हटी डायवर्जन की दीवार

महानगर संवाददाता
प्रयागराज

महाकुंभ मेला के दौरान यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए जहां कई नई सड़कें बनाई गईं, वहीं कई मार्गों को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया गया था। न्यू अलोपीबाग की एक सड़क को भी आरसीसी के बड़े-बड़े बोल्डर लगाकर बंद किया गया। अब मेला बीते चार माह से ज्यादा समय हो गया, लेकिन बैरिकेडिंग हटाकर सड़क अभी तक नहीं खोली गई। इससे सैकड़ों लोगों को दूसरे रास्तों से आना-जाना पड़ता है। कई दशक से इस सड़क से आवागमन कर रहे लोग रास्ता बंद होने से परेशान हैं।
प्रशासन की इस लापरवाही से परेशान लोगों का कहना था कि लगातार शिकायत के बाद जिम्मेदार नहीं सुन

रहे हैं। महाकुम्भ मेला के दौरान भारी यातायात दबाव के चलते न्यू अलोपीबाग में पेट्रोल टंकी के बगल वाली सड़क को आरसीसी के बोल्डर लगाकर बंद कर दिया गया था। उस दौरान भीड़ को देखते हुए कई मार्ग बंद कर दिए गए थे, जो मेला समाप्त होने के बाद खोल दिए गए, लेकिन न्यू अलोपीबाग की सड़क पर की गई बैरिकेडिंग को हटाना प्रशासन भूल गया। यहां के बाशिंदों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। लोगों को फोर्ड रोड चौराहा या गीता निकेतन की ओर से घूम कर आना-जाना पड़ रहा है। यह रास्ता बंद कर दिए जाने से फोर्ड रोड चौराहा सहित कई जगह जाम लगने लगा है। करीब छह दशक पूर्व बसे न्यू अलोपीबाग में तमाम जनप्रतिनिधि, व्यवसायी, शिक्षाविद और प्रशासनिक अधिकारी भी रह रहे हैं। पेट्रोल टंकी के बगल वाली सड़क से होकर लोग सीधे मुख्य मार्ग पर आ जाते थे। लेकिन लगभग पांच माह से पेट्रोल टंकी के बगल की सड़क बंद होने से लोग परेशान हैं।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी दर्ज कराई शिकायत

स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत नगर निगम के उच्चाधिकारियों सहित महापौर से भी की। मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन समस्या का निदान नहीं हो पाया है। इससे लोगों में काफी नाराजगी है। जल निकासी की व्यवस्था ध्वस्त, सड़कों पर जलभराव यहां जल निकासी की समस्या से भी लोग लम्बे समय से परेशान हैं, लेकिन समस्या का स्थायी निदान नहीं हो सका है। यहां जल निकासी के लिए नालियों नहीं बनी हैं।

तिहाड़ से बाहर आया सीरियल किलर सोहराब फरार

लखनऊ। तिहाड़ जेल में सजा काट रहा सीरियल किलर सोहराब फरार हो गया है। सोहराब तीन दिनों की पैरोल पर जेल से बाहर आया था, लेकिन वापस जेल नहीं लौटा। जेल प्रशासन लखनऊ पुलिस के साथ मिलकर सोहराब को ढूंढ रही है।
मिली जानकारी के अनुसार, सोहराब को तीन दिन के लिए पैरोल पर तिहाड़ से बाहर निकाला गया था। लखनऊ में पत्नी से मुलाकात के बाद सोहराब को दिल्ली की तिहाड़ जेल पहुंचना था, लेकिन वो नहीं पहुंचा। इससे जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और उसकी तलाश शुरू कर दी गई। जेल प्रशासन ने लखनऊ पुलिस से संपर्क किया और

सोहराब को बरामद करने का प्रयास तेज कर दिया है। सोहराब एक खतरनाक अपराधी और सीरियल किलर है। उसने कई हत्याओं को अंजाम दिया है। सोहराब ने समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान लखनऊ के सआदतगंज में पूर्व सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के नाती की भी हत्या करवा दी थी। इस दौरान वो जेल में बंद था, लेकिन हत्या के लिए पूरा प्लान करने के बाद अंजाम दे दिया था।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल विमानों पर चीन ने फैलाई अफवाह

फ्रांस ने खोली चीन की पोल

महानगर नेटवर्क
पेरिस

ऑपरेशन सिंदूर के समय पाकिस्तान ने भारत के राफेल समेत छह विमानों को गिराए जाने का दावा किया, जिसे भारतीय सेना ने सिरे से खारिज कर दिया। इसके बाद कई देशों में राफेल विमानों को लेकर सवाल खड़े होने लगे। अब फ्रांस की ओर से पूरा सच सामने आ गया है। दरअसल, फ्रांस के सैन्य और खुफिया अधिकारियों ने खुलासा किया है कि चीन ने बिक्री को कमजोर करने और फ्रांसीसी प्रमुख लड़ाकू विमान की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए अपने दूतावासों का इस्तेमाल किया।

चीनी विदेशी दूतावासों में रक्षा अताशे राफेल की बिक्री को कमजोर करने के अभियान का नेतृत्व कर रहे थे, जिसका उद्देश्य देशों को फ्रांसीसी लड़ाकू विमान न खरीदने और इसके बजाय चीनी निर्मित जेट विमानों को चुनने के लिए राजी करना था। यह जानकारी न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ने फ्रांसीसी खुफिया सेवा के निष्कर्षों का हवाला देते हुए दी है। फ्रांस अब अपने राफेल फाइटर जेट के खिलाफ अफवाह फैलाए जाने के अभियान से लड़ रहा है।

राफेल जेट और अन्य भारी हथियारों की बिक्री फ्रांस के रक्षा उद्योग के लिए बड़ा कारोबार लाती है, जिससे सरकार को भारत और एशिया के अन्य देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों में मदद मिलती है। वहीं, चीन खुद को प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। फ्रांसीसी अधिकारियों ने कथित तौर पर कहा है कि मई में लड़ाई के दौरान पाकिस्तान द्वारा तीन राफेल सहित पांच भारतीय विमानों को मार गिराने का दावा करने के बाद अन्य देशों ने राफेल के प्रदर्शन पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। राफेल के बारे में पाकिस्तान के दावे की भारत द्वारा पुष्टि नहीं की गई है।

एयर मार्शल एके भारती ने ऑपरेशन सिंदूर पर एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान राफेल जेट विमानों के मार गिराए जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि नुकसान किसी भी युद्ध परिदृश्य का हिस्सा है। इसके अलावा, दावों की पुष्टि या खंडन किए बिना भारतीय नौसेना के अधिकारी कैप्टन शिव कुमार ने पिछले महीने कहा था कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान के शुरुआती दिन शुरुआती प्रतिबंधों के कारण कुछ लड़ाकू विमान खो दिए थे। हालांकि, वह इस दावे से सहमत नहीं थे कि देश ने पांच लड़ाकू विमान खो दिए। राफेल जेट बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने हाल ही में पाक के दावे को खारिज करते हुए इसे गलत बताया। उन्होंने इस्लामाबाद के इस दावे का खंडन किया कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिवसीय संघर्ष के दौरान तीन राफेल जेट विमानों को मार गिराया गया था।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य का बड़ा दावा

'बिहार हिंदुओं को सत्ता नहीं सौंपेगा'

पटना। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित सनातन महाकुंभ में जगद्गुरु रामभद्राचार्य शामिल होने के लिए पहुंचे। पटना दौरे पर पहुंचे जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने धार्मिक और राजनीतिक मुद्दों सहित कई विषयों पर बेबाकी से अपनी प्रतिक्रिया दी है। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा, "सनातन धर्म को जो काटना चाहेगा, खुद कट जाएगा।" इसके अलावा उन्होंने बिहार चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। जगद्गुरु ने कहा कि बिहार हिंदुओं को सत्ता नहीं सौंपेगा, सत्ता उसी को मिलेगी जो हिंदुत्व के लिए संघर्ष करेगा। अगला चुनाव निर्णायक होगा।"

रामभद्राचार्य ने कहा कि सीता जी का मंदिर तो हम बनावाएंगे ही, साथ ही हम सीता जी को बिहार की राज्य देवी का भी दर्जा दिलाएंगे। एक पूर्व के शिक्षा मंत्री थे, उन्होंने राम चरित मानस की निंदा की थी। जिस पर मैंने कहा था कि जिसकी मां ने ईमानदारी दूध पिलाया हो, वो रामचरित मानस के किसी भी पक्ष पर चर्चा कर ले। यदि रामचरित मानस राष्ट्रविरोधी हो तो मैं अपना पक्ष वापस ले लूंगा। यदि आप मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं दे पाएंगे तो आपको भी गंगा में समाधि लेनी पड़ेगी।

राम विरोधियों का करेंगे दमन- रामभद्राचार्य

जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि अगले निर्वाचन के पश्चात मैं इसी गांधी मैदान में नौ दिन की कथा कहने के लिए आऊंगा। उन्होंने आगे कहा कि राम विरोधियों का दमन करेंगे। साथ ही कहा कि कान खोलकर सुन लो जो लोग शरिया कानून हटाना चाहते हैं यहां संभव नहीं है। वक्फ बोर्ड अब नहीं हटेगा।

अयोध्या: राम मंदिर में होगा ध्वजारोहण समारोह

पीएम मोदी सहित हजारों विशेष मेहमान होंगे शामिल

महानगर नेटवर्क
अयोध्या

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक गूंज अभी भी जनमानस में ताजा है। राम मंदिर ट्रस्ट अब एक और भव्य अध्याय जोड़ने जा रहा है। नवंबर में प्रस्तावित ध्वजारोहण समारोह को लेकर तैयारियों ने गति पकड़ ली है। इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन एक बार फिर अयोध्या को भक्तिभाव, वैदिक अनुष्ठानों और विश्व भर से जुटने वाले श्रद्धालुओं से सराबोर कर देगा। ध्वजारोहण समारोह को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तर्ज पर ही भव्यता प्रदान की जाएगी। मंदिर ट्रस्ट की ओर से मेहमानों की सूची तैयार की जा रही है, जिनमें देश-विदेश के संत, धर्माचार्य, प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथि और रामभक्त शामिल रहेंगे। अनुमान है कि हजारों की संख्या में अतिथि इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे। अयोध्या में मेहमानों की आगवानी के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। ट्रस्ट और प्रशासनिक तंत्र ने कमरे बुक करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रमुख होटल,

धर्मशालाएं और गेस्ट हाउसों में आवास की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को भी चाक-चौबंद किया जा रहा है। नवंबर में समारोह के लिए शुभ मुहूर्त भी ज्योतिषियों से निकलवाया जा रहा है। 16 नवंबर व 25 नवंबर दो शुभ तिथियों में से किसी एक तिथि के चयन पर विमर्श हो रहा है।

161 फीट ऊंचे शिखर पर होगा ध्वजारोहण

राम मंदिर के 161 फीट ऊंचे शिखर पर रामध्वज फहराया जाएगा। इसके अलावा परिसर के अन्य सभी मंदिरों के शिखर पर ध्वज फहराया जाएगा। रामध्वज का आरोहण केवल एक प्रतीकात्मक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की विजय और धर्म की प्रतिष्ठा का उद्घोष होगा।

विज्ञापन से पैदा हुए भ्रम पर चुनाव आयोग की सफाई

'वोटर लिस्ट अपडेशन को लेकर SIR प्रोसेस में कोई बदलाव नहीं'

पटना। बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण को लेकर उठे विवाद के बीच चुनाव आयोग ने रविवार को स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है और यह प्रक्रिया जमीन स्तर पर सुचारू रूप से लागू हो रही है।

इलेक्शन कमीशन ने 24 जून 2025 को बिहार में वोटर लिस्ट के अपडेशन की शुरुआत के निर्देश दिए थे, जिसका उद्देश्य वोटर लिस्ट से अपात्र नामों को हटाना और सिर्फ योग्य नागरिकों को सूची में बनाए रखना है। चुनाव आयोग के अनुसार मतदाताओं को 25 जुलाई 2025 तक अपने दस्तावेज़ जमा कराने होंगे, लेकिन जो लोग इस तारीख तक दस्तावेज़ नहीं दे पाएंगे, उन्हें दावे और आपत्तियों की अवधि के दौरान भी अवसर मिलेगा।

चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि कुछ लोग बिना SIR के निर्देशों को पढ़े भ्रामक बयान देकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, और लोगों से ऐसे बयानों से सावधान रहने की अपील की है। चुनाव आयोग का स्पष्टीकरण तब आया जब सोशल मीडिया पर एक अखबार में छपे विज्ञापन को लेकर भ्रम फैल गया, जिसमें कहा गया था कि 'अब केवल फॉर्म भरना है, दस्तावेज़ जमा करने की आवश्यकता नहीं है'। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया दलितों और वंचितों के वोटिंग अधिकार छीनने की बीजेपी-RSS की साज़िश है। वहीं, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि यह विज्ञापन चुनाव आयोग की अयोग्यता को दर्शाता है और शासक दल को अनैतिक मदद देने का संदेह पैदा करता है। इस मुद्दे पर बिहार में विपक्षी दलों ने नई दिल्ली और पटना में चुनाव आयोग से मुलाकात कर अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सवाल उठाया कि 2003 में पूरे देश में एकसाथ मतदाता सूची पुनरीक्षण हुआ था, लेकिन इस बार सिर्फ बिहार में ही क्यों किया जा रहा है? वहीं, बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने इस प्रक्रिया का बचाव करते हुए विपक्ष पर अपनी तय हार का बहाना ढूंढने का आरोप लगाया।

भारत-चीन निभा सकते हैं वैश्विक विकास में बड़ी भूमिका : सीतारमण

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठक के दौरान रूस, ब्राजील और चीन के अपने समकक्षों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं। यह जानकारी वित्त मंत्रालय ने अपने एक्स हैंडल पर साझा की है।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि रूसी वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव के साथ अपनी बैठक में सीतारमण ने भारत-रूस की दीर्घकालिक साझेदारी को दोहराया और पहलगाम में हालिया आतंकी हमले के बाद समर्थन देने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आभार जताया। उन्होंने विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी की मजबूती को रेखांकित किया। बैठक में वित्तीय सहयोग,न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) और ब्रिक्स के नए कदमों पर चर्चा हुई। उन्होंने 2024 में रूस की सफल ब्रिक्स अध्यक्षता की भी सराहना की और दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

वहीं, वित्त मंत्री सीतारमण ने ब्राजील के वित्त मंत्री फर्नांडो हद्दाद से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच वैश्विक दक्षिण की आवाज बुलंद करने, सीओपी30 से पहले जलवायु वित्त, यूएन, जी20, डब्ल्यूटीओ, ब्रिक्स और आईबीएसए जैसे वैश्विक मंचों पर एक साथ काम करने और सहयोग बढ़ाने पर बातचीत की। उन्होंने बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की दिशा में ब्राजील की कोशिशों की सराहना की और 2026 में भारत के ब्रिक्स अध्यक्ष बनने पर व्यावहारिक सहयोग का आश्वासन दिया।

चीनी वित्त मंत्री लैन के साथ की वार्ता

इस दौरान चीनी वित्त मंत्री लैन फोआन के साथ बैठक में सीतारमण ने सितंबर 2024 में समरकंद में एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक(एआईआईबी) बैठक के दौरान हुई पिछली मुलाकात को याद किया। उन्होंने कहा कि भारत और चीन, दुनिया की सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं और समावेशी वैश्विक विकास में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सांस्कृतिक संबंधों और आर्थिक प्रभाव को आधार बनाकर वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने और विकासशील देशों के हितों को प्रतिबिंबित करने वाले वैश्विक विमर्श गढ़ने की जरूरत बताई।

पाकिस्तान में कभी भी हो सकता है तख्तापलट

पद से हटाए जा सकते हैं राष्ट्रपति जरदारी

महानगर नेटवर्क
इस्लामाबाद

पाकिस्तान से बड़ी खबर सामने आ रही है। पाकिस्तानी मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक देश में जल्द ही तख्तापलट हो सकता है और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को उनके पद से हटाया जा सकता है। कल 5 जुलाई थी और 47 साल पहले पाकिस्तान में जिया उल हक ने इसी जुलाई के महीने में तख्तापलट किया था। ऐसे में कल से ही पाकिस्तान में तख्तापलट का नया डर फिर से शुरू हो गया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक राष्ट्रपति जरदारी को हटाया जा सकता है और इसकी तैयारी भी शुरू हो गई है। जानकारी के मुताबिक चीफ मार्शल आसिम मुनीर पाकिस्तान का नया राष्ट्रपति बन सकता है। हालांकि पाकिस्तान में तख्तापलट का विरोध शुरू हो गया है।

भुट्टो के बयान से मचा हंगामा

आसिम मुनीर के खिलाफ विरोध की शुरुआत बिलावल भुट्टो जरदारी ने की है। बिलावल ने कहा...हाफिज सईद और मसूद अजहर को भारत को सौंप देने में आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उनके इस बयान के बाद पाक में हंगामा शुरू हो गया है और हाफिज सईद का बेटा सफाई देने सामने आ गया। पाकिस्तान में जब से राष्ट्रपति को हटाने की खबर शुरू हुई है, पाकिस्तान के सियासी समीकरण बदलने लगे हैं।

दलाई लामा उत्तराधिकारी नहीं चुन सकते : चीनी राजदूत

नई दिल्ली। भारत में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने दलाई लामा के पुनर्जन्म और उत्तराधिकार वाले बयान पर प्रतिक्रिया दी है। फेइहोंग ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 14वें दलाई लामा ने कहा है कि दलाई लामा की परंपरा आगे भी जारी रहेगी। हालांकि तिब्बती बौद्ध धर्म जीवित बुद्ध के पुनर्जन्म की परंपरा 700 साल से चली रही है।

फेइहोंग ने कहा 14वें दलाई लामा इस ऐतिहासिक और धार्मिक परंपरा का हिस्सा हैं। दलाई लामाओं का पुनर्जन्म ना तो उनसे शुरू हुआ था, और ना ही उनके कारण खत्म होगा। परंपरा को जारी रखना है या खत्म करने का फैसला सिर्फ 14वें दलाई लामा के हाथ में नहीं है। वे अकेले यह तय नहीं कर सकते कि पुनर्जन्म की परंपरा चलेगी या नहीं। विवाद की शुरुआत 2 जुलाई को हिमाचल में दलाई लामा के बयान से हुई। यहां उन्होंने कहा था कि उनके उत्तराधिकारी को मान्यता देने का एकमात्र अधिकार तिब्बती बौद्ध गुरुओं को है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दलाई लामा के उत्तराधिकार पर कहा- भारत सरकार आस्था और धार्मिक प्रथाओं से जुड़े मामलों पर न तो कोई रुख अपनाती है और न बोलती है। आगे भी ऐसा करती रहेगी। हमने दलाई लामा के बयान से संबंधित रिपोर्ट्स देखी हैं।

कर्नाटक के धर्मस्थल मंदिर में महिलाओं से रेप-हत्या के आरोप

पूर्व सफाईकर्मी बोला- लाशें जलाने-दफनाने को मजबूर किया

महानगर नेटवर्क
बेंगलुरु

कर्नाटक के धर्मस्थल मंदिर के प्रशासन से जुड़े कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगे हैं। मंदिर में काम कर चुके एक दलित सफाईकर्मी ने दावा किया कि इन्होंने उसे कई महिलाओं और बच्चियों की लाशें जलाने और दफनाने के लिए मजबूर किया। इन महिलाओं के साथ बलात्कार कर हत्या की गई थी। पूर्व सफाईकर्मी ने कहा कि वह 1998 से 2014 के बीच मंदिर में काम करता था। उसने तस्वीरों और दफन किए गए अवशेषों के सबूत पुलिस को सौंपे हैं। उसने कहा-मैं अब आगे आ रहा हूं क्योंकि पछतावा और पीड़ितों को न्याय दिलाने की भावना मुझे चैन से जीने नहीं दे रही। मैं पुलिस को उन सभी स्थानों पर ले जाने को तैयार हूं जहां शव दफनाए गए थे।

इस खुलासे के बाद धर्मस्थल थाने में 3 जुलाई को मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक अरुण के. ने बताया कि गोपनीय रूप से अदालत की अनुमति के बाद शिकायत दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता ने अपनी और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। सफाईकर्मी बोला- सुपरवाइजर ने चुपचाप लाशों को निपटाने को कहा

सफाईकर्मी ने कहा कि 1998 में उसके सुपरवाइजर ने पहली बार कहा कि इन लाशों को चुपचाप निपटा दो। जब उसने इनकार किया तो उसे बेरहमी से पीटा गया और परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। उसके मुताबिक, 2010 में एक 12–15 साल की स्कूली लड़की की लाश उसे मिली जो स्कूल यूनिफॉर्म में थी, लेकिन स्कर्ट और अंडरगारमेंट गायब थे। शरीर पर बलात्कार और गला घोंटने के निशान थे। उसे स्कूल बैग के साथ दफनाने को कहा गया। एक अन्य मामले में एक 20 वर्षीय महिला की लाश का चेहरा तेजाब से जलाया गया था, उसे अखबार में लपेट कर जलवाया गया। सफाईकर्मी ने कहा कि 2014 में उसकी नाबालिग रिश्तेदार के साथ भी यौन उत्पीड़न हुआ, जिसके बाद वह परिवार समेत धर्मस्थल से भाग गया।

बिहार में मतदाता सूची संशोधन पर राजद सुप्रीम कोर्ट पहुंची

चुनाव आयोग के फैसले को दी चुनौती

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राज्य में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के चुनाव आयोग के निर्देश को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। राष्ट्रीय जनता दल की ओर से राज्यसभा सांसद मनोज झा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इस फैसले को चुनौती दी है।

मनोज झा ने चुनाव आयोग के उस निर्णय को अदालत में खारिज करने की मांग की है, जिसमें आयोग ने बिहार में विशेष सघन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया को तुरंत लागू करने का निर्देश दिया है। राजद का कहना है कि विधानसभा चुनाव के ठीक कुछ महीने पहले इस तरह की प्रक्रिया चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाती है।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में जल्द सुनवाई की संभावना है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि चुनाव आयोग के निर्देश को लेकर देश की सर्वोच्च अदालत क्या रुख अपनाती है और इसका असर बिहार चुनावी तैयारियों पर कितना पड़ता है। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मामला लगातार गर्माता जा रहा है। चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ अब तृणमूल कांग्रेस की नेता और सांसद महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। महुआ मोइत्रा ने भारत निर्वाचन आयोग के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। महुआ मोइत्रा ने अपनी याचिका में कहा कि वह निर्वाचन आयोग के 24 जून के उस आदेश को रद्द करने का अनुरोध करती हैं। जिसके तहत संविधान के विभिन्न प्रावधानों का कथित उल्लंघन करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जा रहा है।

अंतरिक्ष में शुभांशु शुक्ला कर रहे रिसर्च

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा के 10 दिन पूरे कर लिए हैं। वह आईएसएस पहुंचने वाले पहले भारतीय हैं और स्पेस यात्रा करने वाले राकेश शर्मा के बाद दूसरे इंडियन। आईएसएस में उन्होंने ऐसे प्रयोगों पर काम किया है जो भविष्य में चांद, मंगल या किसी अन्य ग्रह पर जीवन बसाने की दिशा में बेहद अहम साबित हो सकते हैं। इसमें मांसपेशियों के कमजोर होने से लेकर, अंतरिक्ष में बीजों के अंकुरण, माइक्रो एल्गी से ऑक्सीजन और भोजन बनाने की संभावनाएं शामिल हैं। शुभांशु शुक्ला ISS पहुंचने के ठीक 14 दिन बाद 10 जुलाई को धरती पर वापस लौटेंगे। शुक्ला का मिशन सिर्फ एक वैज्ञानिक प्रयोग नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को धरती से आगे ले जाने की तैयारी है। शुभांशु का स्पेस में सबसे अहम प्रयोग 'मायोजेनेसिस' पर केंद्रित था, जिसमें यह जांचा गया कि गुरुत्वाकर्षण के बिना शरीर की मांसपेशियां कैसे और क्यों जल्दी कमजोर हो जाती हैं। शुभांशु ने सेलुलर और आणविक स्तर पर डाटा दर्ज किया, जिससे भविष्य में स्पेस मिशनों के लिए बेहतर कसरत या दवाएं विकसित की जा सकेंगी।

IGI एयरपोर्ट से 750 करोड़ की ठगी करने वाला CA गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तराखंड STF ने अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह के मास्टरमाइंड अभिषेक अग्रवाल को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर एक बड़े रैकेट का खुलासा किया है। आरोपी पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट है और उसने चीनी नागरिकों के साथ मिलकर भारत में 750 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी को अंजाम दिया है।

पूछताछ में सामने आया है कि अभिषेक ने 35 से 40 शेल कंपनियां बनाई थीं, जिनमें 13 खुद के नाम पर और 28 पत्नी के नाम पर रजिस्टर्ड थीं। कई कंपनियों में चीनी नागरिक सह-निदेशक थे। इन कंपनियों के जरिए कई बैंक खातों में संदिग्ध ट्रांजैक्शन हुए हैं। अभिषेक अग्रवाल और उसके साथियों ने 2019-20 में चीनी नागरिकों के साथ मिलकर भारत में नकली लोन ऐप्स जैसे Inst Loan, KK Cash, RupeeGo, Lendkar आदि शुरू किए. इन ऐप्स के जरिए आम लोगों को त्वरित लोन का झांसा देकर ऐप डाउनलोड करवाया जाता था. इसके बाद उनके फोन का एक्सेस लेकर गैलरी, कॉन्टैक्ट्स और निजी डेटा चुरा लिया जाता था। गिरोह पीड़ितों को अश्लील फोटो मॉर्फ कर वायरल करने की धमकी देता था, जिससे डरकर लोग बार-बार पैसे भेजते थे।

लाल सागर में ब्रिटिश जहाज के ऊपर हमला

नई दिल्ली। लाल सागर में ब्रिटिश जहाज के ऊपर हमला, यमन के तट बनाया गया निशाना पश्चिम एशिया में संकट के बादल एक बार फिर घिरते दिखाई दे रहे हैं। रविवार को एपी की रिपोर्ट के मुताबिक लाल सागर में मौजूद एक ब्रिटिश जहाज पर यमन के तट से कुछ हथियार बंद लोगों ने रॉकेट्स और बंदूकों से हमला कर दिया। जहाज पर मौजूद एक सुरक्षा दल ने जवाबी कार्रवाई की और हमले का उचित जवाब दिया। यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशनंस सेंटर ने इस बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल यह संघर्ष जारी है। हालांकि अभी तक किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इसकी जांच जारी है।

मणिपुर में म्यांमार से आ रहे हथियार! सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

महानगर नेटवर्क
मणिपुर

मणिपुर में सुरक्षा एजेंसियों ने इंफाल घाटी स्थित उग्रवादी समूह (VBIG) के एक वरिष्ठ नेता की गिरफ्तारी के बाद म्यांमार से हथियार तस्करी गिरोह के खिलाफ जांच तेज कर दी है, क्योंकि इसका देशव्यापी प्रभाव होने की संभावना है। जांच मुख्य रूप से प्रतिबंधित संगठनों के कुछ सदस्यों की ओर से कथित तौर पर बंदूक के सहारे चलाए जा रहे अभियान पर केंद्रित है, जो म्यांमार से हथियार प्राप्त करते हैं और कथित तौर पर जाली दस्तावेजों और पंजीकृत बंदूक स्टोर की मदद से उन्हें पूरे भारत में वितरित करते हैं।

पुलिस ने चार को किया गिरफ्तार

इस मामले को मणिपुर पुलिस ने जून के अंतिम सप्ताह में उजागर किया था और परिणामस्वरूप चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था. गिरफ्तार आरोपियों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (UNLF-P) का स्वयंभू लेफ्टिनेंट कर्नल और परियोजना सचिव सिनम सोमेंद्रो मेइती उर्फ रिचर्ड भी शामिल था। रिचर्ड की गिरफ्तारी UNLF-P की शांति प्रक्रियाओं में मौजूदा भागीदारी के एक चिंताजनक पहलू को उजागर करती है। हालांकि, संगठन ने नवंबर 2023 में संघर्ष विराम की घोषणा की थी और मणिपुर सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर भी किए, लेकिन उसके बाद से उस पर आत्मसमर्पण वार्ता में देरी करने का आरोप लग रहा है।

खुफिया जानकारी मिलने पर हुई कार्रवाई

अधिकारियों ने कहा कि समूह संघर्ष विराम समझौते के अनुसार अपने हथियार जमा करने या अपने सदस्यों की सूची उपलब्ध कराने में विफल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि समूह के कुछ सदस्य जबरन वसूली और अन्य असामाजिक गतिविधियों में लिप्त रहे हैं। वर्तमान मामले में कार्रवाई 24 जून को इंफाल क्षेत्र में हथियार तस्करी-बिचौलिया गिरोह के बारे में विशिष्ट खुफिया जानकारी मिलने के बाद शुरू हुई। अधिकारियों ने कहा, "हथियार तस्करी बिचौलिया गिरोह का खुलासा होने के बाद नोंगथोम्बम गन हाउस के मालिक लानचेनबा नोंगथोम्बम को हिरासत में लिया गया, जो बिना उचित दस्तावेज के आग्नेयास्त्र बेचते पाया गया और उससे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस रिचर्ड तक पहुंची।"

"विदेश निर्मित हथियारों को कथित तौर पर प्रतिबंधित UNLF-P के कुछ सदस्यों की ओर से म्यांमार से भारत में खुली सीमा के माध्यम से तस्करी कर लाया गया था और फिर इन्हें फर्जी कागजात का उपयोग करके पूरे देश में बेचा गया। अधिकारियों ने कहा कि पंजाब में ऐसा ही एक मामला पहले ही सामने आ चुका है और देश के अन्य हिस्सों में इन विदेशी हथियारों की बिक्री का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

CM रेखा गुप्ता का बड़ा ऐलान

ओवरएज वाहनों पर सुप्रीम कोर्ट जाएगी सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार सुप्रीम कोर्ट से गुजारिश करेगी कि वह राष्ट्रीय राजधानी में ओवरएज वाहनों पर समान नियम लागू करने की अनुमति दे, जैसा कि देश के बाकी हिस्सों में लागू है। बता दें कि हाल ही में दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने केंद्र के वायु गुणवत्ता पैनल से ओवरएज वाहनों पर ईंधनबंदी को सस्पेंड करने की गुजारिश की थी।

दिल्ली सरकार ने कहा था कि वह राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर ओवरएज वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए सारे जरूरी प्रयास करेगी। फिर दिल्ली के पर्यावरण

मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के अध्यक्ष राजेश वर्मा को लिखे अपने पत्र में कहा था कि सभी ओवरएज वाहनों के लिए ईंधनबंदी व्यवहारिक नहीं है।

सिरसा ने कहा था कि तकनीकी चुनौतियों के कारण ओवरएज वाहनों पर ईंधनबंदी को लागू नहीं किया जा सकता है। अब दिल्ली की सीएम का इस मसले पर नया बयान सामने आया है। दिल्ली की सीएम गुप्ता ने एक कार्यक्रम में कहा कि दिल्ली सरकार एससी के समक्ष लोगों की भावनाओं को रखेगी। उन्होंने कहा- हम सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दिल्ली सरकार की ओर से उठाए गए प्रदूषण नियंत्रण उपायों के बारे में बताएंगे। हम चाहते हैं कि दिल्लीवासियों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार लोगों को राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है। साल 2018 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले में दिल्ली में 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

अयोध्या को क्यों कहते हैं धार्मिक नगरी

अयोध्या नगरी यूं ही खास नहीं है, बल्कि इस नगर से विशेष धार्मिक महत्व भी जुड़े हैं। इसलिए तो अथर्ववेद में इसे देवताओं का स्वर्ग बताया गया है। सरयू नदी में बसी पवित्र नगरी अयोध्या को स्कंद पुराण में ब्रह्मा, विष्णु और महेश त्रिदेवों की पवित्र स्थली कहा गया है। अथर्ववेद में अयोध्या को ईश्वर का नगर बताते हुए इसकी तुलना स्वर्ग से की गई है। वहीं स्कंद पुराण के अनुसार, अयोध्या का 'अ' शब्द ब्रह्मा 'य' कार विष्णु और 'ध' कार रुद्र का स्वरूप है। वहीं महाकवि महर्षि वाल्मीकि ने भी महाकाव्य रामायण में अवध को पवित्र नगर बताया है।अयोध्या नगरी के धार्मिक दृष्टिकोण को लेकर एक कथा खूब प्रचलित है। जिसके अनुसार, अयोध्या के महाराज विक्रमादित्य एक बार भ्रमण करते हुए सरयू नदी के पास पहुंचे। उस समय उन्हें अयोध्या की भूमि में कुछ चमत्कार दिखाई दिए। आस-पास के संतों ने महाराज विक्रमादित्य को अवध भूमि की धार्मिक महत्ता के बारे में बताया। इसके बाद विक्रमादित्य ने यहां विभिन्न मंदिरों, सरोवर, कूप आदि का निर्माण कराया।इसके साथ ही अयोध्या नगरी में एक सीता कुंड भी। मान्यता है कि, इस कुंड में स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप कर्मों का नाश होता है। भारत की प्राचीन सांस्कृतिक सप्तपुरियों में अयोध्या का स्थान प्रथम है। अयोध्या को श्रीराम की जन्मभूमि के साथ ही साकेत नगरी के नाम से भी जाना जाता है। हिंदुओं के साथ ही बौद्ध और जैन धर्म के लिए भी अयोध्या नगरी का धार्मिक महत्व है। आइये जानते जन्मभूमि अयोध्या कैसे नगरी।

अयोध्या की स्थापना

रामायण के अनुसार, सरयू नदी के किनारे बसी अयोध्या नगरी की स्थापना सूर्य पुत्र वैवस्वत मनु द्वारा की गई। वैवस्वत मनु का जन्म लगभग 6673 ईसा पूर्व बताया जाता है। ये ब्रह्मा जी के पौत्र कश्यप की संतान थे। इसके बाद मनु के 10 पुत्र हुए जिनमें- इल, इक्ष्वाकु, कुशनाम, अरिष्ट, धृष्ट, नरिष्यंत, करुष, महाबली, शर्याति और पृषध थे। इक्ष्वाकु कुल में ही भगवान राम का जन्म हुआ था।

कैसे हुआ देवशिल्पी नगर 'अयोध्या' का निर्माण

स्कंद पुराण के अनुसार, जिस तरह से काशी भगवान शिव के त्रिशूल पर टिकी है। ठीक इसी तरह से अयोध्या विष्णु जी के सुदर्शन चक्र पर बसी है। इसे लेकर एक पौराणिक कथा है, जिसके अनुसार, मनु ब्रह्माजी के पास एक नगर निर्माण की योजना लेकर पहुंचे। ब्रह्माजी ने मनु को भगवान विष्णु के पास भेजा। विष्णु जी ने मनु के लिए साकेतधाम का चयन किया। साकेतधाम के निर्माण के लिए ब्रह्मा जी, मनु, भगवान विष्णु, शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा और महर्षि वरिष्ठ गए। भूमि का चयन सरयू नदी के किनारे किया गया और इसके बाद आरंभ हुई देवशिल्पी नगर निर्माण की। इसलिए अयोध्या को साकेत के नाम से भी जाना जाता है। वहीं भगवान राम के जन्म के समय इस नगर को अवध के नाम से जाना जाता था।

अयोध्या नगरी से जुड़ी खास बातें

- वाल्मीकि रामायण के 5वें सर्ग के बालकांड में अयोध्या का वर्णन करते हुए कहा गया है कि अयोध्या 12 योजन लंबी और 3 योजन चौड़ी थी। अयोध्या मंदिर और घाटों की प्रसिद्ध नगरी भी है। यहां के प्रसिद्ध सरयू नदी के किनारे 14 प्रमुख घाट भी हैं। जिसमें- गुप्त द्वार घाट, कैकयी घाट, कौशल्या घाट, पापमोचन घाट, लक्ष्मण घाट आदि हैं।
- अयोध्या में ही भगवान श्रीराम का जन्म हुआ। इसलिए इसे राम जन्मभूमि कहा जाता है। लेकिन इसी के साथ यहां कई महान योद्धा, ऋषि-मुनि और अवतारी पुरुष भी हुए। जैन मतानुसार, अयोध्या में ही आदिनाथ समेत 5 तीर्थकारों का भी जन्म हुआ था।
- 12 वीं सदी के आसपास अयोध्या में बड़े पैमाने पर सूफी-संतों के भी रहने का प्रमाण मिलता है।
- कहा जाता है कि, भगवान श्रीराम जी के समाधि लेने के बाद त्रेतायुग में ही अयोध्या नगरी उजड़ गई थी। तब श्रीराम के पुत्र कुश ने अयोध्या को फिर से बसाया।
- कुश द्वारा अयोध्या का पुनर्निर्माण कराने के बाद सूर्यवंश की अगली 44 पीढ़ियों तक अयोध्या का अस्तित्व बरकरार रहा। लेकिन महाभारत युद्ध के बाद अयोध्या फिर से उजाड़ हो गई।
- इसके बाद अयोध्या मौर्य से लेकर गुप्त, कन्नौज, मुगल शासकों के अधीन रही। 1528 में बाबर के सेनापति मीरबकी ने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर स्थित मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बनवाई थी।
- इसके बाद भी अयोध्या में मंदिर-मस्जिद विवाद नहीं थमा और कई आंदोलन व सांप्रदायिक दंगे हुए। मामला कोर्ट पहुंचा और लंबी लड़ाई के बाद फैसला श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में आया।
- अब एक बार फिर से पवित्र और धार्मिक नगरी श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण हुआ, जिसमें रामलला विराजें।

पढ़ने के दौरान नींद आए तो क्या करें

पढ़ने के दौरान कई बार किताबें उठाते ही क्या आपके बच्चे को भी नींद आने लगती है। बच्चों ही नहीं बड़ों के साथ भी ये समस्या देखने को मिलती है। चाहकर भी वे पढ़ नहीं पाते हैं। दरअसल, जब हम पढ़ाई करते हैं तो आंखों से जुड़े मसल्स पर प्रेशर पड़ने लगता है। हमारा ब्रेन पढ़ी हुई चीजों को याद कर उसे कलेक्ट करता रहता है। जब आंखों के मसल्स थक जाते हैं या स्लो काम करने लगते हैं तो नींद आने लगती है। कई बार पढ़ने के दौरान हमारे बैठे का तरीका भी गलत होने पर नींद आ सकती है।

अंधेरे में पढ़ाई न करें

जब भी आप पढ़ाई करने बैठे तो ऐसी जगह चुनें जहां पर्याप्त रोशनी हो। इससे आंखों पर कम प्रभाव पड़ेगा और कम रोशनी वाली जगह बैठने से भी बच जाएंगे।अंधेरे में पढ़ाई करने पर नींद आने लगती है।

ओपन स्पेस में ही पढ़ें

खुली जगहों जैसे छत या बालकनी में हवा और रोशनी काफी अच्छी आती है। इसलिए ऐसी जगहों पर पढ़ाई करना चाहिए। इससे सुस्ती कम महसूस होगी और नींद भी नहीं आएगी। इसका फायदा आंखों को भी होगा।

कभी भी बिस्तर पर न पढ़ें

कुछ लोग बिस्तर पर बैठकर पढ़ाई करते हैं। ऐसा करने से आलस और सुस्ती महसूस होती है। जिससे पढ़ने में बिल्कुल भी मन नहीं लगेगा। इसलिए जब भी पढ़ाई करें तो टेबल और कुर्सी पर करें।

पढ़ाई से पहले हल्का भोजन करें

ज्यादा खाने के बाद सुस्ती और नींद आना स्वाभाविक है। ऐसे में जब भी खाना खाएं तो तुरंत बाद पढ़ने न बैठें।

पढ़ने से पहले हल्का और पचने वाले भोजन करें। इससे नींद नहीं आएगी और आलस भी नहीं लगेगा।

तांबे के बर्तन से पानी पीने के फायदे

एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर

तांबे के बर्तन में रखा पानी एंटी-ऑक्सीड़ेंट्स से भरपूर होता है। इस पानी को पीने पर शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स की छुट्टी हो जाती है। इसके अलावा, कॉपर मेलानिन के प्रोडक्शन में हेल्प करता है जिसस त्वचा सूरज की हानिकारक किरणों से बचती है।

एजिंग प्रोसेस धीमा होता है

कॉपर इलास्टिन और कोलाजन के प्रोडक्शन में मदद करता है। इलास्टिन और कोलाजन स्किन को जवां बनाए रखने के लिए जरूरी होते हैं। कॉपर की बोतल में पानी रखा जाए और इस पानी को नियमित रूप से पिएं तो त्वचा पर झुर्रियां और फाइन लाइंस कम नजर आती हैं।

पाचन रहता है दुरुस्त

तांबे वाला पानी पाचन के लिए अच्छा होता है। इस पानी को पीने पर डाइजेस्टिव रसों का प्रोडक्शन बढ़ता है, इससे पाचन बेहतर तरह से हो पाता है और डाइजेस्टिव अंगों को भी सहायता मिलती है।

हर्बल टी पीने के फायदे

लेमनग्रास एंड जिंजर टी

इसके लिए थोड़ी सी लेमनग्रास ले लें और अदरक को कूटकर उसे पानी में डालकर दोनों को साथ उबालें। इसमें लौंग भी डालें और थोड़ी देर उबालने के बाद छानकर पिएं। अगर टेस्ट बिटर लगे तो हल्का सा गुड़ डाल लें। ये सर्दियों में गले में बहुत आरात देती है और पेट के लिए भी बेहतरीन होती है।

हनी, लेमन एंड टरमरिक टी

ये चाय सर्दियों का अमृत कही जाती है। इसे बनाने के लिए थोड़ी सी काली मिर्च कूटकर और एक कच्ची हल्द की गांठ छोटे टुकड़े करके पानी में उबालें। कच्ची हल्दी गर्म होती है इसलिए मात्रा कम ही लें। थोड़ी देर बाद इसे छान लें और ऊपर से लेमन और हनी मिक्स करके पिएं।

तुलसी टी

तुलसी टी के जितने फायदे कहे जाएं कम हैं। इसे तो चाय के तौर पर अपनी रेग्यूलर चाय में मिक्स करके या पानी में उबालकर कैसे भी ले सकते हैं। ये इम्यूनिटी तो बढ़ाती ही है साथ ही स्किन के लिए भी बहुत अच्छी होती है। इसकी चाय बनने के लिए एक बाउल में तुलसी की पत्तियां उबालें और छानने के बाद ऊपर से एक चम्मच हनी और नींबू का रस मिलाकर पिएं।

मिंट टी, सिनेमन टी

सिनेमन इतना गर्म होता है कि इसे सर्दी में लेना ही ठीक है। इसके लिए सिनेमन को पानी में उबालें और काली मिर्च भी कूटकर डालें। इसे नीचे उतारकर गुड़ मिलाएं और पी लें। ये वेट लॉस में बहुत फायदा करती है। इसी तरह मिंट टी भी पी सकते हैं। मिंट टी पेट के लिए बेहतरीन होती है।

चिपचिपे बालों को इस तरह करें शैम्पू

गर्मी के मौसम में बाल धोने के अगले दिन से ही ये फिर से गंदे नजर आने लगते हैं। जिसकी वजह से काफी उलझन होती है। और किसी भी तरह की कोई हेयरस्टाइल भी नहीं बन पाती। अगर आप भी इस तरह की समस्या से रोजाना दो चार होती हैं। तो शैंपू करते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। क्योंकि गंदे बालों से ना केवल बदबू आना शुरू हो जाती है। बल्कि इससे चेहरे और गर्दन पर भी एक्ने की समस्या होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि बालों को सही तरह से शैंपू कर धोया जाए।

शैंपू करने का सही तरीका

हो सकता है कि आप शैंपू करती हों लेकिन वो स्कैल्प से तेल को ना हटा पाता हो। इसका कारण है स्कैल्प में ठीक से शैंपू का ना पहंचना। इसके लिए आप शैंपू को पानी में घोलकर गीला कर लें। फिर इसको बालों में डालकर शैंपू करें। क्योंकि गीला शैंपू बालों में तेजी से फैलता है।

स्कैल्प पर शैंपू करते वक्त उंगलियों की सहायता लें। उंगलियों से बालों को धीरे-धीरे करके मसाज करें। जिससे कि सारा शैंपू पूरे बालों में लग जाए और अच्छी तरह से गंदगी छुट जाए। फिर बालों को पानी से अच्छी तरह से साफ कर लें। -जिससे कि सारा शैंपू ठीक से छुट जाए। शैंपू करते वक्त कभी भी जल्दबाजी में ना रहें। आराम से बालों में शैंपू को लगाकर कम से कम एक से दो मिनट के लिए छोड़ दें। फिर इन्हें उंगलियों की सहायता से मसाज करके पानी से धोएं। ऐसा करने से बालों का सारा तेल एक बार में ही निकल जाएगा।

खाना खाने के बाद जरूर खाइए इलायची

माना जाता है कि इलायची के बीज, तेल और अर्क में प्रभावशाली औषधीय गुण होते हैं, जो सेहत के लिए बहुत लाभकारी होता है। दो इलायची अगर आप खाना खाने के बाद खा लेते हैं तो फिर आपको इसको ढेरो फायदे होंगे। यह माउथ फ्रेशनर का भी अच्छा काम करता है। दो इलायची अगर आप खाना खाने के बाद खा लेते हैं, तो फिर आपको इसके ढेरो फायदे होंगे। तो चलिए आपको बताते हैं इलायची खाने के कितने फायदे हैं।

- इलायची के एंटीऑक्सीडेंट्स गुण होते हैं जो मांसपेशियों को तंदुरुस्त रखने में का काम करते हैं। लेकिन ज्यादा सेवन शरीर में गर्मी पैदा कर सकता है, जिससे पेट खराब हो सकता है।
- इलायची का इस्तेमाल पेट से जुड़ी परेशानियों से निजात पाने के लिए किया जाता है। यह स्वाद में तीखी होती है लेकिन फायदे बहुत होते हैं। इसके सेवन से दिल की सेहत भी अच्छी होती है। यह नींद की समस्या से भी निजात दिलाने का काम करती है।
- यह मसाला गुर्दे की पथरी को ठीक करने में भी मदद कर सकता है। इसके अलावा सर्दी जुकाम (cold cough) में इससे से बनी चाय आराम पहुंचाती है। तो आज से ही आप इसको अपनी डाइट का हिस्सा बना लीजिए।

सावन में पहनें लाल रंग की ऐसी सुंदर साड़ी...

मिलेगा डिवाइन लुक

सावन के महीने में वैसे तो सब हरा रंग पहनते हैं ,लेकिन पूजा-पाठ के मौके पर अगर आप अलग दिखना चाहती हैं तो लाल रंग की इन डिफरेंट वैरायटी की साड़ी को पहनकर रेडी हो सकती हैं।

रेड साड़ी लुक

सावन का महीना भक्ति और पूजा-पाठ और त्योहारों का होता है। अब त्योहार हैं या पूजा, ट्रेडिशनल तरीके से तैयार होना चाहती हैं तो सावन में हरे रंग की साड़ी के अलावा लाल रंग भी पहन सकती हैं। पूजा-पाठ से लेकर सावन की किटीपार्टी में भीड़ में सबसे हटके दिखना है तो ऐसी लाल रंग की साड़ी पहनकर रेडी हो जाएं। सब मुड़-मुड़कर देखेंगे।

रेड नेट साड़ी

पूजा पाठ के मौके पर अगर आप थोड़ा हैवी लुक चाहती हैं तो इस तरह की शियर फैब्रिक या नेट फैब्रिक में साड़ी पहन सकती हैं। लुक को कंफर्टेबल बनाने के लिए स्लीक बन बनाएं और केवल ईयररिंग्स से लुक को कंप्लीट करें। बॉर्डर पर बनी डिजाइन वाली साड़ी स्पेशल ओकेजन पर ब्यूटीफुल दिखती है।

कॉटन मरून साड़ी

सिंपल सा लुक चाहती हैं तो एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या की तरह कॉटन की मरून शेड की साड़ी को कलरफुल ब्लाउज के साथ पेयर करें। इस तरह की साड़ियां भी कंफी लुक देंगी।

हैवी सिल्क साड़ी

सिल्वर जरी बॉर्डर के साथ हैवी सिल्क की रेड साड़ी स्पेशल पूजा के मौके पर ब्यूटीफुल दिखती है। साथ में एक्ट्रेस की तरह लुक को भी कैरी करें।

लाइनिंग वाली साड़ी

लाइटवेट या कॉटन फैब्रिक की मरून शेड की लाइनिंग वाली साड़ी सिंपल और डिवाइन लुक देगी। साथ ही सावन में लगने वाली उमसभरी गर्मी में कंफर्टेबल भी रहेगी।

फ्लोरल प्रिंट सिल्क साड़ी

लाइटवेट सिल्क की फ्लोरल प्रिंट साड़ी हटके लुक देगी। फातिमा सना शेख की ये साड़ी गॉर्जियस लुक देने में मदद करेगी।

ट्रेडिशनल रेड साड़ी लुक

ट्रेडिशनल रेड साड़ी पहनकर रेडी होना है तो नयनतारा का लुक परफेक्ट है। बाल में गजरा, झुमका के साथ क्लासिक गोल्डन जरी बॉर्डर की साड़ी ब्यूटीफुल दिखेगी।

बच्चे को नहलाने से पहले ध्यान में रखें ये बातें

बड़े से लेकर बच्चे, सभी को नहाने में मजा आती हैं। लेकिन सभी लोग ठंडे पानी वाले किसी भी काम को करने से बचते हैं। लेकिन कुछ लोग ऑफिस के चलते शाम में घर वापस आने पर नहाते हैं और अपने छोटे बच्चे को भी उसी समय नहलाते हैं। गर्मी में तो ये ठीक है लेकिन ठंड का मौसम में ऐसा करना गलत है। ठंड में अगर बॉडी पर अधिक ठंडा पानी डाला गया तो इससे बॉडी को बहुत नुक्सान हो सकता है। बल्कि डॉक्टर सीधे सिर पर पानी डालने से मना करते हैं क्योंकि इससे ब्रेन हेमरेज होने का खतरा रहता है। वासे तो बच्चों को रात में नहलाना ज्यादा रिस्की हो सकता हैं।

भूलकर भी ना यूज़ करें ठंडा पानी

ठंडा पानी बर्दास्त के बाहर होता है। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को रात में ठंडे पानी से नहलाएंगे तो ये उनकी नाजूक स्किन के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकता हैं। ऐसा करने से उनकी त्वचा लाल हो सकती हैं और इंफेक्शन होने का भी डर रहता है। अपने बच्चे को हमेशा हल्के गुनगुने पानी से नहलाएं।

सीधे रजाई में लेकर ना जाएं

अगर आपकी भी आदत हैं अपने बच्चे को रात में नहलाकर उसे सीधे रजाई में लेकर घूस जाने की तो इसे आज और अभी से छोड़ दें। ऐसा करने से उसके बॉडी का तापमान अचानक से बदलता हैं जिससे वायरल बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही इससे बच्चे को सांस से जुड़ी समस्या हो सकती हैं।

सीधे पानी में ना डालें

कई लोग अपने बच्चे को नहलाने के लिए सीधे बाथ टब में डाल देते हैं। ऐसा करना बंद कर दें। छोटे बच्चों को नहलाने के लिए पहले उनकी बॉडी को टावल भीगोकर अच्छी तरह से पोछें। फिर उन्हें हल्के गर्म पानी से वाइप करें।

देर रात सोने के फायदे

ये तो हमने कई बार सुना है कि रात में देर तक सोने से शरीर को कई तरह की नुकसान को झेलना पड़ता है। लेकिन क्या आपको पता है इसके कई सारे फायदे भी हैं। अगर आप रात में देर तक जागते हैं तो इसका आपके दिमाग पर कुछ ऐसा असर होता है। आप इसे इसके फायदे की तरह भी देख सकते हैं। अक्सर यह कहा जाता है कि रात में देरी से सोने वाले लोग काफी ज्यादा क्रिएटिव होते हैं। जो रात में देर से सोते हैं उन्हें रात के वक्त अच्छे और क्रिएटिव विचार आते हैं क्योंकि रात के वक्त उनका दिमाग शांत हो जाता है। रात में उन्हें अच्छे विचार आते हैं। देर रात सोने वाले ज्यादा स्मार्ट और चालाक किस्म के होते हैं। कई रिसर्च में यह बात साफ भी हो चुकी है कि उनका आईक्यू लेवल काफी ज्यादा होता है। यही नहीं वो बहुत ही ज्यादा क्रिएटिव, जिज्ञासु, बहादुर स्मार्क होते हैं। यानि वह आधी रात अकेले बैठकर आराम से फिल्म देख सकते हैं। ऐसे लोग अपने काम फटाफट से करते हैं। जाहिर है कि अगर रात में देर से सो रहे हैं तो सुबह देर से ही जागेंगे। लेकिन आगे के काम करने में देरी हो सकती है। जो लोग रात में देर तक जागते हैं वह अपनी पढ़ाई रात में बहुत जल्दबाजी में कर लेते हैं। डेडलाइन तो इनके लिए बच्चों का खेल है। ये रात के वक्त अपने टाइम का अच्छा इस्तेमाल करते हैं।

दिमाग में तरह-तरह का आइडिया आता है

जिन लोगों को रात के वक्त देर तक जागने की आदत है उन्हें रात के वक्त तरह-तरह के आइडिया आते हैं। इस आइडिया को ध्यान में रखकर वह अगले दिन को लेकर प्लान कर सकते हैं।

बर्मिंघम में भारत की पहली जीत

–लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रही इंग्लैंड की टीम
–सीरीज में एक–एक की बराबरी

बर्मिंघम। भारत ने इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट मैच में 336 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है। भारत ने बर्मिंघम में पहली बार जीत दर्ज की है। भारत ने पहली पारी में 587 रन बनाए थे और इंग्लैंड को 407 रन पर आउट कर 180 रनों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी। भारत ने शुभमन गिल के शतक की मदद से दूसरी पारी छह विकेट पर 427 रन बनाकर घोषित की थी और कुल 607 रनों की बढ़त हासिल कर इंग्लैंड के सामने 608 रनों का लक्ष्य रखा था। इंग्लैंड की दूसरी पारी पांचवें दिन 271 रन पर ऑलआउट हुई और भारत ने जीत हासिल की। बारिश के कारण पांचवें दिन का खेल देरी से शुरू हुआ, लेकिन आकाश दीप ने इंग्लैंड को शुरुआत में ही दो झटके दिए। इसके बाद बेन स्टोक्स ने जैमी स्मिथ के साथ मिलकर पारी को संभाला और छठे विकेट के लिए 70 रनों की साझेदारी कर डाली। इस साझेदारी को वॉशिंगटन सुंदर ने स्टोक्स को आउट कर तोड़ा। फिलहाल भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच 10 जुलाई से लॉर्ड्स मैदान पर खेला जाएगा।

58 साल का सूखा खत्म

भारत ने पहली बार बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर टेस्ट जीत हासिल की है। इससे पहले जो उसने इस मैदान पर 8 टेस्ट मैच खेले थे, उसमें से सात में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था, जबकि एक मुकाबला ड्रॉ पर छूटा। भारतीय टीम ने इस मैदान पर पहला टेस्ट जुलाई 1967 में खेला था, जिसमें उसे 132 रनों से पराजय का मुंह देखना पड़ा था। अब भारत ने 58 साल का सूखा खत्म किया है। भारत की विदेशी जमीन पर ये रनों के लिहाज से सबसे बड़ी टेस्ट जीत भी रही।

आकाशदीप का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

भारत के लिए तेज गेंदबाज आकाश दीप ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और दूसरी पारी में छह विकेट लिए। आकाश ने पहली पारी में चार विकेट लिए थे। आकाश के अलावा मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को एक–एक विकेट मिला। इंग्लैंड ने दूसरे सत्र में क्रिस वोक्स (7), जैमी स्मिथ (88), जोश टंग (2) और ब्रायडन कार्स (38) के विकेट गंवाए। शोएब बशीर 12 रन बनाकर नाबाद लौटे। इंग्लैंड के लिए दूसरी पारी में विकेटकीपर बल्लेबाज जैमी स्मिथ ने शानदार प्रदर्शन किया और अर्धशतक लगाने में सफल रहे। वहीं पहली पारी में आकाशदीप के साथ मिलकर सिराज ने गोरों को आगे बढ़ने से रोका था। दूसरी पारी में जहां आकाशदीप ने 6 विकेट हासिल किया तो वहीं पहली पारी में मोहम्मद सिराज ने 6 विकेट हासिल किया था। जबकि आकाश दीप महज 4 विकेट ही हासिल कर पाए थे। फिलहाल उन्होंने 21.1 ओवर में 99 रन देकर छह विकेट झटके। उन्होंने पहली बार एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं।

गिल ने एक साथ गढ़े कई कीर्तिमान

भारत ने 58 सालों में पहली बार बर्मिंघम का किला फतह कर लिया है। इसके साथ ही यह शुभमन गिल के कप्तानी की भी पहली जीत है। भारत ने रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 336 रनों से जीत दर्ज की और पांच मैचों की सीरीज में 1–1 से बराबरी हासिल कर ली। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए अपनी पहली पारी में 269 रन बनाए थे। जिसकी बदौलत भारतीय टीम अपनी पहली ही पारी में 587 जैसा विशाल स्कोर बनाया था, जिसका पीछा करने में इंग्लैंड की टीम विफल रही। वहीं अपनी दूसरी पारी में भारतीय कप्तान ने 161 रन बनाए। इसके साथ ही गिल ने एक ही मैच में तीन शतक जड़कर बतौर कप्तान बड़ी उपलब्धि हासिल की। वो ऐसा करने वाले सुनील गावस्कर के बाद दूसरे कप्तान बने। गौरतलब हो कि भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 427 रन बनाकर घोषित की थी और कुल 607 रनों की बढ़त हासिल कर इंग्लैंड के सामने 608 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसका पीछा करने में गोरे नाकाम रहे।

पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए

दीपिका सेहरावत नामांकित

नीदरलैंड के खिलाफ किया था शानदार गोल

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका को 2024-25 FIH हॉकी प्रो लीग सीजन के दौरान दुनिया की नंबर 1 टीम नीदरलैंड के खिलाफ उनके बेहतरीन एकल फील्ड गोल के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। गौरतलब हो कि इस अवार्ड का फैसला दुनिया भर के हॉकी प्रशंसकों द्वारा इस आधार पर किया जाता है कि उन्हें लगता है कि सीजन के दौरान सबसे अच्छा पल और गोल किसने किया। दीपिका का यह यादगार पल फरवरी 2025 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान हुआ, जब भारतीय टीम ने कलिंगा स्टेडियम में 2-2 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में नीदरलैंड को हराया। 35वें मिनट में दीपिका ने एक शानदार फील्ड गोल किया, जबकि भारत दो गोल से पीछे चल रहा था। 35वें मिनट में दीपिका ने नीदरलैंड की बैकलाइन के चारों ओर से शानदार तरीके से बाएं फ्लैंक से ड्रिबल किया, बेसलाइन को चूमा, डिफेंडर की स्टिक के ऊपर से गेंद को डिंक किया और गोलकीपर को पीछे छोड़ते हुए नेट में एक शानदार स्ट्राइक के साथ मूव को पूरा किया। दीपिका ने कहा, "नीदरलैंड के खिलाफ़ किया गया वह गोल मेरे करियर के सबसे खास पलों में से एक है। सब कुछ ठीक रहा और इससे हमें बराबरी करने और शूटआउट में गेम जीतने में मदद मिली। मुझे पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित होने पर गर्व है और अपने प्रशंसकों के समर्थन के लिए आभारी हूँ। आपके वोट और समर्थन मुझे अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने और भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करते हैं। मैं अपने कोच, सहयोगी स्टाफ़ और सबसे महत्वपूर्ण रूप से अपने साथियों को उनके निरंतर प्रोत्साहन और मुझ पर विश्वास के लिए धन्यवाद देना चाहती हूँ।"

महिलाओं की 5000 और 1500 मीटर दौड़ में नए विश्व रिकॉर्ड

यूजीन (अमेरिका)। कीनिया की बीट्राइस चेबेट ने प्रीफॉन्टेन क्लासिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ 13 मिनट 58.06 सेकंड में जीतकर विश्व रिकार्ड बनाया। चेबेट इस स्पर्धा में 14 मिनट से कम समय निकालने वाली पहली महिला एथलीट बन गई है। उन्होंने इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे द्वारा बनाए गए 14:00.21 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। त्सेगे ने 2023 प्रीफोंटेन क्लासिक में यह रिकॉर्ड बनाया था। कीनिया की ही फेथ किपयेगोन ने महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ तीन मिनट 48.68 सेकंड में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इस स्पर्धा में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन किपयेगोन ने 3:49.04 के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया।

नोवाक ने रचा इतिहास

पिछले 8 सालों में केवल अल्कारेज से हारे मुकाबला

विबंलडन। विबंलडन 2025 में सर्बिया के 38 साल के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच का अब तक टेनिस कोर्ट पर काफी शानदार फॉर्म देखने को मिला है। नोवाक जोकोविच ने अपने हम वतन खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच के खिलाफ तीसरे राउंड के मुकाबले में सीधी जीत दर्ज करने के साथ करियर में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। जोकोविच अब विबंलडन के इतिहास में 100 मैच जीतने वाले सिर्फ तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। नोवोका जोकोविच ने विबंलडन के तीसरे दौर में मिओमिर केकमानोविच के खिलाफ खेले गए मुकाबले को 6-3, 6-0 और 6-4 से अपने नाम करने के साथ अगले राउंड में अपनी जगह को पक्का किया। जोकोविच की भिड़ंत 11वें नंबर के एलेक्स डी मिनाउर से होगी। वहीं विबंलडन के इतिहास में नोवाक जोकोविच से पहले 9 बार विंबलडन सिंगल्स चैंपियन रहीं नवरातिलोवा ने 120 मैच जबकि आठ बार के चैंपियन फेडरर ने 105 सिंगल्स मुकाबले जीते थे, जिसमें जोकोविच का नाम भी शामिल हो गया है। जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं। पिछले 8 सालों से जोकोविच का विबंलडन में जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिला है। जिसमें वह इस दौरान सिर्फ अल्कारेज से ही मुकाबला हारे हैं।

अंडर-19 मैच

वैभव सूर्यवंशी ने यूथ वनडे में ठोका सबसे तेज शतक

वॉर्सेस्टर। पहले घरेलू क्रिकेट, फिर आईपीएल और अब टीम इंडिया, 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अपनी बल्लेबाजी से कमाल कर रहे हैं। सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ अंडर-19 मैच में सिर्फ 52 गेंदों पर शानदार शतक जड़कर यूथ वनडे क्रिकेट में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। सूर्यवंशी ने 78 गेंदों पर 143 रन बनाए, जिसमें 10 छक्के और 13 चौके शामिल रहे। इस धमाकेदार पारी के साथ सूर्यवंशी यूथ वनडे में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने सरफराज खान का एक दशक पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सरफराज ने 2013 में साउथ अफ्रीका अंडर-19 के खिलाफ 15 साल और 338 दिन की उम्र में शतक बनाया था। सूर्यवंशी की इस उपलब्धि ने उन्हें विश्व स्तर पर युवा वनडे में सबसे कम उम्र का शतक बनाने वाला खिलाड़ी भी बना दिया है, उन्होंने बांग्लादेश के नजमुल हुसैन शांतो को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 2013 में 14 साल और 241 दिन की उम्र में शतक बनाया था। वहीं सूर्यवंशी ने 14 साल, तीन महीने और 11 दिन में यह उपलब्धि हासिल की। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव की धमाकेदार पारी ने अब तक के सबसे तेज युवा वनडे शतक का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

शुभमन गिल पर फिदा हुए विराट कोहली

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एजबेस्टन में खेला गया। इस टेस्ट मैच में टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने दोनों पारियों में शतक लगाया। दोनों पारियों में शतक लगाकर उन्होंने कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। इस बीच टीम इंडिया के पूर्व टेस्ट प्लेयर विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर शुभमन गिल को उनके इस ऐतिहासिक पारी के लिए बधाई दी। विराट ने गिल के लिए इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। शुभमन गिल ने एजबेस्टन टेस्ट की जब दूसरी पारी में भी शतक लगाया तब विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट की। अपनी उस स्टोरी में विराट ने गिल को स्टार बॉय कहा। गिल का शतक पूरा होने के बाद पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कैप्शन में लिखा कि बहुत अच्छा खेले स्टार बॉय। इतिहास रच दिया। आगे बढ़ते रहो। तुम यह सब कुछ डिजर्व करते हो। बता दें कि इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले विराट ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। आपको बता दें कि इस शतकीय पारी के साथ ही शुभमन गिल ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। इस टेस्ट मैच में शुभमन गिल की ऐतिहासिक पारी के बदौलत टीम इंडिया ने भी इतिहास रच दिया है। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारत ने पहली बार दोनों पारियों को मिलाकर 1000 रन बनाए हैं। इस पहले एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन भारत ने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाया था। वहां टीम इंडिया ने एक मैच में 916 रन बनाए थे। इस टेस्ट मैच की बात करें तो आज मुकाबले के पांचवें दिन का खेल होना है। भारत ने इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 608 रनों का टारगेट रखा है। बारिश की वजह से पांचवें दिन का खेल समय पर शुरू नहीं हो पाया है।

टीम इंडिया को मिला विहान मल्होत्रा के रूप में दूसरा 'गिल'

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी के साथ ही युवा विहान मल्होत्रा के शतक के चलते भारतीय अंडर-19 टीम ने यूथ वनडे सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली है। भारत की युवा टीम ने इंग्लैंड अंडर-19 को चौथे वनडे मैच में 55 रन से रौंदा। वैभव को तो आईपीएल ऑक्शन के बाद से ही पूरा देश जानने लगा है, लेकिन अब क्रिकेट के गलियारों में विहान मल्होत्रा के नाम की भी चर्चा हो रही है। क्रिकेट प्रेमी जानना चाहते हैं कि आखिर यह बल्लेबाज कौन है। 3 नंबर पर बल्लेबाजी करने आए विहान ने 106.61 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 121 गेंदों पर 129 रन कूट दिए। अपनी इस पारी में 18 साल के विहान ने 15 चौकों के साथ ही 3 छक्के भी जड़ दिए। उन्होंने वैभव के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 219 रन की पार्टनरशिप की। वैभव के आउट होने के बाद अगले ही ओवर में विहान भी कैच आउट हो गए। विहान ने 110 गेंदों पर शुभमन गिल की स्टाइल में जश्न मनाया। मुकाबले की बात करें तो भारतीय अंडर-19 टीम ने यूथ वनडे सीरीज के चौथे मैच में इंग्लैंड अंडर-19 को 55 रन से हराया। वैभव सूर्यवंशी (143) और विहान मल्होत्रा (129) के शतक की मदद से भारत ने 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 363 रन बनाए।

नीरज चोपड़ा ने जीता गोल्ड मेडल

बेंगलुरु। भारत के गोल्डन बॉय और डबल ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने कमाल कर दिया है। उन्होंने भारत में पहली बार आयोजित हुई भाला फेंक प्रतियोगिता को अपने नाम कर लिया है। नीरज ने गोल्ड मेडल पर अपना कब्जा कर दुनिया भर में एक बार फिर अपने नाम का डंका बजा दिया है। भारत में आयोजित हुए नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 टूर्नामेंट को नीरज चोपड़ा ने जीत लिया है। नीरज ने 86.18 मीटर का थ्रो कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। इस टूर्नामेंट में केन्या के जूलियस येगो दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने 84.51 मीटर के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया। श्रीलंका के रुमेश पथिराज तीसरे स्थान पर रहे और 84.34 मीटर के थ्रो के साथ बॉन्ज मेडल अपने नाम किया। मैदान में मौजूद 14,593 लोगों ने जोरदार नारे लगाकर नीरज चोपड़ा का स्वागत किया। नीरज ने टूर्नामेंट की शुरुआत फाउल के साथ और 82.99 मीटर के दूसरे प्रयास के साथ बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी। टोक्यो ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले और 2024 में पेरिस में रजत पदक जीतने वाले भारतीय मेगा स्टार ने फिर 86.18 मीटर के अपने तीसरे थ्रो के साथ रात का सबसे बड़ा थ्रो दर्ज किया. नीरज ने चौथे प्रयास में फाउल किया और पांचवें प्रयास में 84.07 मीटर का थ्रो किया. इससे पहले उन्होंने 82.22 मीटर के साथ इवेंट का समापन किया।

कपिल देव के क्लब में शामिल हुए मोहम्मद सिराज

हैदराबाद। भारत और इंग्लैंड के बीच एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में शुक्रवार को मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। टीम के मेन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज ने पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाई और आकाशदीप के साथ मिलकर पूरी इंग्लैंड टीम को 407 के स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। सिराज ने 19.3 ओवर में 70 रन देकर 6 विकेट चटकाए, जिसमें जैक क्रॉली, जो रूट, बेन स्टोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर के विकेट शामिल हैं। जबकि आकाशदीप ने चोर विकेट लिए. इस अविश्वसनीय प्रदर्शन के साथ मोहम्मद सिराज ने इतिहास रच दिया है। वो इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में 6-6 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले कई गेंदबाजों ने 5 या 6 विकेट लिए हैं लेकिन किसी भी गेंदबाज ने दोनों देशों में 6-6 विकेट नहीं लिए। इसके अलावा मोहम्मद सिराज एजबेस्टन स्टेडियम में पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज बन गए। जिसके साथ वो दिग्गज कपिल देव, चेतन शर्मा और इशांत शर्मा के साथ क्लब में शामिल हो गए। 31 वर्षीय सिराज ने 1993 के बाद से किसी मेहमान तेज गेंदबाज के तौर पर पहली बार छह विकेट लिए हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के पॉल राइफल ने 1993 में इसी ग्राउंड पर छह विकेट लिए थे। इस के साथ ही ये सिराज का इस ग्राउंड पर बतौर मेहमान तेज गेंदबाज के तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पहले नंबर पर पाकिस्तान के इमरान खान हैं, जिन्होंने 1982 नें 52 रन देकर 7 विकेट लिए थे जबकि दूसरे नंबर पर इंडिया के चेतन शर्मा हैं, उन्होंने 1986 नें 58 रन देकर 6 विकेट झटके थे। अब तीसरे नंबर 6/70 के आंकड़े के साथ सिराज का नाम आ गया है. सिराज ने इंग्लैंड में अपना पहला पांच विकेट और अपने करियर का चौथा पांच विकेट लिया. वह अमर सिंह, चेतन शर्मा, भुवनेश्वर कुमार और इशांत शर्मा के बाद इंग्लैंड में पांच विकेट लेने वाले पांचवें भारतीय तेज गेंदबाज हैं।

एजबेस्टन में सर्वश्रेष्ठ भारतीय गेंदबाजी के आंकड़े

चेतन शर्मा	6/58	1986
सिराज	6/70	2025
इशांत शर्मा	5/51	2018
कपिल देव	5/146	1979

'पैसे कमाने के लिए फिजिकल रिलेशन...'

एक्ट्रेस के इस खुलासे के बाद मच गया था बवाल

सिनेमा की दुनिया से जुड़े तमाम सितारे कई बार खुद को लेकर ऐसे खुलासे कर चुके हैं, जिन्हें सुनकर एक बार में भरोसा करना मुश्किल होता है। कई स्टार्स ने अपनी गरीबी से लेकर कास्टिंग काउच तक तमाम खुलासे किए हैं। आज हम आपको एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की उस पॉपुलर एक्ट्रेस के खुलासा के बारे में बताएंग जिसे जानकर फैंस को झटका लगा था। इस हसीना ने अपने स्ट्रगल डेज में कुछ ऐसा काम किया था जो किसी को भी चौंका सकता है. आइए जानते हैं कि इस एक्ट्रेस ने ऐसा क्या काम किया था।

बॉलीवुड एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्डनेस के लिए जानी जाती हैं,वह आए दिन पब्लिक प्लेस पर हद से ज्यादा रिवीलिंग ड्रेस में नजर आती हैं। शर्लिन चोपड़ा को देखते ही पैपराजी उन्हें अपने कैमरे में कैद करते हैं। शर्लिन चोपड़ा के फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो जाते हैं। इसके बाद कई बार देखा गया है कि शर्लिन चोपड़ा को जमकर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है। शर्लिन चोपड़ा अपनी बोल्डनेस के साथ ही अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं। अपने स्ट्रगल डेज के बारे में बताया था। उन्होंने एक ऐसी बात बताई थी जिसे सुनकर लोग हैरान रह गए थे। शर्लिन चोपड़ा ने खुलासा किया था कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में कई लोगों को साथ फिजिकल रिलेशन बनाए थे। उन्होंने बताया था कि पैसों के लिए उन्हें ये करना पड़ा। शर्लिन ने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'मुझे कई बार पेड सेक्स के लिए संपर्क किया गया था। क्योंकि मैं पैसे के लिए ऐसा कर चुकी थी। ये मैं इसलिए नहीं बता रही हूं कि ताकि लोग मुझे बेचारी या बुरी लड़की के तौर पर देखें।' 'मैं ये इसलिए बात रही हूं ताकि जो लोग आज भी मेरे साथ फिजिकल रिलेशन बनाने के लिए मैसेज करते हैं वो समझ जाएं कि अब मैं ये काम नहीं करती हूं।

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस, जिन्होंने बहुत कम उम्र में ही खोई वर्जिनिटी!

सबसे चर्चित और टैलेंटेड एक्ट्रेसेज में शामिल ये हसीना अकसर अपनी बेबाकी और खुलेपन से बात करने के लिए सुर्खियों में रहती हैं। एक बार फिर वो अपने पुराने बयान को लेकर चर्चा में आ गई हैं, जिसमें उन्होंने कम उम्र में लिए कुछ निजी फैसलों के बारे में खुलकर बात की थी, अब उनका ये बयान दोबारा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, आइए देखते हैं, और जानते हैं, वो एक्ट्रेस कौन हैं, और उन्होंने ऐसा कहा कूल कर लिया कि वो बयान उनका वायरल हो गया।

टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार नाम

हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं, वो बेहद खूबसूरत आलिया भट्ट हैं, जो रणबीर कपूर की पत्नी और राहा की मां हैं, उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने जीवन में लिए गए कुछ पर्सन फैसलों पर बात की थी, आइए जानते हैं, वो कौनसे डिसीजन पर बात कर रहीं थीं?

उनका अंदाज ही उन्हें खास बनाता है

आलिया ने बताया था, कि उन्होंने महज 15 साल की उम्र में ही अपनी वर्जिनिटी खो दी थी। इस खुलासे को करते हुए एक्ट्रेस एकबार भी झिझकी नहीं, और यही बेबाकी उन्होंने औरों से अलग और खास बनाती है।

पढ़ाई छोड़, करियर चुना

इतना ही नहीं, आलिया ने पढ़ाई को भी जल्दी छोड़ दिया था। उन्होंने 12वीं क्लास यानी प्री-यूनिवर्सिटी कोर्स (PUC) पूरा किए बिना ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया था, और फिल्मों में करियर बनाने का फैसला कर लिया था। आलिया भट्ट ने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' मूवी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। ये फिल्म करण जौहर की थी,इस दौरान एक्ट्रेस महज 18 साल की थीं। शुरुआत से ही उन्होंने अपने टैलेंट और मेहनत से यह साबित कर दिया था, कि वो सिर्फ 'स्टारकिड' नहीं, बल्कि एक वर्सेटाइल परफॉर्मर भी हैं। आलिया का कहना है, कि वो कभी भी फिल्ममेकर से काम मांगने में नहीं झिझकतीं। एक्ट्रेस का मानना है, कि इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए कई बार टैलेंट के साथ-साथ कॉन्फिडेंस और स्ट्रेटफॉरवर्ड एटीट्यूड भी बेहद जरूरी होता है।

अजय देवगन और आदित्य चोपड़ा की लड़ाई के बीच फंस गई थीं काजोल

काजोल पिछले तीन दशक से फिल्मी दुनिया में अपनी अदाकारी दिखा रही हैं। उन्हें अपने करियर में सबसे ज्यादा हिट फिल्में यश राज फिल्म्स के साथ की हैं। ऐसे में उनका YRF के साथ क्लोज बॉन्ड है। हाल ही में, उन्होंने अजय देवगन के साथ YRF के विवाद पर रिएक्शन दिया है। जब काजोल के पति अजय देवगन का यश राज फिल्म्स के साथ क्लैश हुआ तो इसका सबसे ज्यादा असर काजोल पर पड़ा था। वह समझ नहीं पा रही थीं कि वह क्या करें, क्योंकि दोनों से ही उनका खास रिश्ता रहा है। उन्होंने कहा कि वह बेबस महसूस कर रही थीं।

अजय देवगन की फाइट पर बोलीं काजोल

एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में काजोल ने कहा, झगड़े हमेशा मुश्किल होते हैं, खासकर तब जब वे कुछ समय तक अनसुलझे रहें। उस समय जब आपके सामने ऐसी स्थिति होती है तो दोनों पक्ष अपने लिए खड़े होते हैं। मैं दोनों पक्षों से जुड़ी हुई थी, इसलिए मैं बेबस महसूस कर रही थी। काजोल ने आगे कहा, आपको समय बीतने का इंतजार करना पड़ता है, ताकि भावनाएं कम हो जाएं। ताकि चीजें फिर से ठीक हो सकें। बदलाव होता रहता है। यह न तो अच्छा है और ना ही बुरा। कहीं लिखा है कि बदलाव अनंत है। यही एक चीज है जो स्थिर है।

क्यों अजय देवगन का YRF से हुआ झगड़ा?

साल 2012 में अजय देवगन की सन ऑफ सरदार और आदित्य चोपड़ा की जब तक है जान एक ही दिन सिनेमाघरों में रिलीज हो रही थी। अजय की प्रोडक्शन कंपनी ADF ने YRF के खिलाफ कॉम्पटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (CCI) को शिकायत भेजी और आरोप लगाया कि YRF ने अपने मार्केट पॉजिशन का फायदा उठाकर जब तक है जान के लिए ज्यादा स्क्रीन्स सिक्योर कर लिए हैं जिसकी वजह से सन ऑफ सरदार के लिए स्क्रीन्स सीमित हैं।

स्लीवलेस ब्लाउज में श्वेता ने दिखाया कर्वी फिगर

फैंस बोले- 'नोरा फेल है आपके सामने'

सिनेमा जगत की हॉट और फिट मॉमी श्वेता तिवारी किसी अलग पहचान की मोहताज नहीं हैं। 2001 में आए टीवी सीरियल कसौटी जिंदगी की प्रेरणा बनकर फैंस के दिलों पर राज करने वालीं श्वेता दो बच्चों की मां हैं, लेकिन 44 वर्षीय इस अभिनेत्री की हॉटनेस वाकई काफी कमाल है। इस बीच सोशल मीडिया पर श्वेता तिवारी के बोल्ड फोटोशूट की कुछ तस्वीरें जमकर वायरल हो रही हैं, जिनमें श्वेता स्लीवलेस ब्लाउज में कहर बरपाती नजर आ रही हैं।

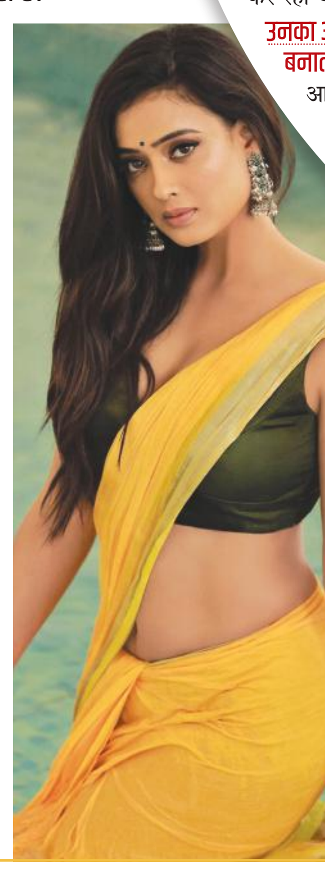

श्वेता तिवारी का किलर लुक

छोटे पर्दे की मशहूर अदाकारा के तौर पर श्वेता तिवारी को जाना जाता है। वह ग्लैमर्स की दुनिया का वो नाम हैं, जो अपनी प्रोफेनल लाइफ के अलावा पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा का विषय बनी रहती हैं। सिर्फ इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर वह काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने ऑफि-शियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर करती रहती हैं।

श्वेता तिवारी का किलर लुक

छोटे पर्दे की मशहूर अदाकारा के तौर पर श्वेता तिवारी को जाना जाता है। वह ग्लैमर्स की दुनिया का वो नाम हैं, जो अपनी प्रोफेनल लाइफ के अलावा पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा का विषय बनी रहती हैं। सिर्फ इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर वह काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने ऑफि-शियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर करती रहती हैं।

श्वेता की इन तस्वीरों में उनका कर्वी फिगर कहर बरपाता हुआ नजर आ रहा है। वह असल जिंदगी में कितनी हॉट हैं, उसका अंदाजा इन तस्वीरों के जरिए असानी से लगाया जा सकता है। उनके इस हॉट फोटोशूट को देखकर आप भी अपनी नजरें नहीं हटा पाएंगे।

फैंस हुए श्वेता की अदाओं पर फिदा

सोशल मीडिया पर श्वेता तिवारी की इन हॉटनेस से भरी फोटोज को देखकर फैंस अपने रिएक्शंस देने से खुद को नहीं रोक पा रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा है कि आप तो नोरा फतेही को भी फेल कर रही हैं। इस तरह से तमाम यूजर्स ने उनकी फोटो पर जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं।

क्रिमिनल जस्टिस 4 की रत्ना रियल लाइफ में दिखती हैं बेहद हॉट!

ओटीटी लवर्स के बीच इन दिनों पंकज त्रिपाठी स्टारर वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस के सीजन 4 की चर्चा चल रही है। इसके हर नए एपिसोड के लिए लोगों को हर गुरुवार का इंतजार करना पड़ा। 8 एपिसोड वाली इस सीरीज को ओटीटी पर काफी पसंद किया गया और इसका फाइनल एपिसोड 3 जुलाई को आया। इससे ओटीटी पर तगड़ा रिस्पॉन्स मिला है। माधव मिश्रा के किरदार में पंकज त्रिपाठी नजर आए और उन्होंने अपने काम से सभी को इंप्रेस कर दिया।

रत्ना मिश्रा और माधव मिश्रा की जोड़ी हुई हिट

क्रिमिनल जस्टिस 4 में पंकज त्रिपाठी की ऑनस्क्रीन वाइफ रत्ना मिश्रा की खूब चर्चा चल रही है। इसमें उन्होंने सादगी और भोले-भाले स्वभाव से सभी का दिल जीत लिया है। इस किरदार की भूमिका एक्ट्रेस खुशबू अत्रे ने निभाई हैं। असल जिंदगी में एक्ट्रेस स्टाइलिश नजर आती हैं और उनके फैंस ड्रेसिंग सेंस के लिए उनसे इंस्पिरेशन लेते हैं। सीरीज के दौरान रत्ना अपनी ड्राइविंग को लेकर चर्चा में रहती हैं, क्योंकि वह शुरुआत में अच्छे से गाड़ी चलाना नहीं जानती हैं, लेकिन आखिरी एपिसोड में दिखाया गया कि रत्ना ने कार चलाने के तरीके से पति माधव मिश्रा को इंप्रेस कर दिया। इसके बाद उनके पति कार से लर्नर का स्टीकर हटा देते हैं।

रियल लाइफ में है खुशबू का ग्लैमरस अवतार

क्रिमिनल जस्टिस में रत्ना का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस खुशबू अत्रे रियल लाइफ में ग्लैमरस दिखती हैं। वह अपनी स्टाइलिश लुक से लोगों को दीवाना बना देती हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस फैंस के साथ अपनी लेटेस्ट लुक की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिसे काफी पसंद भी किया जाता है।

सीरीज में उन्हें सूट के लुक में देखा गया, लेकिन एक्ट्रेस रियल लाइफ में वेस्टर्न ड्रेस भी कैरी करती हैं और इस तरह की आउटफिट में वह बला की खूबसूरत लगती हैं। ऐसा कहा जा सकता है कि उनकी स्टाइलिश लुक की तस्वीरें देखकर उनके ऑन-स्क्रीन पति पंकज त्रिपाठी भी फैन हो जाएंगे। सोशल मीडिया पर उनके रोल पर मीम्स भी खूब बन रहे हैं। खासकर पंकज संग उनके डायलॉग कमाल के है।

जब कटरीना से ऑटोग्राफ लेने आईं जरीन खान एक्ट्रेस ने बनाया ऐसा मुंह, यूजर्स बोले- 'घमंड टपक रहा'

जरीन खान ने साल 2010 में सलमान खान के साथ फिल्मों में डेब्यू किया था और अपनी खूबसूरती के चलते वह छा गई थीं। उनकी तुलना कटरीना कैफ से की जाती थी क्योंकि लोगों का मानना था कि दोनों की शक्ल काफी हद तक मिलती है। जरीन खान और कटरीना कैफ ने कभी साथ में काम नहीं किया है, लेकिन दोनों एक बार आमने-सामने आ चुकी हैं। वीर एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर कटरीना के साथ एक वीडियो शेयर किया है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जरीन ने कटरीना से लिया था ऑटोग्राफ

जरीन खान ने अपने हालिया पोस्ट में रिवील किया है कि वह कटरीना कैफ की बहुत बड़ी फैन थीं। उन्होंने कटरीना से मिलने का एक वीडियो शेयर किया है जो उस वक्त का है, जब जरीन एक्ट्रेस नहीं बनी थीं। बात 2008 की है, जब मुंबई में रेस मूवी का प्रीमियर था और फैन गर्ल जरीन कटरीना से ऑटोग्राफ लेने आई थीं। वीडियो में जरीन खान को मुस्कुराते हुए कटरीना कैफ से ऑटोग्राफ लेते हुए देखा जा सकता है। इस दौरान पिंक साड़ी में वह काफी खूबसूरत लग रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए जरीन ने कहा, ₹ओह माय गॉड। यह वीडियो मिला और यादें अभी भी फ्रेश लगती हैं। मुझे यह पल याद है। रेस मूवी का प्रीमियर था।

रणवीर सिंह का विवादों से है गहरा नाता

कभी न्यूड फोटोशूट तो कभी आपत्तिजनक कमेंट से मोल ले चुके हैं आफत

बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर स्टार रणवीर सिंह के लिए 6 जुलाई का दिन काफी खास होता है। दरअसल, वह इस डेट को अपना जन्मदिन मनाते हैं। साल 2025 की 6 जुलाई यानी आज रणवीर सिंह 40 साल के हो चुके हैं। इस खास दिन पर उनके तमाम चाहने वाले फैंस सोशल मीडिया के जरिए बधाई दे रहे हैं। रणवीर सिंह अपनी बेहतरीन एक्टिंग के लिए तो जाने जाते हैं लेकिन उनका नाम विवादों से भी जुड़ता रहता है। एक्टर के जन्मदिन पर उनके अब तक के सबसे बड़े विवादों के बारे में आपको बताते हैं।

रणवीर सिंह ने अनुष्का शर्मा पर किया था ये कमेंट

रणवीर सिंह एक बार करण जौहर के शो कॉफी विद करण में पहुंचे थे। उनके साथ एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा भी थीं। इस शो के दौरान रणवीर सिंह ने अनुष्का शर्मा से कहा था, 'अगर तुम चाहती हो कि मैं तुम्हारे बम को पिंच करूं तो मैं यही हूं।' ये सुनकर अनुष्का शर्मा हैरान रह गईं। इसके बाद अनुष्का शर्मा ने रणवीर सिंह से कहा, 'मुझसे इस तरह से बात मत करो।'

रणवीर सिंह पर दर्ज हुआ था केस

रणवीर सिंह साल 2015 में शो एआईबी नॉकआउट रोस्ट में शामिल हुई थे। इस शो के दौरान काफी अश्लील कमेंट पास किए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले में रणवीर सिंह समेत कई लोगों पर केस दर्ज किया गया था। यहां तक कि इस शो का वीडियो यूट्यूब से हटाया गया था।

रणवीर ने कराया था न्यूड फोटोशूट

रणवीर सिंह ने साल 2022 में एक मैगजीन के लिए न्यूड फोटोशूट करवाया था। उनके इस फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो मामला पुलिस तक पहुंच गया था। रणवीर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद उन्हें पूछताछ के लिए पुलिस ने बुलाया था।

समंदर किनारे एक्ट्रेस का बोल्ड अंदाज

'सरदार जी 3' फेम और पंजाबी सिनेमा की ग्लैमरस क्वीन एक्ट्रेस नीरू बाजवा एक बार फिर चर्चा में हैं. इस बार वजह है, उनकी हालिया वेकेशन की तस्वीरें, जो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में इस बला की बोल्डनेस ने समंदर के पानी में आग लगा दी है। नीरू बाजवा ने इंस्टाग्राम पर समंदर किनारे अपनी कुछ बोल्ड और स्टनिंग फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो मोनोकिनी और ब्रा सेट में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में उनका कन्फिडेंस, स्टाइल और नेचुरल ग्लो देखते ही बन रहा है। नीरू की तस्वीरों को देखकर फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं, एक यूजर ने लिखा, 'मैम, आपकी उम्र क्या है? आप तो हर साल और भी यंग लगने लगती हैं!' वहीं एक और फैन ने चुटकी लेते हुए कहा, 'लगता है आपने उम्र को रोक दिया है!' नीरू कभी पूल किनारे अपने कर्वी फिगर को फ्लॉन्ट करती दिख रहीं हैं, तो कभी समंदर किनारे रिलैक्स मूड में सेल्फी लेती नजर आती हैं। खासकर येलो और ऑरेंज ब्रा सेट में उनका लुक फैंस के दिलों पर सीधा असर डाल रहा है.

स्टाइल और फिटनेस दोनों में परफेक्ट

नीरू बाजवा न सिर्फ अपनी एक्टिंग से बल्कि अपने स्टाइल और फिटनेस से भी फैंस को इंस्पायर करती हैं, वो अकसर सोशल मीडिया पर अपने वेकेशन लुक्स, जिम रूटीन और ग्लैम फोटोशूट्स शेयर करती रहती हैं, जिन्हें लाखों लाइक्स और कमेंट्स मिलते हैं.

फिल्मों से लेकर सोशल मीडिया तक छाईं

बता दें, 'सरदार जी 3' में एक्ट्रेस ने लीड रोल प्ले किया हैं, और अब नीरू की ये समंदर किनारे की तस्वीरों ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया है. फैंस उनकी तस्वीरों पर दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं, कोई हार्ट वाल इमोजी तो कोई फायर इमोजी शेयर कर रहा है।